

हुँदै थाढ्ह



जैविक विविधताका साथै संस्कृति, शिक्षा, कला, सम्चयताले समूह मानिएको पहाडी जिल्ला पाल्पा संग सम्बन्धित जनसाइखिक विवरण सहितको आर्थिक क्षेत्र, भौतिक तथा सार्वजनिक पूर्वाधार, शिक्षा, स्वास्थ, संचार, कृषि लगायत विशेष गरी वन तथा वातावरणका विषय वस्तुहरु समेटेर पाल्पा जिल्ला प्रोफाइल प्रकाशन हुनु खुसीको कुरा हो । यस पाल्पा जिल्ला प्रोफाइलमा यस जिल्लाको विशेष गरी वन क्षेत्रसंग सम्बन्धित सम्पूर्ण वस्तुस्थितिलाई समेट्ने प्रयास गरिएको ध ।

यस जिल्लाको कुल क्षेत्रफल १,३६,५५५ हेक्टर मध्ये करिब ५३ प्रतिशत वन क्षेत्रले ओगटेको ध । यो जिल्लालाई चुनदुङ्गाको लागि भण्डारणको रूपमा मानिन्दू । वनको व्यवस्थापकीय हिसाबले यस जिल्ला अन्तर्गत रहेका धेरैजसो राष्ट्रिय वन क्षेत्र सामुदायिक वन, कबुलियती वन र धार्मिक वनको रूपमा हस्तान्तरण भङ्गसकेका धन् । आ.व. ३०८७/०८८ देखि आ.व. ३०७५/०७६ सम्म यस जिल्ला अन्तर्गत ७०३ वटा सामुदायिक वन दर्ता भई करीब ४७ हजार, हेक्टर वन क्षेत्र सामुदायिक वनको रूपमा हस्तान्तरित भङ्गसकेका धन् । जसबाट करिब ६१ हजार (केहि दोहरिएको) धरधुरी लाभान्वित भङ्गरहेका धन् । त्यस्तै कबुलियती वन तर्फको तथ्यांकलाई हेर्दा १७४ वटा कबुलियती वन समूह दर्ता भई करिब १००० हेक्टर वन क्षेत्र कबुलियती वन उपभोत्रा समूहलाई हस्तान्तरित भई करिब १३०० धरधुरीका उपभोत्राहरु लाभान्वित भङ्गरहेका धन् ।

यो पुस्तका तयार गर्ने डिमिजनल वन कार्यालय, पाल्पा विकाश शाखाका सहायक वन अधिकृत श्री अनुपा सिलवालको अथक मेहनतको मूल्याङ्कन गर्दै उहाँ लगायत पुस्तिका तयारी तथा प्रकाशनमा प्रत्यक्ष अप्रत्यक्षरूपमा सहयोग गर्नु हुने डि.व.का. का सम्पूर्ण कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, विषयागत कार्यालय, संस्था, सबैलाई धन्यवाद दिन चाहन्दू र साथै यो पाल्पा जिल्ला प्रोफाइल पठनीय र उपयोगी बन्न सकोस् भन्ने शुभकामना व्यक्त गर्दछु ।

अधिन्यवाद

मोहन प्रसाद पौडेल
डिमिजनल वन अधिकृत
डिमिजन वन कार्यालय, पाल्पा, तानसेन

संक्षिप्त शब्दावली (Glossary of Terms)

| | |
|------------|--|
| आ.व. | आर्थिक वर्ष |
| डि.व.का. | डिभिजन वन कार्यालय |
| स.डि.व.का. | सब-डिभिजन वन कार्यालय |
| कि.मि. | किलो मिटर |
| के.जि. | किलो ग्राम |
| क्र.सं. | क्रम संख्या |
| गाविस | गाउं विकास समिति |
| गैसस | गैर सरकारी संस्था |
| घ.फि. | घन फिट |
| घ.मि. | घन मिटर |
| डि.व.अ. | डिभिजनल वन अधिकृत |
| जि.स.स. | जिल्ला समन्वय समिति |
| जि.शि.का. | जिल्ला शिक्षा कार्यालय |
| ता.न.पा. | तानसेन नगरपालिका |
| न.पा. | नगर पालिका |
| मि. | मिटर |
| मि.मि. | मिलीमिटर |
| मे.टन | मेर्ट्रिक टन |
| रे.पो. | रेन्जपोष्ट |
| ले.प. | लेखा परीक्षण |
| व.का.यो. | वन कार्ययोजना |
| इ.व.का. | इलाका वन कार्यालय |
| गा.पा. | गाउँपालिका |
| से.व.का. | सेक्टर वन कार्यालय |
| डि.व.का. | डिभिजन वन कार्यालय |
| स.डि.व.का. | सब डिभिजन वन कार्यालय |
| व.का.स. | वन कार्य सहायक |
| स.व.अ | सहायक वन अधिकृत |
| सा.व. | सामुदायिक वन |
| सा.व.उ.स. | सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह |
| क.व. | कबुलियती वन |
| से. | सेन्ट्रेड |
| से.मि. | सेन्ट्रिमिटर |
| हे. | हेक्टर |
| CITES | Convention on International Trade in Endangered Species of Wild Fauna and |

विषयकृती

खण्ड १: परिचय

| | |
|--------------------------------------|---|
| १.१. पाल्पा जिल्लाको सीम्प्लिक परिचय | १ |
| १.२. नामाकरण | १ |
| १.३. ऐतिहासिक पृष्ठभूमि | १ |
| १.४. राजनीतिक तथा प्रशासनिक विभाजन | १ |
| १.५. भौगोलिक अवस्थिति | ५ |
| १.५.१. क्षेत्रफल, उचाई तथा सिमाना | ५ |
| १.५.२. भू- बनोट तथा भू-उपयोग | ५ |
| १.५.३. टोपोग्राफी | ७ |
| १.६. जल सम्पदा/नदीनालाहरु | ८ |
| १.७. हावापानी | ८ |

खण्ड २ : जनसांख्यिकीय, सामाजिक-आर्थिक स्वरूप तथा भौतिक पूर्वाधार

| | |
|---------------------------------------|----|
| २.१. जनसांख्यिकीय तथा सामाजिक चित्रण | ९ |
| २.१.१. जनसंख्या | ९ |
| २.१.२. जातजाति, धर्म, संस्कृति र भाषा | ११ |
| २.१.३. मानव विकास मूल्काइक तथा गरिवी | १३ |
| २.१.४ साक्षरता दर | १३ |
| २.२. आर्थिक आधार | १३ |
| २.३ भौतिक पूर्वाधार | १४ |
| २.३.१ शिक्षा | १४ |
| २.३.२ स्वास्थ | १५ |
| २.३.३ विद्युत | १५ |
| २.३.४ सडक यातायात | १५ |
| २.३.५. संचार | १८ |
| २.३.६. खानेपानी | १८ |

खण्ड ३: वन, वातावरण, पर्यटन तथा उद्योग

| | |
|--|----|
| ३.१. वन तथा वातावरण | १९ |
| ३.१.१ वनको अवस्थिति | १९ |
| ३.१.२ वन जंगलको किसिम | २० |
| ३.१.३ स्थानिय तह अनुसार वनको विवरण | २७ |
| ३.१.४. पाल्पा जिल्लामा पाइने वनस्पति तथा वन्यजन्तु | ३१ |
| ३.२. पर्यटन तथा उद्योग | ४४ |
| ३.२.१. ऐतिहासिक धरोहर तथा पर्यटकीय आकर्षण | ४४ |
| ३.२.२. प्रसिद्ध गढीहरु तथा प्रसिद्ध गुफाहरु | ४६ |
| ३.३. वन पैदावारमा आधारित उद्योग | ४६ |

खण्ड ४: डिभिजन वन कार्यालय, पाल्पा: एक चिनारी

| | |
|--|----|
| ४.१ संक्षिप्त परिचय | ४७ |
| ४.२. सांगठनिक संरचना तथा कर्मचारी दरबन्दी | ४९ |
| ४.३. भौतिक पूर्वाधारहरु | ४९ |
| ४.४. नसरी तथा विरुद्ध उत्पादन | ५१ |
| ४.५ अन्य प्रयोजनको लागि उपलब्ध गराइएको वनको क्षेत्र | ५२ |
| ४.६. आ.व.०७५/७६ मा यस कार्यालयले गरेका मुख्यमुख्य क्रियाकलापहरु | ५३ |
| तालिका १.१ पाल्पा जिल्लाको राजनीतिक विभाजन | २ |
| तालिका १.२ पाल्पा जिल्लामा रहेका स्थानीय तहको विवरण | २ |
| तालिका १.३ पाल्पा जिल्लाको भौगोलिक अवस्थिति | ५ |
| तालिका १.४ जिल्लाको भू-उपयोगिताको अवस्था | ६ |
| तालिका २.१ पाल्पा जिल्लाको जनसंख्या | ९ |
| तालिका २.२ स्थानीय तह अनुसार जनसंख्याको विवरण | ९ |
| तालिका २.३ पाल्पा जिल्लाका प्रमुख धार्मिक स्थलहरु (मठ, मन्दिर, गुम्बा, चर्च मस्जिद आदि) | १२ |
| तालिका २.४ पाल्पा जिल्लामा रहेका विद्यालयहरुको संख्या | १४ |
| तालिका २.५ जिल्ला भित्र निर्मित प्रमुख सडकहरु | १६ |
| तालिका ३.१ पाल्पा जिल्लामा चुरो क्षेत्रले ओगटेको नगरपालिका/गा.वि.स.हरुको क्षेत्रफल (हेक्टर) | २१ |
| तालिका ३.२ सब डिभिजन अनुसार सामुदायिक वन | २३ |
| तालिका ३.३ कबुलियती वनको अवस्था (आ.व. ०७५/०७६ सम्म) | २४ |
| तालिका ३.४ धार्मिक वनको अवस्था | २७ |
| तालिका ३.५ स्थानीय तह अनुसार वन क्षेत्रफल | २८ |
| तालिका ३.६ स्थानीय तह अनुसार कबुलियती वनको विवरण | २९ |
| तालिका ३.७ स्थानीय तह अनुसार निजी वन | ३० |
| तालिका ३.८ सब डिभिजन अनुसार सामुदायिक वन | ३० |
| तालिका नं ३.९ पाल्पा जिल्लामा पाइने प्रमुख काष्ठ वनपैदावार प्रजातिहरु | ३१ |
| तालिका न. ३.१० गैरकाष्ठ वन पैदावारहरुको स्थानीय प्रयोग | ३२ |
| तालिका नं ३.११ पाल्पा जिल्लामा पाइने प्रमुख वन्यजन्तुहरु | ३६ |
| तालिका नं ३.१२ पाल्पा जिल्लामा पाइने प्रमुख सरिसृप र उभयचर प्रजातिहरु | ३६ |
| तालिका नं ३.१३ पाल्पा जिल्लामा पाइने प्रमुख चरा प्रजातिहरु | ३७ |
| तालिका नं ३.१४ पाल्पा जिल्लामा पाइने प्रमुख माछा प्रजातिहरु | ३८ |
| तालिका नं ३.१५ पाल्पा जिल्लामा पाइने प्रमुख किरा फट्याइझा प्रजातिहरु | ३८ |
| तालिका नं ३.१६ जिल्लामा क्षति पुन्याईरहेका वन्यजन्तुहरु | ३९ |
| तालिका नं ३.१७ : संरक्षित तथा लोपोन्मुख प्रजातिहरु | ४१ |
| तालिका ३.१८ विगत पाँच वर्ष देखि सामुदायिक वनबाट उत्पादन भई समुह बाहिर विकिभएको काठ दाउराको विवरण | ४२ |
| तालिका न ४.१ सब डिभिजन वन कार्यालयहरुको कार्यक्षेत्र | ४८ |
| तालिका ४.२ निर्मित भवनको संख्या र अवस्था | ४९ |
| तालिका ४.३ सवारी साधनको संख्या र अवस्था | ५० |
| तालिका नं ४.४ प्रजाति अनुसारको विरुद्ध उत्पादन | ५१ |
| तालिका ४.५. पाल्पा जिल्लामा अन्य प्रयोजनको लागि उपलब्ध गराइएको वनको क्षेत्र | ५२ |

| | |
|--|----|
| तालिका ४.६ प्रदेश सरकार तर्फका कार्याक्रमहरू | ५३ |
| तालिका ४.७ संघीय सरकार हस्तान्तरीत शर्सर्त कार्याक्रम | ५५ |
| नक्सा नं १.१ पात्पा जिल्लाको प्रशासनिक विभाजन | ४ |
| नक्सा नं १.२ : भू उपयोगिता नक्सा | ६ |
| नक्सा नं १.३: पात्पा जिल्लाको नदीनालाको नक्सा | ८ |
| नक्सा नं २.१ पात्पा जिल्लामा मानव वस्ती | ११ |
| नक्सा नं २.२ पात्पा जिल्लाको सडक नेटवर्क | १५ |
| नक्सा न ३.१ वनको किसिम | २२ |
| नक्सा नं ३.२ सर्तिसाल संरक्षण क्षेत्र | २४ |
| नक्सा नं ३.३ जल्पा कबुलियती क्लष्टर | २५ |
| नक्सा नं ३.४ भिरुवास कबुलियती क्लष्टर | २६ |
| नक्सा नं ३.५ मित्याल कबुलियती क्लष्टर | २६ |
| नक्सा नं ३.६ तेजपात बाहुल्यता नक्सा | ३२ |
| नक्सा नं: ३.७ मुख्य वन्यजन्तु चितुवा र बदेलको करिडोर देखाइएको क्षेत्र | ३९ |
| नक्सा नं ३.८ तेजपात संकलन केन्द्र तथा ट्रेड रुट | ४३ |
| नक्सा नं ४.१ डिभिजन वन कार्यालय, पात्पाको कार्याक्षेत्र | ४७ |
| नक्सा नं ४.२ डिभिजन वन कार्यालय, पात्पा अन्तर्गतका सब डिभिजन वन कार्यालयहरूको कार्याक्षेत्र तथा कार्यालयको नक्सा | ४८ |
| चित्र नं २.१ स्थानीय तह अनुसार जनसंख्या विवरण | १० |
| चित्र नं ३.१ स्थानीय तह अनुसारको वन क्षेत्र | २८ |
| चित्र नं ३.२ स्थानीय तह अनुसार कबुलियती वनको विवरण | २९ |
| चित्र नं. ३.४ तानसेन दरबार | ४४ |
| चित्र नं. ३.५ रानीमहल दरबार | ४४ |
| चित्र नं ३.६: भैरव स्थान मन्दिर | ४५ |
| चित्र नं ३.७: श्रीनगर डाँडा | ४५ |
| चित्र नं ३.८ सत्यवती ताल | ४५ |
| चित्र नं. ४.१ कार्यालयको सांगठनिक संरचना | ४९ |
| अनुसूची १ पात्पा जिल्लामा भएका निजी वनको विवरण | ५६ |
| अनुसूची २ पात्पा जिल्लामा भएका गरीबीका लागि कबुलियती वनको विवरण (आ.व. २०७५/०७६ सम्म) | ५८ |
| अनुसूची ३ पात्पा जिल्लामा भएका धार्मिक वनको विवरण (आ.व. २०७५/०७६ सम्म) | ६२ |
| अनुसूची ३ पात्पा जिल्लामा भएका सामुदायिक वनको विवरण (आ.व. २०७४/०७५ सम्म) | ६३ |
| अनुसूची ५ आ.व. २०७५/०७६ मा हस्तान्तरण भएका सामुदायिक वनको विवरण | ८३ |
| अनुसूची ६ हालसम्म कार्यरत डिभिजनल वन अधिकृतहरूको नाम तथा कार्यअवधि | ८४ |
| सन्दर्भ सामाग्री | ८५ |

खण्ड १: परिचय

१.१. पाल्पा जिल्लाको संक्षिप्त परिचय

पाल्पा जिल्ला नेपालको पुरानो प्रशासनिक विभाजन अनुसार पश्चिमाञ्चल विकास क्षेत्रमा र हालको ५ नं प्रदेशमा पर्दछ । करिब करिब नेपालको मध्य भागमा अवस्थित यो जिल्ला लगभग नेपालकै नक्साको आकारमा फैलिएको छ । धार्मिक र पौराणिक महत्व बोकेको कालीगण्डकी नदी, त्यस नदीको तटमा रहेका रुख र रामनदी(राम्दी) जस्ता पवित्र स्थलहरू, नेपालको ताजमहलको रूपमा परिचित रानीमहल र विभिन्न स्थानहरूबाट देखिने मनोरम हिमश्रृङ्खलाहरू, ऐतिहासिक, भौगोलिक, सांस्कृतिक एवं जैविक विविधताले भरिपूर्ण यो जिल्ला स्थानीय एवं विदेशी पर्यटकका लागि आकर्षणको केन्द्रविन्दु मानिन्छ । यस जिल्लाको सदरमुकाम तानसेन नेपालकै सुन्दर नगरको रूपमा परिचित छ । यो प्रकृति, संस्कृति, कला, शिक्षा, सभ्यता, रहनसहन र जैविक विविधताले तुलनात्मक रूपमा सम्वृद्ध मध्य-पहाडी जिल्लाको रूपमा चिनिन्छ ।

नेपाल अधिराज्यका उत्तम हावापानी मानिने जिल्लाहरू मध्ये पाल्पा जिल्ला पनि एक हो । यस जिल्लाको तापक्रम ४ डिग्री सेन्टिग्रेड देखि ३२ डिग्री सेन्टिग्रेड सम्म पुग्दछ । वार्षिक वर्षा सरदर १९०३ मिलिलिटर हुने गरेको छ । चुरे तथा महाभारत श्रेणीमा पर्ने दक्षिण-पश्चिमबाट पूर्वोत्तर तेर्सिएका उच्च लेक-मस्याम, रिधिमा, हात्तिलुङ्ग, नुवाकोट, कौडे आदि पर्दछन् । त्यसै गरी सुके, नन्दन र सत्यवती जस्ता ताल तलैया र धार्मिक महत्व बोकेको प्रसिद्ध कालिगण्डकी नदी, मध्य पाल्पामा अवस्थित माडीफाँट लाई सिङ्घित गर्दै बगेको तिनाउ नदी यस जिल्लाका महत्वपूर्ण नदीहरू हुन भने पूर्वी पाल्पामा प्रवाहित निस्दी, पश्चिम-दक्षिण पाल्पामा प्रवाहित दोभान यस जिल्लाका अन्य महत्वपूर्ण नदीहरू हुन् ।

प्राकृतिक सौन्दर्यताले भरिपूर्ण धरातलिय स्वरूप र हावापानीमा विविधताको कारण जैविक विविधतामा पनि धनी मानिने यस जिल्लाको दक्षिण भागमा उत्तरी र मध्य भागमा बढी खेती योग्य जमिन रहेको छ । यो पहाडी जिल्ला भएता पनि रामपुर, अर्गाली, हुँगी, कचल, दर्पूक, सर्देवा, पूर्वखोला, भलायटार र दैलाटुड जस्ता उर्वर फाँटहरू पनि छन् । पछिल्लो दशकहरूमा जनचेतना अभिवृद्धिका कारण व्यापक जनसहभागितामा वन संरक्षण, सम्वर्द्धन र सदुपयोगको साथै पर्यावरणीय सुधारमा टेवा पुर्याउने सामुदायिक र कबुलियति वन विकासका कार्यक्रमहरूको संचालन, वनजन्य श्रोतहरूको दिगो व्यपस्थापनले स्थानीय जनसमुदाय, वन तथा वातावरणमा सकारात्मक प्रभाव परेको देखिन्छ ।

१.२. नामाकरण

“पाल्पा” शब्दको बीचको अक्षर हटाउँदा मिठो खानेकुरा “पापा” बन्ने यस जिल्लाको नामकरण सम्बन्धमा विभिन्न आंकलन तथा किवदन्तीहरू रहेका छन् । इटलीका प्रसिद्ध विद्वान तथा इतिहासकार प्रो. जोसेफ दुचीका अनुसार पाल्पा प्रदेशको रूपमा यस जिल्लाको अस्तित्व इशाको पाँचौ शताब्दीतिर रहेको हो । उनका अनुसार मंगोलियन शब्द “वाल्वा” वाट अपग्रंश भएर “पाल्पा” भएको हो । यसको अर्थ सीप, कला र कालीगढी हुन्छ । अर्कोतर्फ “पाल” वंशका शासकले शासन (पालन) गरेको क्षेत्र भएकोले यसको नाम “पाल्पा” रहन गएको हो भने जनश्रुति समेत रहेको छ । त्यसैगरी “जोगीपानीपाला” र “खस्यौ लीपाला” को संगमस्थल “खदलुकपाला” (हालको भैरवस्थान क्षेत्र) भएकोले यहाँवाट “पाला पाला” भन्दाभन्दै पाल्पाको मूलथलोको रूपमा रहेको सो स्थान (भैरवस्थान) को नाम “पाल्पा” रही ऋमशः राज्यको नाम नै “पाल्पा” रहन गएको हो भने अर्को किम्बदन्ति पनि रहेको छ ।

१.३. ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

नेपालको ईतिहासको प्राचिनकालमा यस जिल्लामा पर्ने रिब्दीकोटमा धर्मपाल सेनले ई.स. १४२९ ताका छुटै रियासत (राज्य) खडा गरेका थिए । यो नै पाल्पा राज्यको स्थापना काल भएको मानिन्छ । धर्मपालका छोरा खामसेन पछि ऋमशः चन्द्रसेन र रुद्रसेनले पनि पाल्पा राज्यको सन्चालन रिब्दीकोटवाटै गरेका थिए ।

वि.स. १७७४ मा पाल्पाली राजकुमारी कौशल्यावतीसंग गोरखाका राजा नरभूपाल शाहको दोश्रो विवाह भई यिनै रानीबाट श्री ५ पृथ्वीनारायण शाहको जन्म भएको हो । त्यसैगरी नेपालको एकीकरणमा महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह गर्ने पृथ्वीनारायण शाहका कान्छा छोरा वहादुर शाह (जसले श्री ५ रणवहादुर शाहका राज्यकालमा मुखितयार भई राज्य शासन समाल्ने कार्य गरे) ले पाल्पाली सेनवंशी राजा महादत सेनकी छोरी बिद्यालक्ष्मीसंग विवाह गरे । महादत सेनकै पालामा वि.स. १८४४ मा श्रीनगर शहर वसाल्ने काम भएको थियो । वि.स. १८५१ मा राजा महादत सेनको मृत्युपछि जेठा छोरा पृथ्वीपाल सेन पाल्पाका राजा भए । चौविसी राज्यहरू मध्ये सर्वैभन्दा सबल राज्य पाल्पा र पर्वत थिए । त्यसमा पनि धन, दौलत र अवधसंगको सैनिक सम्बन्धका कारण पाल्पा अझै वलवान थियो । त्यसैले नेपालको एकीकरणको सिलसिलामा अन्य सम्पूर्ण वाईसी चौविसी राज्यहरू नेपालमा विलय भए तापनि पाल्पा भने स्वतन्त्र नै थियो ।

बहादुर शाहको देहावशान पछि गोर्खा राज्य विस्तारको ऋममा शक्तिशाली राज्य पाल्पालाई युद्धवाट विजय गर्न कठिन भएकोले छलकपटको रणनीति शुरु भयो । पाल्पाका राजा पृथ्वीपाल सेनलाई उनकी वहीनीको विवाह रणवहादुर शाहसंग गराउने वहानामा काठमाण्डौ बोलाइयो । उक्त बोलाहट अनुसार पृथ्वीपाल सेन वि.स. १८६१ वैशाखमा काठमाण्डौ पुग्दा नपुग्दै नेपालको राजाहुने षड्यन्त्र गरेको आरोपमा आफ्ना अनुयायीहरू सहित पक्राउ परी ललितपुरको पाटन दरवारमा कैद गरिए ।

यसरी पाल्पालाई नेतृत्व विहीन बनाएपछि ई.स. १८०४ जुलाई ४ का दिन काठमाण्डौबाट चौतारिया हस्तदल शाह र अमरसिंह थापा (भिमसेन थापाका पिता) को नेतृत्वमा पाल्पा दखल गर्न फौज पठाइयो । यो कुराको चाल पाएर पृथ्वीपाल सेनकी रानी, छोरा तथा कनकनिधि तिवारी लगायतका खासखास मानिसहरू रातारात भागेर बुटवलको वाटो हुँदै भारततर्फ पलायन भए । यसरी ११ पुस्ताका सेनवंशी राजाद्वारा शासित पैने चार शताब्दीसम्म स्वतन्त्र राज्यको रूपमा रहेको गण्डकी प्रदेशको एक सशक्त चौविसी राज्य पाल्पा नेपाल अधिराज्यमा सजिलै विलीन भई एकीकृत नेपालको एक इकाई मात्र वन्न पुग्यो । रणवहादुर शाहको वि.सं. १८६३ जेठ १४ गते हत्या भएपछि त्यसको भोलीपल्ट सोही निहुँमा कैद गरी राखेका पृथ्वीपाल सेन सहित अठार जना पाल्पालीहरूलाई पनि मार्ने काम भयो ।

पाल्पा नेपालमा विलय भए तापनि देशको पश्चिमी क्षेत्रको सैनिक तथा प्रशासनिक केन्द्रको रूपमा रहेको थियो । राणाशासन कालमा सामरिक तथा प्रशासनिक दृष्टिले महत्वपूर्ण पहाडी क्षेत्रका सैनिक केन्द्रलाई गौँडा भनिन्थ्यो । धनकुटा, पाल्पा र डोटी मुख्य गौँडाका रूपमा रहेका थिए । वि.स. २०२२ सालमा जारी गरिएको स्थानीय प्रशासन ऐन अनुसार गढी, गौँडा, गोश्वारा र मजिष्ट्रेट अङ्गाहरू खारेजी पश्चात पाल्पा गौँडाको अस्तित्व पनि समाप्त भयो ।

१.४. राजनीतिक तथा प्रशासनिक विभाजन

विगतमा ६० वटा गा.वि.स. र २ वटा नगरपालिका रहेको पाल्पा जिल्लामा हाल ८ वटा गाँउपालिका र २ वटा नगरपालिका गरी १० वटा स्थानिय निकायहरू रहेका छन् ।

तालिका १.१ पाल्पा जिल्लाको राजनीतिक विभाजन

| क्र.स. | विवरण | |
|--------|------------------|---|
| १ | नगरपालिका | २ (रामपुर, तानसेन) |
| २ | गाउँपालिका | ८ (निस्दी, रिब्दीकोट, रैनादेवी छहरा, रम्भा, बगनाशकाली, माथागढी, पूर्वखोला, तिनाउ) |
| ३ | वडा | ८१ |
| ४ | सदरमुकाम | तानसेन |
| ५ | निवार्चन क्षेत्र | २ |

श्रोत: जि.स.स, २०७१, फिल्ड तथ्याङ्क संकलन, २०१९

तालिका १.२ पाल्पा जिल्लामा रहेका स्थानीय तहको विवरण

| क्र.स. | स्थानीय तहको नाम | समावेश गाविस र नगरपालिका | वडा संख्या | क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.) |
|--------|--------------------------|--|------------|-------------------------|
| १ | रामपुर नगरपालिका | रामपुर नगरपालिका | १० | १२३.३४ |
| २ | तानसेन नगरपालिका | तानसेन नगरपालिका, वराडी (२-६), मदनपोखरा, तेल्घा, बन्दिपोखरा, बौघापोखराथोक, बौघागुम्हा र अर्गली गा.वि.स. १४ | १४ | १०९.८ |
| ३ | निस्दी गाउँपालिका | वाकामलाड, सहलकोट, फिरुवास, मित्याल, गल्धा, अर्चले र ज्यामिरे गा.वि.स. | ७ | १९४.५ |
| ४ | पूर्वखोला गाउँपालिका | सिलुवा, जल्पा, रिङ्नेरह, देवीनगर, विरकोट र हेक्लाड (१-८) गा.वि.स. | ६ | १३८.०५ |
| ५ | रम्भा गाउँपालिका | हुँगी, हेक्लाड- ९, फोक्सीझोट, पिपलडाडा, हुमिन र ताँहु गा.वि.स. | ५ | ९४.१२ |
| ६ | माथागढी गाउँपालिका | चिदीपानी, रुप्से, कसेनी, भडेवा, गेठादी, रहवास र बहादुरपुर गा.वि.स. | ८ | २१५.४९ |
| ७ | तिनाउ गाउँपालिका | कचल, दोभान, कोलडाँडा र मस्याम गा.वि.स. | ६ | २०२ |
| ८ | बगनासकाली गाउँपालिका | चिर्तुडधारा, पोखराथोक, नायरनमतलेस, खानीछाप, दर्लमडाँडा, यम्घा, खानीगाउँ, बराडी (१,७,८ र ९) र चाप्पानी गा.वि.स. | ९ | ८४.१७ |
| ९ | रिब्दिकोट गाउँपालिका | ख्याहा, देउराली, खस्यौली, भैरवस्थान, कुसुमखोला, ठिमुरे, पालुडमैनादी र फेक गा.वि.स. | ८ | १२४.५५ |
| १० | रैनादेवी छहरा गाउँपालिका | सिद्धेश्वर, सोमादी, भुवनपोखरी, छहरा, मुझुड, जुठापौवा, बल्डेडगढी र सत्यवती गा.वि.स. | ८ | १७५.८८ |
| | जम्मा | | ८१ | १४६१.९ |

श्रोत: संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालय, २०१९, फिल्ड तथ्याङ्क संकलन, २०१९

Political and Administrative Division Map of Palpa



Legend

Local Government

0 3 6 12 18 24 Kilometers

| | | | |
|------------------|------------|------------------|--------------------|
| [Pink Box] | Tinau | [Pink Box] | Rambha |
| [Orange Box] | Bagnaskali | [Yellow Box] | Rampur |
| [Purple Box] | Mathagadhi | [Green Box] | Ribdikot |
| [Light Blue Box] | Nisdi | [Yellow Box] | Tansen |
| [Dark Blue Box] | Purbakhola | [Light Blue Box] | Rainadevi Chhahara |

नक्सा नं १.१ पाल्पा जिल्लाको प्रशासनिक विभाजन

१.५. भौगोलिक अवस्थिति

१.५.१. क्षेत्रफल, उचाई तथा सिमाना

समुद्र सतहबाट १५२ देखि १९३६ मिटरको उचाईसम्म फैलाएको यस जिल्लाको कूल क्षेत्रफल र भू-उपयोगिताको तथ्याङ्क फरक फरक पाइन्छ । जिल्लामा रहेको पञ्चवर्षीय वन व्यवस्थापन कार्य योजना (०७०/७१-०७४/७५) अनुसार जिल्लाको क्षेत्रफल १३६६.९५ वर्ग कि.मी. (१,३६,५९५हेक्टर) रहेको छ (जुन देशको कुल भू-भागको ०.९३% हुन आउछ) भने संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालयको तथ्याङ्कले यस जिल्लाको क्षेत्रफल १४६१.९ वर्ग कि.मी. (१,३६,५९५हेक्टर) देखाउँछ । त्यस्तै गरेर नेपालको वन अनुसन्धान तथा सर्वेक्षण विभागले २०१७ मा प्रकाशन गरेको तथ्याङ्कले भने यस जिल्लाको क्षेत्रफल १४६३.३ वर्ग कि.मी. (१,४६,३३०हेक्टर) देखाउँछ ।

तालिका १.३ पाल्पा जिल्लाको भौगोलिक अवस्थिति

| क्र.सं. | विवरण | | |
|---------|---------------------|--|--------------------------|
| १ | अक्षांश | २७°३४' ०" उत्तर देखी २७°५७' ०" उत्तर सम्म | |
| २ | देशान्तर | ८३°१५' पूर्व देखी ८४°२२' पूर्व सम्म | |
| ३ | सिमाना | पूर्व | नवलपरासी र तनहुँ |
| | | पश्चिम | अर्धाखाँची र गुल्मी |
| | | उत्तर | गुल्मी, स्याङ्जा र तनहुँ |
| | | दक्षिण | नवलपरासी र रुपन्देही |
| ४ | पूर्व-पश्चिम लम्बाई | सरदर ७० कि.मि. | |
| ५ | उत्तर-दक्षिण चौडाई | सरदर २० कि.मि. | |
| ६ | सबै भन्दा अग्लो भाग | छहराको तीनगारे लेक, समुद्र सतहबाट १९२२ मिटरको उचाईमा * | |
| ७ | सबै भन्दा होचो भाग | दोभानको तिनाउ खोला र रुपन्देही जिल्लाको चिडियाखोलाको संगम विन्दुको तट, समुद्र सतहबाट २१३ मिटरको उचाईमा Calibri | |

* त्रोत: Google Earth

१.५.२. भू- बनोट तथा भू-उपयोग

पाल्पा जिल्ला पहाडी जिल्लामा पर्ने भएकोले यो भू-भाग चुरेदेखि महाभारत क्षेत्र सम्म फैलाएको छ । पाल्पा जिल्लाको करिब १८ प्रतिशत भू-भाग जिल्लाको दक्षिणी सिमाना चुरे क्षेत्रमा अवस्थित छ भने यस जिल्लाको ८२ प्रतिशत भू-भाग महाभारत पर्वत श्रृंखलामा पर्दछ । यस जिल्लाको भू-संरचना जटील भएको कारण यसको भू-सतह (Land Surface) पनि उत्तिकै जटील छ । भू-सतहको आकृतिका आधारमा जिल्लाको भू-क्षेत्रलाई दुइ प्रमुख किसिममा विभाजन गर्न सकिन्छ :

चुरे, सिवालिक (Chure and Siwalik) :

समुद्र सतहदेखि १५२ मी. भन्दा माथिको १००० मी. सम्मको उचाईमा रहेको भू-भाग यस सिवालिक र चुरे भू-भाग अन्तर्गत पर्दछ । यस जिल्लाका पहाडी क्षेत्रमा पाइने चट्टानहरू Sandstone, Conglomerates र Sandy limestones छन् ।

महाभारत पहाड (Middle Mountain and Hills) :

यस जिल्लाको महाभारत क्षेत्र पूर्व-पश्चिममा फैलाएको छ र यसको उचाइ लगभग १००० देखि १९३६ मीटर रहेको छ । खास गरि पहाडी क्षेत्र पर्हिरो, भू-क्षय, भू-स्खलन र भूकम्प जस्ता प्रकृतिक विपदाको हिसावले अत्यन्त संवेदनसिल मानिन्छ ।

पाल्पा जिल्ला प्रोफाईल

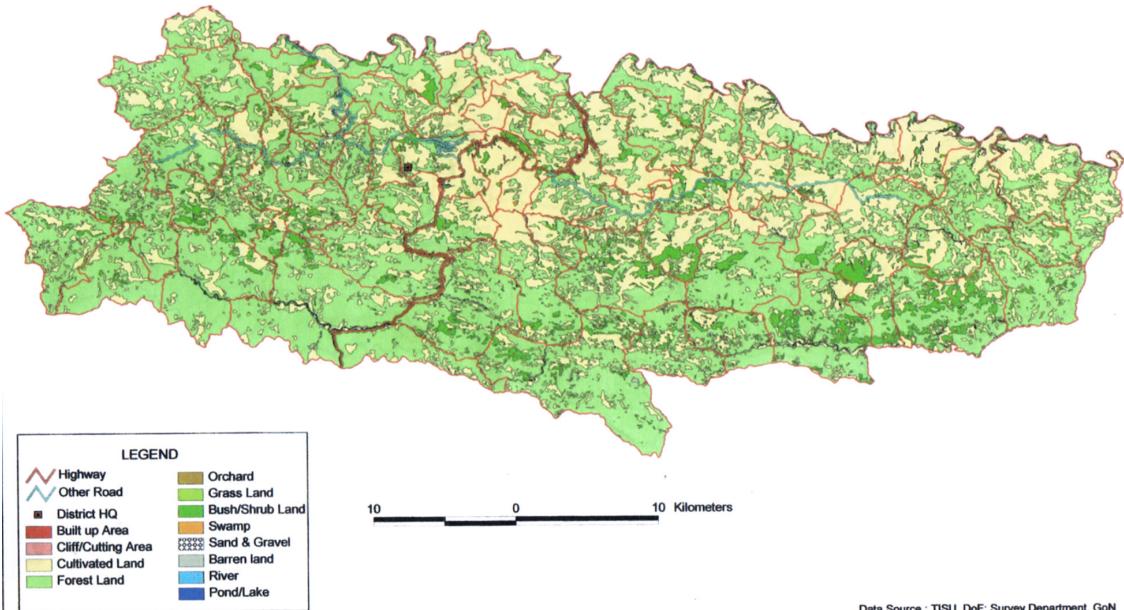
त्यसकारण यस क्षेत्रमा अला एवं धेरै तल्लाका निर्माण कार्य गर्दा सावधानी अपनाउनु आवश्यक छ । यस जिल्लाका पहाडी क्षेत्रमा पाइने चट्टानहरू *Quartzes, Schists / Sandstones* छन् । अन्य पहाडी क्षेत्रको तुलनामा यस जिल्लाको भू बनौट केही हदसम्म स्थिर छ ।

यस जिल्लाको जम्मा क्षेत्रफल १३६६ वर्ग कि.मि. (पञ्चवर्षीय वन व्यवस्थापन कार्य योजना (०७०/७१-०७४/७५ अनुसार) मध्ये ७४२ व. कि. मि. (५४ प्रतिशत) १००० मी. भन्दा कम उचाईमा पर्दछ भने ६२४ व कि.मि. (४६ प्रतिशत) भू-भाग १००० देखि १९३६ मि. सम्मको उचाइमा पर्दछ । यस जिल्लामा मुख्य ३ वटा ठूला फाँटहरू रहेका छन् । तानसेनबाट दक्षिणपा पर्ने माडी फाँट, सुदूर पूर्वमा पर्ने रामपुर फाँट र सुदूर पश्चिममा पर्ने कचल फाँटहरू यस जिल्लाका प्रसिद्ध फाँटहरू हुन । यस बाहेक दर्पुक, सर्देवा, अर्गली, छेर्लुड, दैलातुड, अंगाहा खोला, गेभा वर्दले, भलाय टारहरू खेती योग्य फाँटमा गनिन्छन् । यस जिल्लाको भू-भाग कृषि, वन तथा अन्य क्षेत्रले ओगटेको छ । जस मध्ये वन क्षेत्र ७११७० हे., कृषि योग्य जमिन ३६५६७ हे. र खेतीका लागि अनुपयूक्त जमिन २०६०५ हे. र अन्य जगाहरू १२५५ हे. रहेको छ (तालिका नं. १.४) ।

तालिका १.४ जिल्लाको भू-उपयोगिताको अवस्था

| क्र.स. | भौगोलिक क्षेत्र | कृषियोग्य जमिन (हेक्टर) | वन क्षेत्र (भाडी क्षेत्र समेत) (हेक्टर) | चरन क्षेत्र (हेक्टर) | अन्य क्षेत्र (हेक्टर) | जम्मा क्षेत्रफल (हेक्टर) |
|--------|-----------------|-------------------------|---|----------------------|-----------------------|--------------------------|
| १ | मध्य पहाड | ५१,८४२ | ५२,५५१ | ६,६२९ | ९७७ | १,११,९९९ |
| २ | चुरे पहाड | ५,३३० | १८,६१९ | ३६९ | २७८ | २४,५९६ |
| | जम्मा | ५७,१७२ | ७१,१७० | ६,९९८ | १,२५५ | १,३६,५९५ |
| | प्रतिशत | ४१.८६ | ५२.१० | ५.१२ | ०.९२ | १०० |

श्रोत: पञ्चवर्षीय वन व्यवस्थापन कार्य योजना (०७०/७१-०७४/७५)



नक्सा नं १.२ : भू उपयोगिता नक्सा

१.५.३. टोपोग्राफी (Topography) :

यस जिल्लालाई जमिनको भिरालोपनाको आधारमा निम्न बमोजिम जम्मा ४ भागमा वाँडन सकिन्छ । पहाडी क्षेत्रमा भीरालोपनका वृद्धिसंगैजमिनको उर्वरा शक्ति, भू-क्षयको सम्भावना, उत्पादन विभिन्नता र अवसर तथा सम्भावनाहरूको अवस्थामा प्रतिकुल प्रभाव रहेको देखिन्छ । अधिकांश मुलुकमा १८० भन्दा कम भिरालो जमिनलाई वस्ती तथा खेतीको लागि उपयुक्त क्षेत्र मानिन्छ । तर यस भन्दा वढी भिरालो भएका जग्गाहरु वस्ती एवं खेतीको कम उपयुक्त रहेको मानिन्छ । ५०० भन्दा बढी भिरालो रहेको जमिनलाई पूर्ण संरक्षण गर्नु पर्ने आवश्यक छ । Ecological Zone को आधारमा यो जिल्ला मध्य पहाडी क्षेत्रमा पर्ने हुँदा जमिनको भिरालोपनाको आधारमा क्षेत्रक्षेत्र अनुसार, नेपालका जिल्लाहरूमा पाल्पा ३५ औं स्थानमा पर्दछ ।

१० भन्दा कम भिरालो जमिन :- तराई क्षेत्रका उब्जाउ जग्गाहरु यस खण्डमा पर्दछ र यो जग्गा खेतीका लागि अतिउत्तम मानिन्छ । यस्ता खालका जग्गाहरु भू-क्षयबाट सुरक्षित हुन्छ र यसमा आधुनिक खेती प्रणाली अपनाउन सकिन्छ । माटोको सतहको मात्रा यसमा वढी हुन्छ । यस्ता खालका जग्गा पाल्पा जिल्लामा खास गरि नदि किनारमा अवस्थित छ र यस्ता जग्गा करिब २.५१ % मात्र रहेको छ । यस्ता खालका भू भागमा कालीनदी तथा अन्य नदीका टार वेसीहरु पुट्ठर, रामपुर, आदि फाँटहरु पर्दछन् ।

१०-५० भिरालो जमिन :- यस्तो भिरालोपना भएको जग्गापहाडका वेशी तथा नदी खोला किनारमा रहेका भूभागहरु पर्दछ । यस्ता खालका जग्गा वसोवासको लागि सुरक्षित र खेतीको लागि राम्रो मानिन्छ । यस्ता खालका जग्गामा सामान्यतया गहा सुधार प्रणाली अपनाइ खेती गर्न सकिन्छ किनकि यस खालको भूभागमा हुने भू-क्षयलाई सजिलै नियन्त्रण गर्न सकिन्छ । पाल्पा जिल्लाको भण्डै ११.१३% जमिन यस्तै प्रकारको भू खण्डमा पर्दछ यस खण्डमा अधिकांश नदी खोला किनारका फाँट र वेशीका जग्गा भण्डै २५ % यस क्षेत्रमा अवस्थित छ ।

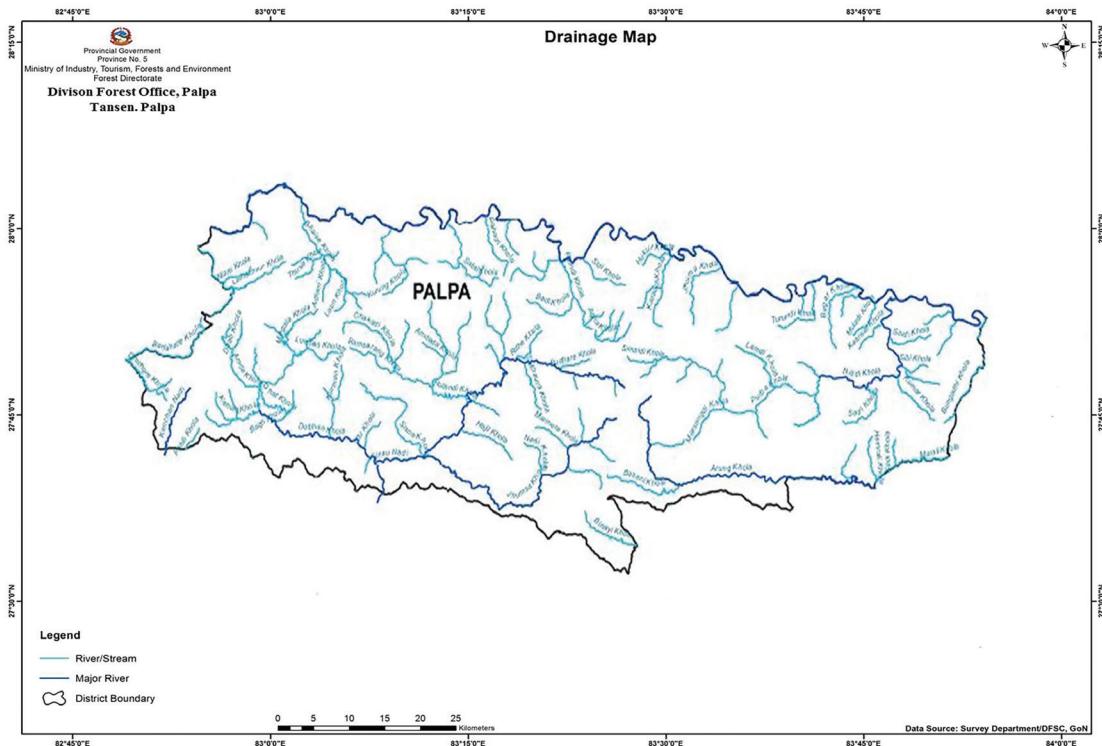
५०-३० भिरालो जमिन :- यस क्षेत्रका भू-भागको अवस्था मध्यम खालको भिरालो रहेकोले सामान्य रूपमा भू-क्षय जान सक्ने संभावना रहन्छ त्यसकारण यस क्षेत्रमा सावधानीपूर्वक गरा प्रणाली र भू-संरक्षणका उपायहरु अपनाएमा र मैत्रीपूर्ण वातावरण सृजना गरेमा वन व्यवस्थापन, पशुपालन र फलफूल खेतीका आदि भू-क्षय नहुने खालको कृयकलापहरु न्यू सकिन्छ । यसमा खास गरि कम भिरालो भएको जग्गाहरु पर्दछन् । सामान्यतया यस भागमा माटोको मात्रा २० से.मी. सम्म रहेको हुन्छ पाल्पा जिल्लामा यस्तो जमिन २६.५% मात्र रहेकोछ । यस जिल्लाको मध्य उत्तर र पश्चिमी भागमा रहेका करिब ५०% वस्तीहरु यस क्षेत्रमा छ । यस क्षेत्रको भिरालोपना र कमजोर भू-वनौटका कारण यहाँ अवस्थित वस्तीहरु वढी जोखिमपूर्ण रहेको छ ।

३०-५० भिरालो जमिन :- नेपालमा हुने भू-क्षयका प्रकृतिको हिसावले यो भू-भाग अति संवेदनसिलमा पर्दछ । यस्ता भिरालो जग्गाहरूमा २० से.मी भन्दा पनि कम मात्र माटो पाइन्छ तइसकारण यस्ता जग्गाहरूको संरक्षणमा विशेष ध्यान दिइनु जरुरी छ । यस्ता भू-भागहरु वस्ती तथा खेतीको लागि कम उपयुक्त वा अनुपयुक्त मानिन्छ । पाल्पा जिल्लाको अधिकांश पहाडी भागमा यस्तै खालको भू-क्षय हुन सक्ने र वस्ती तथा खेतीको लागि कम उपयुक्त जमिनहरु छन् । यस जिल्लाको भण्डै ६२% जमिन यस्तै प्रकृतिको छ र यद्यपि २०% मानिसहरु वसोवास यहाँ वसोवास गर्दछन् । नेपालको सन्दर्भमा ३०० भन्दा वढी भिरालो जमिनलाई खेती गर्नका लागि र वसोवासका लागि खतरायुक्त जमिन मानिन्छ र यस्ता भिरालो भएको जग्गा पाल्पामा ६२% रहेको देखिन्छ । (slope map)

पाल्पा जिल्ला प्रोफाईल

१.६. जल सर्वपदा/नदीनालाहरु

यस जिल्लाको उत्तरी सिमाना भएर वग्ने कालीगण्डकी नदी मुख्य नदी हो र यसले पाल्पा तथा स्याड्जा समेतको मात्र नभई लुम्बिनी र गण्डकी अन्चलकै सीमा नदीको रुपमा काम गरेको छ । यसका अतिरिक्त रिडी खोला, तिनाउ खोला, निस्दी खोला, अरुण खोला, दोभान खोला, कुसुम खोला, अगाहा खोला, पूर्व खोला, भुम्सा खोला, सर्देवा खोला जस्ता सानादूला नदीनालाहरु यस जिल्ला भित्रबाट वाच्छन् । यी नदी तथा खेलाहरुको श्रोत हिमाली क्षेत्र रहेका छन् भने केही खोला नाला तथा नदीका उदागम स्थल चुरे क्षेत्र पनि हो । यस जिल्लामा पर्ने सत्यवती ताल, सुकेताल, तानसेन नगरपालिकामा रहेको प्रभाश ताल र सीताकुण्डहरु यहाँका प्रमुख तालतलैयाहरु हुन् ।



नक्सा नं १.३: पाल्पा जिल्लाको नदीनालाको नक्सा

१.८. हावापानी

यस जिल्लाको हावापानीलाई मुख्य दुई भागमा बाँडन सकिन्छ । ति हुन्:

क. उष्ण/उपोष्ण हावापानी - बेसी, खोच तथा कालीगण्डकीको तटीय क्षेत्रहरूमा

ख. समशितोष्ण हावापानी - पहाडी क्षेत्रहरुमा

यस जिल्लाको सरदर अधिकतम तापक्रम २३ डि. सेल्सियस र न्युनतम तापक्रम १४ डि. सेल्सियस भए पनि गर्मी याममा ३२ डि. सेल्सियस भन्दा बढी र जाडोमा ४ डि. भन्दा कम हुदैन। यस जिल्लामा बार्षिक सरदर १९०३ मि.लि. बर्षा हुन्छ। मनसुनमा जेष्ठ देखि भाद्रसम्म ८० प्रतिशत बर्षा भई सकेको हुन्छ।

खण्ड २ : जनसांख्यिकीय, सामाजिक-आर्थिक स्वरूप तथा भौतिक पूर्वाधार

२.१. जनसांख्यिकीय तथा सामाजिक चित्रण

२.१.१. जनसंख्या

राष्ट्रिय जनगणना २०६८ अनुसार यस जिल्ला अन्तरगत ५९,२९१ घरधुरी तथा १,१५,८४० पुरुष र १,४५,३४० महिला गरी जम्मा २,६१,१८० जना जनसंख्या रहेको छ । जुन देशको कूल जनसंख्याको १.१६ प्रतिशत हुन आउँछ । यस सम्बन्धि विस्तुत विवरण निम्नानुसार तालिका- मा प्रस्तुत गरिएको छ । संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालयको तथ्याङ्कले यस जिल्लाको कूल जनसंख्या २,५८,८९३ देखाएको छ जुन राष्ट्रिय जनगणना २०६८ को जनसंख्या भन्दा कम रहेको छ ।

तालिका २.१ पाल्पा जिल्लाको जनसंख्या

| क्र.स. | विवरण | इकाई | परिमाण | कैफियत |
|--------|-------------------|-------------------|--------|---------------|
| १. | कूल जनसंख्या | संख्या | २६११८० | |
| २. | पुरुष | संख्या | ११५८४० | ४४।३५ प्रतिशत |
| ३. | महिला | संख्या | १४५३४० | ५५.६५ प्रतिशत |
| ४. | घरधुरी | संख्या | ५९२९१ | |
| ५. | जनसंख्या वृद्धिदर | प्रतिशत | १ | |
| ६. | औषत घरधुरी | जनसंख्या | ४।४९ | |
| ७. | जनघनत्व | प्रति वर्ग कि.मी. | १९० | |

श्रोत : शाखा तथ्याङ्क कार्यालय, पाल्पा, राष्ट्रिय जनगणना २०६८

स्थानिय तह अनुसार जनसंख्या विवरण

संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालयको तथ्याङ्कले देखाएको यस जिल्लाको कूल जनसंख्या २,५८,८९३मध्ये सबै भन्दा बढी जनसंख्या तानसेन नगरपालिकाको छ भने सबै भन्दा कम पूर्वखोला गाउँपालिकाको रहेको छ (तालिका २.२ र चित्र २.१) ।

तालिका २.२ स्थानीय तह अनुसार जनसंख्याको विवरण

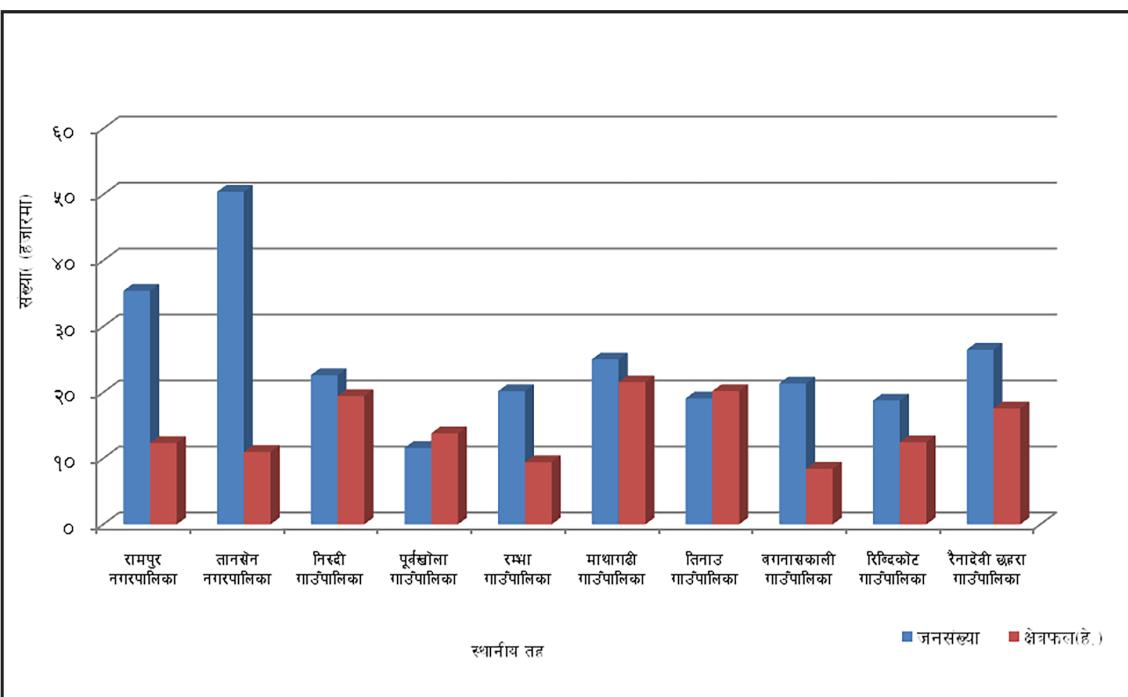
| क्र.स. | स्थानीय तहको नाम | जनसंख्या | जन घनत्व प्रति वर्ग कि.मी. |
|--------|----------------------|----------|----------------------------|
| १ | रामपुर नगरपालिका | ३५,३९६ | २८७ |
| २ | तानसेन नगरपालिका | ५०,४०५ | ४५९ |
| ३ | निस्दी गाउँपालिका | २२,६११ | ११६ |
| ४ | पूर्वखोला गाउँपालिका | ११,५८९ | १४२ |

पाल्पा जिल्ला प्रोफाईल

| | | | |
|----|--------------------------|----------|-----|
| ५ | रम्भा गाउँपालिका | २०,१९० | २१५ |
| ६ | माथागढी गाउँपालिका | २५,०१७ | ११६ |
| ७ | तिनाउ गाउँपालिका | १९,०८५ | ९५ |
| ८ | बगनासकाली गाउँपालिका | २१,३६१ | २५४ |
| ९ | रिब्दिकोट गाउँपालिका | १८,७७० | १५१ |
| १० | रैनादेवी छहरा गाउँपालिका | २६,४६० | १५० |
| | जम्मा | २,५८,८९३ | |

स्रोत : संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालय, २०१९, फिल्ड तथ्याङ्क संकलन, २०१९

स्थानीय तह अनुसार जनसंख्या विवरण



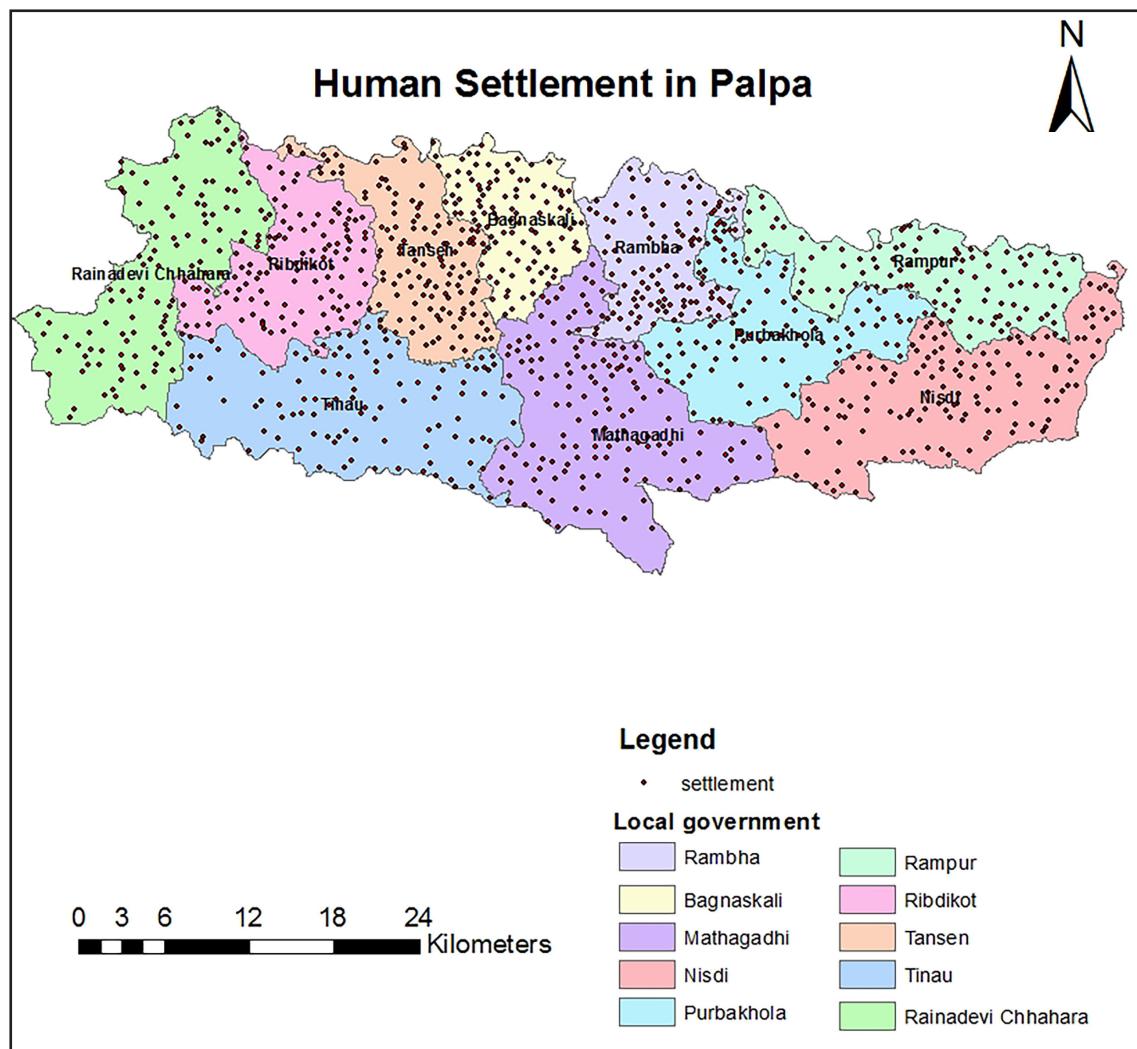
चित्र नं २.१ स्थानीय तह अनुसार जनसंख्या विवरण

पूर्वाधार विकास सँगै शहरी क्षेत्रमा बसोबास बाक्किलै गएको छ । यस जिल्लाको सदरमुकाम तानसेन स्थित तानसेन नगरपालिकामा सबै भन्दा बाक्को मानव बस्ती रहेको छ । नेपाल जस्तो गरिब मुलुकमा सडक निर्माण कार्यले प्राथमिकता पाउनु अस्वभाविक होइन । सडक निर्माण हुने वित्तिकै सडकको छेउछाउमा स-साना वजार केन्द्रहरूको विस्तार हुनु र सोही अनुसार गाउँवाट वसाइसराई गरि ति केन्द्रमा आएर वस्तु प्रयायवाची जस्तै छ । जिल्लाको सदरमुकाम तानसेन र जिल्लाको पूर्वी भेगको रामपुर वजारमा जिल्ला भित्रका विभिन्न गाउँहरूवाट अर्धाखांची, गुल्मी, स्याङ्जा र वाग्मुड जिल्लावाट वसाइसराई गरी प्रशस्त मानिसहरू आउने गरेका छन् । साथै धेरै पहिलावाटै जिल्लावाट छिमेकी जिल्ला रुपन्देहीका साथै काठमाडौं उपत्यकामा वसाइसराई गरी जाने परिवाहरूको संख्या पनि ठूलो रहेको छ । (स्रोत: जि.स.स., २०७१, पाल्पा)

२.१.२. जातजाति, धर्म, संस्कृति र भाषा

पाल्पा जिल्लामा मगर समुदायको बाहुल्यता (५२.३%) रहेको छ भने यस जिल्लाको कूल जनसंख्या मध्ये १७.५% ब्राह्मण, ७.९% क्षेत्री र ६.७% कामी रहेका छन्। नेवार, शार्की, दमाई, ठकुरी लगायतका अन्य जातजाति भने थोरै मात्रामा छन्।

यस जिल्लाका ६२.१% जनताले नेपाली भाषा बोल्ने गर्दछन् भने मगर भाषा ३४.१% वासिन्दाले बोल्ने गर्दछन्। यसका साथै नेवारी, कुमाल, भोटे लगायतका अन्य भाषा बोल्ने केही मात्र छन्। त्यस्तै यस जिल्लामा विभिन्न धर्म मान्नेहरु छन्। यस जिल्लाका अधिकांस ९०.५१% ले वासिन्दा हिन्दू धर्म मान्दछन् भने अन्य प्रमुख धर्महरूमा बौद्ध (७.८२%), मुस्लिम (०.४६%), कृश्चयन (०.८७%) आदि रहेका छन्।



नक्सा नं २.१ पाल्पा जिल्लामा मानव वस्ती

पाल्पा जिल्ला प्रोफाईल

हिन्दु धर्म मानेको बाहुलियता भएको यस जिल्लामा भैरव मन्दिर, अमर नारायण मन्दिर(तालिका नं) लगायतका विभिन्न मन्दिरहरु रहेका छन् । तल उल्लेखित धार्मिक स्थलहरु बाहेक हिन्दु धर्मका अन्य थुप्रै विभिन्न विशेषताहरुबोकेका मठमन्दिर पाल्पा जिल्लामा रहेका छन् । त्यसैगरी इश्लाम धर्मालम्बीहरुको आस्थाको रूपमा रहेका मस्जिदहरु यस जिल्लाको तानसेन न.पा, रामपुरका साथै गाम्रीण क्षेत्रहरुमा समेत स्थापना भएको पाइन्छ भने क्रिज्जियन धर्मालम्बीहरुको चर्चहरु पनि पाल्पा जिल्लाका शहरी तथा गाम्रीण भेगमा दिनानुदिन बढ्दै गैरहेका छन् ।

तालिका २.३ पाल्पा जिल्लाका प्रमुख धार्मिक स्थलहरु (मठ, मन्दिर, गुरुबा, चर्च मस्जिद आदि)

| नाम | अवस्थिति | नाम | अवस्थिति |
|-------------------------|------------------|-------------------------|----------------|
| भैरव मन्दिर | रिब्दीकोट गा.पा. | रणउजिरेधरी भगवती मन्दिर | तानसेन न.पा. |
| अमर नारायण मन्दिर | तानसेन न.पा. | सिद्धबाबा मन्दिर | तिनाउ गा.पा. |
| रम्भादेवी मन्दिर | रम्भा | ऋषिकेश मन्दिर | तानसेन न.पा. |
| राधाकृष्णमन्दिर | सिद्धेश्वर | माण्डव्य मन्दिर | तानसेन न.पा. |
| राम्दी सिद्धबाबा मन्दिर | दर्लमडाँडा | गणेश मन्दिर | तानसेन न.पा. |
| आनन्द विहार | तानसेन न.पा. | महाचैत्य विहार | तानसेन न.पा. |
| महाबोधी विहार | तानसेन न.पा. | शिवालय मन्दिर | प्रभास, तानसेन |

श्रोत : जि.वि.स., २०७१, फिल्ड तथ्याङ्क संकलन, २०१९

यसजिल्लामा धार्मिक तथा सांस्कृतिक महत्वका निकै आकर्षक र बृहत जात्रा एवं मेलाहरु पनि लाग्दछन् । पाल्पा जिल्लाका केही विशेष तथा प्रमुख मेलाहरुलाई तल प्रस्तुत गरिएको छ ।

मेला तथा चाडपर्वहरु:

अमरनारायण जात्रा:

तानसेनमा, भाद्र कृष्ण नवमी ।

ऋषिकेशव रथ जात्रा:

रिडी/अर्गलीमा, हरिवोधनी एकादशीको भोली पल्ट ।

एकादशी मेला:

राम्दी मेला, असार र कार्तिकमा (ठुलो एकादशी) ।

गाईजात्रा:

तानसेन, हुमिन, हार्थोक, खस्यौली, सिलुवा, रामपुर, दर्ढा,

भगवती जात्रा:

विरकोटमुन्ड, गाडाँकोट, बाकामलाङ्गमा, भाद्रकृष्ण प्रतिपदा ।

भीमसेन जात्रा:

तानसेनमा, भाद्र कृष्ण नवमी ।

बाघ/गणेश जात्रा:

तानसेनमा, भाद्र कृष्ण चौथी ।

रोपाँई जात्रा/श्रीनगर गणेश जात्रा:

तानसेनमा, भाद्र तृतीया ।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी:

तानसेनमा, भाद्रप्रतिपदा ।

लक्ष्मीनारायण जात्रा:

ताँहु मेला, भाद्र कृष्ण प्रतिपदा ।

लाखेजात्रा:

तानसेनमा, भाद्र कृष्णद्वादशी ।

जनैपुणिमा देखिकृष्णाजन्माष्टमी सम्म धुमधामका साथ विशेष गरी तानसेन, रामपुर, सिलुवा, गाँडाकोट, हुमिन हटिया र विभिन्न नेवार वस्तीहरुमा ।

| | |
|--------------------|--|
| मकर संक्रान्ति: | रिडी मेला, माघ १ देखी ३ गते सम्म। |
| महाशिवरात्रि मेला: | तानसेनको प्रभासमा। |
| होली पुर्णिमा: | मैनादी, भैरवस्थान, खस्यौली, लालपाटीमा। |

२.१.३. मानव विकास सूचकांक तथा गरिवी

मानव विकास सूचकांक प्रतिवेदन २०१४ (सन) माज्यामितीय विधिबाट निकालिएको मानव विकास सूचकांक २ अनसुर नेपालको मानव विकास सूचकांक (HDI) ०.४९ रहेको छ भने पाल्पा जिल्लाको मानव विकास सूचकांक ०.५ रहेको छ। UNDP ले २०१८ (सन) मा निकालेको मानव विकास सूचकांक अपडेट अनसुरनेपालको मानव विकास सूचकांक (HDI) ०.५७४ रहेको छ।

नेपालको जिल्लास्तरमा गरिबीको दर २००१-२०११ को तथ्यांकको अनुसार पाल्पा जिल्लामा गरिबीको दर २१.६% रहेको छ। पाल्पा जिल्लाको कूल जनसंख्या मध्ये ५५,९०९ (२१.६%) वासिन्दा गरिबीमा छन् भने २,०२,९३३ (७८.४%) गरिबीमा छैनन्। नेपालको साविक ७५ जिल्लाको गिरवीको दर अनसुर उच्च समृद्धि भएका जिल्लाहरूबाट क्रम मिलाइहेर्दा पाल्पा जिल्ला २७ औँ स्थानमा पर्दछ।

२.१.४ साक्षरता दर

जिल्ला शिक्षा कार्यालयको २०७४ को तथ्यांक अनुसारयस जिल्लाको साक्षरता दर ६५.९३% रहेको छ भने महिला साक्षरता दर ५७.५% र पुरुष साक्षरता दर ७५.९% रहेको छ।

२.२. आर्थिक आधार

राष्ट्रिय कृषि गणना २०६८ अनसुर यस पाल्पा जिल्लाका ४८,८३० घर परिवार कृषि कार्यमा संलग्न छन् भने राष्ट्रिय जनगणना २०६८ अनसुर आर्थिक रूपले सक्रिय जनसंख्या मध्ये ७३.१९ प्रतिशतले कृषिलाई आफ्नो रोजगारीको प्रमुख आधारको रूपमा लिएका छन्। ७१.८७ प्रतिशतले प्रमुख पेशा कृषि अंगालेका छन्। त्यसकारण पनिपाल्पा जिल्लाको आर्थिक मेरुदण्ड मूलतः कृषि नै हो। हाल यो जिल्ला खाद्यान उत्पादनको तथा मागको दृटिकोणले आत्मनिर्भर मात्र नभै खाद्यान बचतको स्थितिमा छ। यस जिल्लामा गरिने कृषि कार्यभित्र अन्बाली, नगदेबाली, फलफूल खेती, मौरीमालन, कुखुरा पालन, पशुपालन, कफी तथा अदवा खेती उल्लेखनीय रहेका छन्। धान, मकै, कोदो, गहुँ, आलु, अदुवा, दलहन र तेलहन प्रमुख कृषि वालीहरू छन् र यस जिल्लावाट प्रशस्त तरकारी रुपन्देही जिल्लाको वुटवल बजारमा निकासी हुने गरेको छ। यस जिल्लामा मुख्यतया कफी, अदुवा एवं विभिन्न तरकारी बालीको खेती फस्टाएको छ। पाल्पाली ढाकाटोपी र पाल्पाली करुवा देशकै उत्कृष्ट ढाका टोपी र करुवा मानिन्छन्।

मासु, मह, दूध, मौसमी-बेमौसमी तरकारी उत्पादनका लागि यो जिल्ला मलुक कै अग्रणी जिल्लाहरू मध्ये पर्दछ तापनि यहाँको परम्परागत तथा पछौटे कृषि प्रणालीमा खासै सधार आउन सकेको छैन। यस जिल्लाको कूल ४१.८६ प्रतिशत जमीन खेतीयोग्य भए तापनि २६.७७ प्रतिशत क्षेत्रमा मात्र खेती गरिएको छ। भिरालो जमीनमा गहा सुधार नगरी पाखोवाली लगाउने कार्य गरेको यत्रतत्र देखिन्छ। गाहा सुधार कार्यक्रम यस जिल्लाको लागि अति आवश्यक छ।

त्यसै यस जिल्लामा जम्मा ५,३३,२७१ पशुहरू रहेको रेकर्डबाट देखिन्छ। पशुहरूमा गाई, भैसी, वाखा, वंगुर प्रमुख हुन्। हाल उन्त जातका पशुपालनमा वृद्धि भइरहेको छ। पशुपालनलाई आवश्यक पर्ने घाँस, स्याउला, सोतरका लागि कृषकहरू निजी जगाका साथै नजिकको सामुदायिक वनमा समेत भर पर्दछन्। यसका साथै कृषिका अतिरित गैहू कृषि व्यावसाय गर्ने परिवारको प्रतिशत पनि उल्लेखनीय रूपमा बढिए भएको छ। यसले यहाँका जनताहरू कृषिका अलावा आय व्यावसायतर्फ पनि आर्कषित छन् भने दर्साउदछ। पाल्पाली जनताहरू सरकारी सेवा (निजामती, प्रहरी, शिक्षण, सेना आदि), व्यापार (व्यावसाय र बैदरोशिक रोजगारमा पनि सक्रिय रहेका भेटिन्छन्।

पाल्पा जिल्लामा प्रोफाईल

यस जिल्लामा वन तथा वातावरणक्षेत्रबाट पनि स्थानिय जन समुदायले आयआर्जन गरेका छन् । उदाहरणको लागि डिभिजन वन कार्यालय, पाल्पाबाट हस्तान्तरित निस्दी गा.पा. ३ स्थित काउलेडॉडा कबुलियती वन समूह क्लष्टरमा अप्रिसो तथा अलैंची खेतीबाट त्यहाँका गरिब स्थानियहरूले वार्षिक रुपमा सरदर १० लाख रुपैया आम्दानी गरेका छन् । साथै यस जिल्लाको माथागढी, रैनादेवी छहरा तथा तिनाउ क्षेत्रका जनताले आफ्नो निजी हकभोगको जगाहरूमा तेजपात खेती तथा विक्रिवितरण गरी आयआर्जन गरेका छन् । त्यस्तै डिभिजन वन कार्यालय, पाल्पाबाट हस्तान्तरित विभिन्न सामुदायिक वनहरूले पनि स्वीकृत कार्यायोजनाको परिधी भित्र रही आन्तरिक खपतबाट बचेका काठ दाउराको विक्रि वितरणबाट समूहमा आम्दानी बढाएका छन् । यसका साथै यस जिल्लाको वन तथा वातावरण क्षेत्रबाट स्थानिय जनतालाई रोजगारी सिर्जना हुनुको साथै राजश्व संकलन भई देशको अर्थतन्त्रमा पनि योगदान पुगेको छ ।

पाल्पा जिल्लालाई खानी श्रोतको धनि मानिन्छ । हाल सद्वार्थ मिनिरल्स प्रा.लि., कञ्चन क्वेरीज प्रा.लि., डोलोमाइट चुनदुङ्गा प्रा.लि., होड्सी शिवम् सिमेन्ट प्रा.लि., सत्यवति खानी उत्खनन् प्रा.लि., लगायतका चुनदुङ्गा खानी/उद्योगहरूले यस जिल्लाको तिनाउ, माथागढी, निस्दी क्षेत्रहरूमा काम गर्दै आएका छन् जस बाट स्थानिय बासिन्दाहरूलाई रोजगारी सिर्जना हुनुको साथै राज्यलाई राजश्व संकलन भएको छ ।

२.३ भौतिक पूर्वाधार

२.३.१ शिक्षा

यस जिल्लामा अनौपचारिक रुपमा शैक्षिक क्रियाकलापहरू परापूर्वकाल देखिनै संचालन हुँदै आएता पनि औपचारिक शिक्षाको थालनीको रुपमा विद्यालयको स्थापना वि. सं. २००४ साल देखिनै भएको पाइन्छ । वि. सं. २००४ सालमा स्थापना भएको पद्धपबिलक हाई स्कूल यस जिल्लाको पहिलो हाईस्कूल हो । हाल यस जिल्लामा जम्मा ४९९ विद्यालयहरू सञ्चालनमा रहेका छन् । यसका अतिरिक्त ३ वटा मदरसा र १ वटा गुरुकुल समेत सञ्चालनमा छन् ।

यस जिल्लामा कूल प्राथमिक तहमा छात्रा २३,५५० र छात्र २३,९८६ गरि जम्मा ४७,५३६, निम्न माध्यमिक तहमा छात्रा १२,०५३ र छात्र ११,३१८ गरि जम्मा २३,३७१, माध्यमिक तहमा छात्रा ५,८०९ र छात्र ५,७२३ गरि जम्मा ११,५३२ र उच्च माध्यमिक तहमा छात्रा ३,४९८ र छात्र २,९५३ गरि जम्मा ६,४५१ विद्यार्थीहरू अध्ययनरत छन् । बालविकास केन्द्र ३८० वटा सञ्चालनमा रहेका र छात्रा ५,३०७ र छात्र ५,८९९ गरि जम्मा ११,२०६ विद्यार्थीहरू अध्ययनरत छन् ।

यस जिल्लामा शिक्षाको विकास र प्रचार प्रसारको कार्य वि. सं. २०१८ सालमा जिल्ला शिक्षा निरीक्षकको कार्यालयको रुपमा स्थापना भएको हो ।

तालिका २.४ पाल्पा जिल्लामा रहेका विद्यालयहरूको संख्या

| क्र.स. | विद्यालय/क्याम्पस | संख्या | कैफियत |
|--------|-------------------|--------|--------------------|
| १ | प्राथमिक | २८२ | |
| २ | निम्न माध्यमिक | १०१ | |
| ३ | माध्यमिक | ५७ | |
| ४ | उच्च माध्यमिक | ५९ | |
| ५ | बाल विकास केन्द्र | ३८० | |
| ६ | अन्य | ४ | ३ मदरसा, १ गुरुकुल |

श्रोत :जि.शि.का., २०७४

२.३.२ स्वास्थ

यस जिल्लामा रहेको धेरै पुरानो मिसन हस्पिटलले स्वास्थ्य क्षेत्रमा दूलो योदान पुऱ्याएको छ । यसका साथै जिल्ला स्तरको सरकारी अस्पताल-२ वटा, जिल्ला आयुर्वेद स्वास्थ्य केन्द्र-१ वटा, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र-३ वटा, स्वास्थ्य चौकी- २९ वटा र उपस्वास्थ्य चौकी-३३ वटा रहेका छन् । यसका साथै निजी स्तरमा लुम्बिनी मेडिकल कलेज- १ वटा र नसिंद होम-१ वटा पनि रहेको छ ।

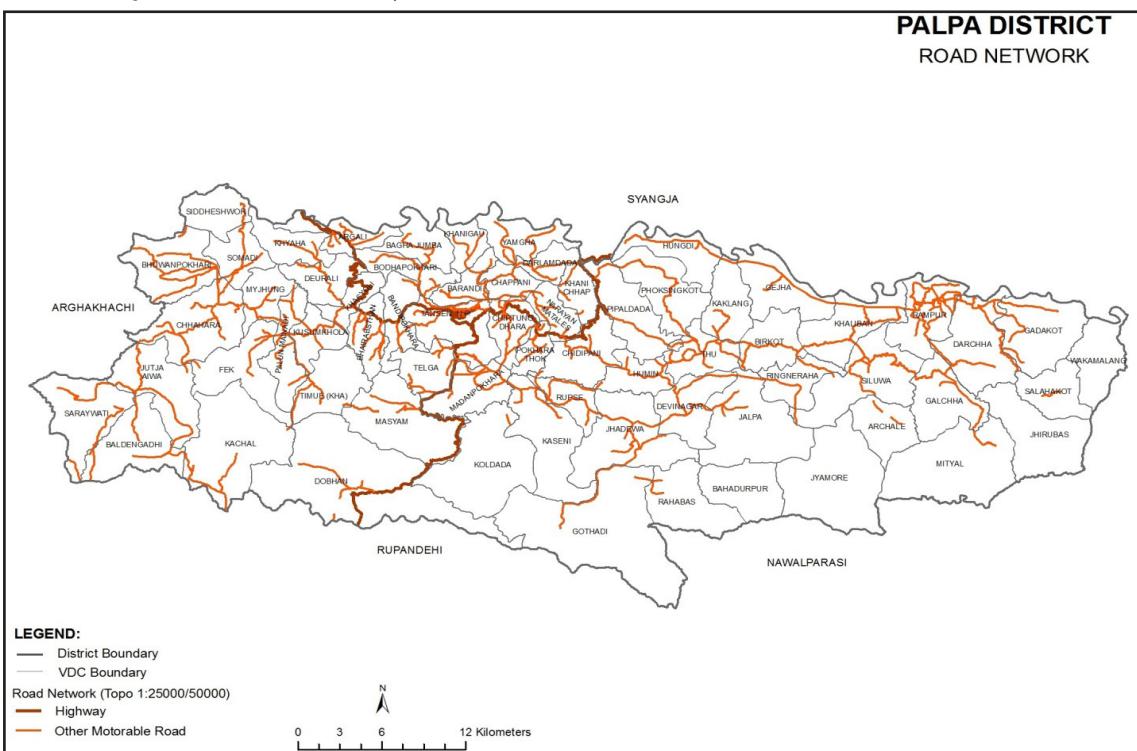
२.३.३ विद्युत

यस जिल्लाका हरेक गाँउपालिका तथा नगरपालिकामा अन्तर्गतका बडाहरुमा विद्युत सेवा उपलब्ध छ । तथापी केही सथानहरुमा नेपाल विद्युत प्राधीकरण, बुटवल पावर कम्पनी, ग्रामीण आर्थिक विकास संघ (रेडा) लगायतका निकायहरुबाट जनतालाई विद्युत सेवा उपलब्ध गराउने कार्य भैरहेको छ । हालसम्म २४,८८६ घरधुरी भन्दा बढी स्थानिय जनताले विद्युत सेवा उपयोगको अवसर पाइरहेका छन् ।

२.३.४ सडक यातायात

यातायातका दृष्टिले यो जिल्लालाई सुगम नै मान्नु पर्दछ । सिद्धार्थ राजमार्गले जिल्लालाई उत्तर-दक्षिण तर्फवाट चिरेको छ । हालसम्म जिल्ला भित्र पक्की र कच्ची सडकको लम्वाई करिव १,५०० कि.मि. पुगेको छ । जिल्ला भित्र निर्मित सडकहरु तथा जिल्ला सदरमुकामवाट विभिन्न ठाउँको दूरी तलका तालिकामा दिइएको छ ।

PALPA DISTRICT ROAD NETWORK



नक्सा नं २.२ पाल्पा जिल्लाको सडक नेटवर्क

तालिका २.५ जिल्ला भित्र निर्मित प्रमुख सडकहरू

| क्र.सं. | सडकको नाम | लम्बाई (कि.मि.) | कैफियत |
|---------|--|-----------------|-----------|
| १. | सिद्धार्थ राजमार्ग (दोभान-राम्दी खण्ड) | ६० | कालोपत्रे |
| २. | तानसेन-रिडी-तम्धास (तानसेन-रिडी खण्ड) | २९ | „ |
| ३. | आयभन्ज्याङ्ग-रामपुर | ५० | कच्ची |
| ४. | हार्थोक-छहरा-तीनगारे | ३१ | „ |
| ५. | वास्टारी-भडेवा-माथा-खैरनी | ३१ | „ |
| ६. | हुमिन-जल्पा-रुक्सेभन्ज्याङ्ग | १३ | „ |
| ७. | तानसेन-दर्लमडाँडा-राम्दी | २२ | „ |
| ८. | सुंगुरेदुंगा-जुठापौवा-सालभण्डी | २५ | „ |
| ९. | खस्यौली-देउराली-मनवाग | २५ | „ |
| १०. | झुम्रे-वतासे | २० | „ |
| ११. | वेलडाँडा-दुंगानावेसी-मित्याल-आरुङ्गखोला | १५ | „ |
| १२. | रामपुर-भलायटार-राइकाभन्ज्याङ्ग | २० | „ |
| १३. | राम्दी-पिपलडाँडा-रामपुर | ३४ | „ |
| १४. | दोभान-कचल-वल्देडगढी | १० | „ |
| १५. | अमलावास-पेलावास-तालपोखरा | १५ | „ |
| १६. | रिङ्गेरह-ज्यामिरे | ५५ | „ |
| १७. | कुसुङ्खोला-मैनादी-मुभक्क | १२ | „ |
| १८. | तानसेन-ध्रुवघाट | ४ | पक्की |
| १९. | राईका-अनन्दीभन्ज्याङ्ग-रुक्सेभन्ज्याङ्ग | १८ | कच्ची |
| २०. | झुम्रे-राजवई-भैरवस्थान | ९ | „ |
| २१. | तानसेन-रानीघाट | १३ | „ |
| २२. | लसुने-ओमभन्ज्याङ्ग | १६ | „ |
| २३. | खोपटार-पन्थे-लिन्दी | ११ | „ |
| २४. | नयाँपाटी-दमकडा | ५ | „ |
| २५. | झुम्रे-भैसिकट्टा-कुसुमखोला | १३ | „ |
| २६. | देउगीर-देवीनगर | ६ | „ |
| २७. | खस्यौली-देउराली-ख्याहा-जोगिथुम | १० | „ |
| २८. | वतासे-वीरपोखरा-जोर्ते | १० | „ |
| २९. | वतासे-फेक-रानीवगिया | ८ | „ |
| ३०. | धजावाध्ने-सोमादी-सिद्धेश्वर-मनबाध | १० | „ |
| ३१. | सालभण्डी-कुढीदमार-सत्यवती | १२ | „ |
| ३२. | गाईघाट-अर्तुङ्गा-रानीघाट (गाईघाट-रानीघाट-राम्दी) | ४ | „ |

| क्र.सं. | सडकको नाम | लम्बाई (कि.मि.) | कैफियत |
|---------|--|-----------------|--------|
| ३३. | वरभन्ज्याङ्ग-भिरछाप-रातामाटा | १० | „ |
| ३४. | खहरे-वगचौर-भिमाद-हुमिन | ५५ | „ |
| ३५. | पोखराथोक-धरमपानी-दमकडा | ७ | „ |
| ३६. | वतासे-पालुङ्ग-लुम्वास | ४ | „ |
| ३७. | भुम्सा-सत्यवती-जगात | ३ | „ |
| ३८. | नयाँपाटी-वोखर-दमकडा (डिल व. मार्ग) | ५ | „ |
| ३९. | होलाङ्गदी-दुंगाखानी (रिडी-तम्धास मोटरवाटो) | ५ | „ |
| ४०. | जरवादी-चिलाङ्गदी-नायर-खानिछाप | १२ | „ |
| ४१. | सिलुवा-चिदिया-अर्चले | ६ | „ |
| ४२. | वतासे-धुस्टुङ्ग-कचल | १५ | „ |
| ४३. | रहवास-दुम्किवास | १० | „ |
| ४४. | देउराली-ओमभन्ज्याङ्ग-फोसिङ्गकोट | ५ | „ |
| ४५. | भलायटार-फुर्केचौर | १० | „ |
| ४६. | सेकावास-हेक्लाङ्ग | ७ | „ |
| ४७. | पुकल्वा-वधवारी-माडी (रिङ्गरोड) | १५ | „ |
| ४८. | ताँहु-फुरुङ्गदी-द्वारीगौडा | ६ | „ |
| ४९. | सराइटार-एक्लेवर-हामेटार | ४ | „ |
| ५०. | टोक्से-लाम्दी-सिखरडाँडा | ५ | „ |
| ५१. | भेडीचौर-ठूलापोखरी (साखर-वोखर) | ०१५ | „ |
| ५२. | प्रवास-तीनिपिले-जुकिया | ५ | „ |
| ५३. | भालेवास-छाप-पिपलडाँडा | ४ | „ |
| ५४. | भिरभन्ज्याङ्ग-खानीगाँउ-रानीघाट | ५५ | „ |
| ५५. | मेलढाप-तालतुड | ४ | „ |
| ५६. | वतासेडाँडा-चण्डभन्ज्याङ्ग-वौघागुम्हा | १४ | „ |
| ५७. | तानसेन रिङ्गरोड | २५ | „ |
| ५८. | मदनपोखरा-तीनिपिले-अम्लियान (डिल व. मार्ग) | ८ | „ |
| ५९. | चुच्चेवारी-मदनपोखरा (वाहनखोला) | ६ | „ |
| ६०. | छहरा-डागिल | ७ | „ |
| ६१. | खौदेलि-कण्ठपोखरा | ६ | „ |
| ६२. | ताँहु-घोरपालछाप | २ | „ |
| ६३. | मौलिभन्ज्याङ्ग-गुगा | ७ | „ |
| ६४. | हटिया-भारकोट | ५ | „ |
| ६५. | दरुङ्गा-दर्तमडाँडा | ५ | „ |

| क्र.सं. | सडकको नाम | लम्बाई (कि.मि.) | कैफियत |
|---------|------------------------------------|-----------------|--------|
| ६६. | मौलिभन्ज्याङ्ग-दाङ्गसिङ्ग | ३ | „ |
| ६७. | धोवादी-मार्सिङ्डाँडा-लसुने | १ | „ |
| ६८. | पेलावास-वल्घा-अर्घाखाची | १० | „ |
| ६९. | धजावाढ्ने-ताङ्गसिङ्गल-सर्देवा-रिडी | ८ | „ |
| ७०. | फिगामारा-वल्डेडगढी-छहरा | ८ | „ |
| ७१. | सेतीपाखरी-मतिनडाँडा-वोखर-दुम्रे | ८ | „ |
| ७२. | सेर्कावास-फुरुङ्गदी | ४ | „ |
| ७३. | कुसुमखोला-नयाटोला | ५ | „ |
| ७४. | रानीवागिया-फिगामारा-कचल | ८ | „ |
| ७५. | भडेवा-रहवास-दुम्किवास | ९ | „ |
| ७६. | डमरा-लितिपिलिङ्ग | ३ | „ |
| ७७. | दुम्रे-चिदिस | ५ | „ |
| ७८. | जोगदमार-गहते-जुठापौवा | ३ | „ |
| जम्मा | | ८८०।५ | |

श्रोत: जिल्ला प्राविधिक कार्यालय, पाल्पा

२.३.५. संचार

यस जिल्लालाई संचारक्षेत्रमा पनि अगाडि रहेको जिल्लाको रूपमा लिन सकिन्छ । यस जिल्लामा ९० प्रतिशत भन्दा बढी जनताहरूले मोबाइल फोनको प्रयोग गर्ने गरेका छन् । यसका साथै ३००१ गोटा टेलिफोन लाईन, ७ गोटा एफएम रेडियो (मदनपोखरा, कालीगण्डकी, पश्चिमाञ्चल, मुक्तिनाथ, पाल्पा, सामुदायिक रेडियो रामपुर र श्रीनगर), ४ गोटा साप्ताहिक पत्रिका (देउराली, नव जनचेतना, पाल्पा टाइम्स, र नवसंवाद), २ गोटा दैनिक पत्रिका (नवजनचेतना, पाल्पा दैनिक) आदी संचारका माध्यमहरू रहेका छन् । जिल्लाका सबै गाउँ तथा नगरपालिकाहरूमा हुलाक सेवा पुगेको छ । खास गरि जिल्ला हुलाक-१ वटा, इलाका हुलाक-१३ वटा र अतिरिक्त हुलाक-५२ वटा जिल्लामा छारिएर रहेका छन् ।

२.३.६. खानेपानी

राष्ट्रिय जनगणना २०६८ तथा मानव विकास सूचकाङ्क प्रतिवेदन २०१४ (सन्) अनुसार पाल्पा जिल्लाको कूल जनसंख्या मध्ये ७९.१ प्रतिशत जनसंख्याको सफा खानेपानीमा पहुँच छ भने २०.९ प्रतिशत जनसंख्याको सफा खानेपानीमा पहुँच छैन । यस जिल्लामा धारा/पाइप, हाते पम्प, इनार/कुवा, मूलधारा, नदीखोला लगायतका पिउने पानीको श्रोत रहेको छ । यद्यपी यस जिल्लामा खानेपानीको समस्या विगतदेखि नै विद्यमान छ । जनघनत्व बढी भएको तानसेन तथा रामपुर जस्ता शहरी क्षेत्रका बासिन्दाहरूलाई खानेपानीको अभाव रहेको छ । खानेपानीको समस्यालाई समाधान गर्नको लागि सरकारको खानेपानी केन्द्रिय योजनाबाट यस जिल्लाका विभिन्न बस्तीहरूमा लिफ्टिङ मार्फत घरका धाराधारामा पानीको व्यवस्था भएको छ । सोही योजना अनुरूप यस तानसेन नगरपालिकामा पनि रानीघाटको पानी लिफ्टिङ गरी ल्याउने योजना बनेको छ ।

खण्ड ३: वन, वातावरण, पर्यटन तथा उद्योग

३.१. वन तथा वातावरण

३.१.१ वनको अवस्थिति

जिल्लाको कुल १,३६,५९५ हेक्टर (पञ्चवर्षीय कार्य योजना ०७०/७१-०७४/७५ अनुसार) क्षेत्रफल ओगटेको पाल्पा जिल्ला वन स्रोतमा धनी मानिएको छ। जिल्लाको जम्मा ७१,१७० हेक्टर (५२ प्रतिशत) क्षेत्र वनले ढाकेको छ। यो मध्ये ५३,९०६ हेक्टर (३९.४७ प्रतिशत) रुखयुक्त र १७,२६४ हे. (१२.६४ प्रतिशत) भाडीयुक्त वन रहेको छ।

पाल्पा जिल्लामा परापूर्व कालमा वन जंगलको स्थिति अत्यन्त राम्रो भएको भन्ने कुरा यस जिल्लामा अवस्थित विभिन्न काठे दरवार तथा काष्ठकलायुक्त सामानहरूवाट अनुमान गर्न सकिन्छ। परापूर्वकाल देखि लिएर २०१३ सालमा निजी वन जंगल राष्ट्रियकरण हुंदासम्म यस जिल्लाको वन जंगल राम्रो रहेको कुरा बुढापाकाहरूवाट सुन्न पाइन्छ।

वि.सं. २०१३ सालमा सरकारद्वारा निजी वन जङ्गल विना क्षतिपूर्ति राष्ट्रियकरण गरिएपछि जनताले आफ्ना जग्गाका छेउछाउमा सुरक्षा गरी राखेका वनहरू (स्थानीय भाषामा लोसेपोसे भन्ने चलन छ) सरकारी नियन्त्रणमा गएको बुझी जथाभावी कटान गर्न थाले। त्यसको फलस्वरूप दिनानुदिन वन विनाश हुदै गयो। यस प्रकारको स्थिति यस जिल्लामा २०१९-२० सालसम्म रह्यो।

उपरोक्त स्थितिलाई मध्यनजर गरी २०२०-२१ साल देखि मदनपोखरा गा.वि.स.का वासिन्दाले आपसमा मिली वन हुक्काउने, काठ/दाउरा चोरी निकाशी गर्नेलाई दण्डीत गर्ने जस्ता कार्यको शुरूवात भयो। यस कार्यलाई छिमेकी केही तत्कालिन गा.वि.स.का जनताले पनि अनुसरण गरे। तथापि यो कार्य जिल्ला भरी फैलिन सकेन। जिल्लाका कर्तिपय स्थानहरू खासगरी पूर्वी भेगमा खोरिया फडानी गरी वन विनाश गर्ने ऋम जारी नै रह्यो।

जिल्लाको यो अवस्थालाई मध्यनजर गरी आ.व. २०२९/३० वाट वृक्षरोपण कार्यको शुरूवात भयो। साथै २०३५ सालमा वन, कृषि, पशुस्वास्थ्य तथा भू-संरक्षण कार्यमा जोड दिन स्वीस-जर्मन सहयोगमा तिनाउ जलाधार योजनाको शुरूवात भयो। आ.व. २०३५/०३६ वाट सामुदायिक वन विकास कार्यक्रम शुरू भई पंचायती वन र पंचायत संरक्षित वन स्थापना गरी व्यापक रूपमा वृक्षरोपण कार्यको थालनी हुन थाल्यो।

२०३९ सालसम्म लुम्बिनी वन डिभिजन कार्यालय, भैरहवा अन्तर्गतको पाल्पा रेन्ज कार्यालयवाट वन संरक्षण र विकास भइरहेकोमा २०४० सालमा जिल्ला वन कार्यालय, पाल्पाको स्थापना भई उक्त कार्यहरूमा थप तीव्रता आयो। तिनाउ जलाधार योजना र जिल्ला वन कार्यालयको संयुक्त तत्वावधानमा पंचायती वन, पंचायत संरक्षित वन तथा निजी वन स्थापना र वृक्षरोपण एवं विरुवा उत्पादन र प्रचारप्रसार कार्यमा निकै जोड दिन थालियो। फलस्वरूप नाङ्गा डांडापाखाहरूमा ऋमश हरियाली बढन थाल्यो।

वन विकासको ऋममा आ.व. २०४७/०४८ वाट विगतमा पंचायती वन तथा पंचायत संरक्षित वन अन्तर्गत हुदै आएको वृक्षरोपण कार्य सामुदायिक वृक्षरोपण नामाकरण गरी संचालन हुन थाल्यो र आ.व. २०४८/०४९ वाट वन विकास गुरुयोजना, २०४६ को भावना अनुसार नै स्थानीय उपभोक्ता समूहवाटै सो कार्य संचालन भयो। त्यस पछिका वर्षहरूमा भने उपभोक्ता समूहमा आधारित सामुदायिक वन विकास कार्यक्रमले ऋमशः विरुवा उत्पादन तथा वृक्षरोपण कार्यलाई भन्दा भइरहेका वनजङ्गललाई संरक्षण र व्यवस्थापनमा बढी जोड दिएको छ। वन ऐन, २०४९ र वन नियमावली, २०५१ ले पनि स्थानीय उपभोक्ता समूहवाटै हुने वन व्यवस्थापनलाई अत्यन्त जोड दिएका छन्।

पाल्पा जिल्ला प्रोफाईल

यद्यपी हाल सम्म यस जिल्लामा करिब ३००० हे. वृक्षारोपण गरिएको तथ्याङ्क डिभिजन वन कार्यालय, पाल्पाले देखाएको छ । डिभिजन वन कार्यालय, पाल्पाको फिल्ड तथ्याङ्क अनुसार आ.व.०७५/७६ मा यस जिल्लाको रैनादेवी छहरा ६,७, रिब्दीकोट ६,७, तिनाउ गा.प, पूर्वखोला गा.प., निस्दी ४ लगायतका क्षेत्रमा करिब २४० हे. क्षेत्रफलमा वृक्षारोपण गरिएको छ भने वृक्षारोपण गरिएका प्रमुख प्रजातिहरू तेजपात, टिमुर, अम्रिसो, बाँस, लाकुँरी, गोल्डमोहर आदि रहेका छन् । यस जिल्लामा भएका वन जंगलको संरक्षणको साथै नाइगा डाँडाकाडाँमा वृक्षारोपण गरेमा प्राकृतिक श्रोत साधनको दर्घकालिन संरक्षण हुन्छ र वृक्षारोपण गरिएका विरुवाहरूको स्थाहार संभार गर्न पनि उत्तिकै जरुरी छ ।

३.१.२ वन जंगलको किसिम

क) भौगोलिक आधारमा पाल्पा जिल्लाको वनलाई निम्न तीन प्रकारका वर्गीकरण गर्न सकिन्छ :

चुरे क्षेत्रको वन :

यस जिल्लामा समुद्र सतहवाट १५२ मिटर देखि १००० मिटर सम्मको उचाइमा Sub-tropical (उपोष्ण) प्रकारको हावापानी रहेको छ । हालसम्म जिल्लाको करिव १८

प्रतिशत भू-भाग चुरे क्षेत्रले ओगट्दै आएको मानिएता पनि पछिल्लो विवरण अनुसार १८, ३७

प्रतिशत क्षेत्रफल ओगटेको भने रेकर्ड प्राप्त हुन आएको छ । यसले जिल्लाको साविकको १३

वटा गा.वि.स.हरु (हालको गाउँपालिकाहरु) मध्ये कुनै गा.वि.स.अन्तरगत १ वटा वडालाई

मात्र छोएको छ भने कुनै गा.वि.स.का साविकको ९ वटै वडाहरूलाई चुरे क्षेत्र समेटेको छ । विगत

आ.व. देखि नै चुरे क्षेत्रको संवेदनशिलतालाई

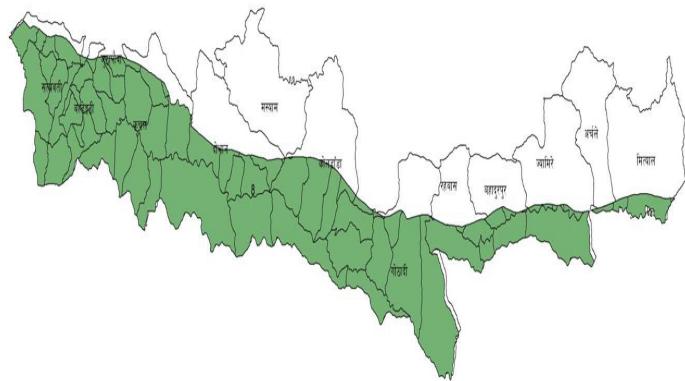
मध्यनजर गर्दै नेपाल सरकारबाट लागु गरिएको राष्ट्रपति चुरे तराई मधेश संरक्षण कार्यक्रम यस जिल्लामा पनि गत आ.व. सम्म

कार्यान्वयनमा रहेको थियो । यद्यपी यस आ.व. ०७५/७६ मा भने राष्ट्रपति चुरे तराई मधेश संरक्षण कार्यक्रम यस जिल्लामा आएको छैन । जिल्ला अन्तरगतको चुरे क्षेत्रको कूल भू-भाग मध्ये करिव ७५ प्रतिशत वनले ढाकेको छ । वस्ती पातलो रहेकाले

अझै पनि कतिपय स्थानमा घना वनहरू पाईन्छन् । साल र अस्ना प्रजातिका रुखहरूको वाहुल्यता रहेको उक्त क्षेत्रका अन्य

प्रजातिहरूमा वोटधंगेरो, वांझी, कुसुम, जामुन, हर्रो, वर्रो, अमला, सिमल, कर्मा, टुनी, खयर प्रमुख रुपमा रहेको पाईएको भए

तापनि सरिसाल, विजयसाल, र सुगन्धकोकिला जस्ता महत्वपूर्ण प्रजातिहरू पनि यस क्षेत्रमा फाटफुटरूपमा पाईन्छन् । पाल्पा जिल्ला अन्तरगत चुरे क्षेत्रले आगटेको गाउँपालिका (गा.वि.स.) तथा क्षेत्रफल सम्बन्धि विवरण निम्न तालिका अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।



तालिका ३.१ पाल्पा जिल्लामा चुरे क्षेत्रले ओगटेको नगरपालिका/गा.वि.स.हरुको क्षेत्रफल (हेक्टर)

| जिल्ला | सि.नं. | स.डि. व.का. | गाउँपालिका / न.पा. | वडा नम्बर (साविक) | | | | | | | | क्षेत्रफल (हेक्टर) |
|--------|--------|---------------|---|-------------------|---|---|---|---|---|---|---|--------------------|
| पाल्पा | १ | माथागढी | माथागढी गाउँपालिका (साविक बहादुरपुर (आशिक क्षेत्र) | - | - | ३ | - | - | - | - | - | १३९.५ |
| | २ | | माथागढी गाउँपालिका(साविक गोठादी (आशिक क्षेत्र) | - | - | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ५९०२.० |
| | ३ | | माथागढी गाउँपालिका(साविक कसेनी (आशिक क्षेत्र) | - | - | - | ४ | - | - | - | ८ | २२.७ |
| | ४ | | माथागढी गाउँपालिका(साविक रहबास (आशिक क्षेत्र) | १ | - | - | - | ५ | ६ | ७ | - | १०२८.९ |
| पाल्पा | ५ | रैनादेवी छहरा | रैनादेवी छहरा गाउँपालिका (साविक बल्डेङ्गढी (पुरै क्षेत्र) | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | २४३८.४ |
| | ६ | | तिनाउँ गाउँपालिका (साविक कचल (आशिक क्षेत्र) | १ | २ | ३ | - | ५ | ६ | ७ | ८ | ३७२७.५ |
| | ७ | | रैनादेवी छहरा गा.पा. (साविक जुठापौवा (आशिक क्षेत्र) | १ | २ | ३ | - | - | - | ७ | - | ८१७.२० |
| | ८ | | रैनादेवी छहरा गाउँपालिका (साविक सत्यवती (पुरै क्षेत्र) | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | २४३८.० |
| पाल्पा | ९ | तिनाउ | तिनाउँ गाउँपालिका(साविक दोभान (पुरै क्षेत्र) | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ६६९७.० |
| | १० | | तिनाउँ गाउँपालिका(साविक कोलडाँडा (आशिक क्षेत्र) | १ | २ | ३ | ४ | - | - | - | - | १३८०.७ |
| | ११ | | तिनाउँ गाउँपालिका(साविक मस्याम (आशिक क्षेत्र) | - | - | - | - | - | - | - | ९ | २.२ |
| पाल्पा | १२ | निस्दी | निस्दी गाउँपालिका(साविक ज्यामिर (आशिक क्षेत्र) | - | - | - | - | - | - | ७ | - | ४९६.४ |
| | १३ | रिब्दीकोट | रिब्दीकोट गा.पा.(साविक पालुङ्ग मैनादी (आशिक क्षेत्र) | - | - | - | - | - | - | - | ९ | ८.६ |
| | | | जम्मा | | | | | | | | | २५०९८.३ |

श्रोत: फिल्ड तथ्याङ्क २०७४, पाल्पा

महाभारत क्षेत्रको वन :

चुरे सँगै जाडिएको अर्को भूभाग महाभारत हो । महाभारत क्षेत्र यस जिल्लामा समुद्र सतहबाट करिब ६०० देरिख १९३६ मिटर सम्मको उचाइमा फैलिएको छ । यस क्षेत्रको तल्लो भागमा उपोष्ण तर अला भागहरुमा समरिशोष्ण प्रकारको हावापानी पाइन्छ । त्यसकारण होचा भागहरुमा र कतिपय पहाडका दक्षिणी मोहडहरुमा साल र असना प्रजातिका वनहरु रहेका छन भने अन्य कतिपय भागमा चिलाउने कटुसका वनहरुको वाहुल्यता छ । त्यसैगरी कुनै कुनै स्थानहरुमा लालीगुराँसका वनहरु पनि पाइन्छन् । साथै ९०० मि. भन्दा माथिका खासगरी दक्षिणी मोहडहरुमा खोटोसल्लाको वनहरु पनि यत्रत्र देखिन्छन् । समष्टिगतरूपमा हेर्दा जिल्लाको पूर्वी क्षेत्रमा चिलाउने कटुस र पश्चिमी क्षेत्रमा खोटेसल्लाको वनको वाहुल्यता रहेको छ । यस क्षेत्रका वनमा जनसंख्या र पशुको चाप वढी छ । कालीगण्डकी तटीय क्षेत्र सहित गरी मध्य पहाडी क्षेत्रले जिल्लाको ८२ प्रतिशत भू-भाग ओगटेको छ भने ४७ प्रतिशत भू-भाग वनले ढाकेको छ ।

कालीगण्डकीको नदीतटीय वन:

जिल्लाको उत्तरी सीमा वनेर वगेको कालीगण्डकी किनारा तुलनात्मक रूपमा समर्थर रहेको छ र उपोष्ण प्रकारको हावापानी पाइन्छ । नदी किनाराका फाट्हरहरुमा खयर र सिमल तथा अन्य क्षेत्रमा सालका वनहरु प्रमुखरूपमा पाइन्छन् । त्यसैगरी तिनाउ खोला, कचल खोला, कञ्चन खोला, निस्दी खोला, अरुण खोला जस्ता खोलाहरुको तटमा पनि यस्तो खालका प्रजातिहरुको वन पाइन्छ ।

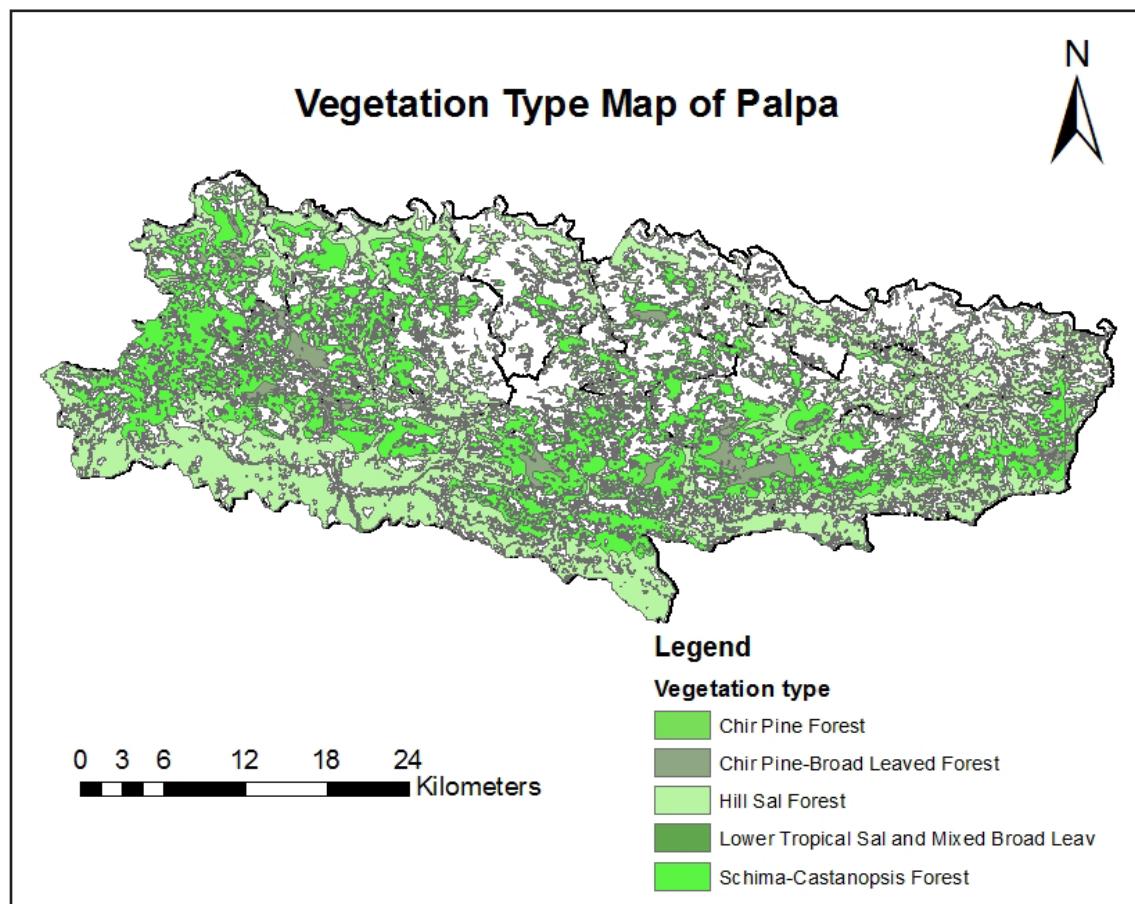
उपरोक्त तिनै प्रकारका वनहरुमा रुख नभएका र हैसियत विग्रेका क्षेत्रमा भाडीयुक्त वनहरु रहेका छन् भने जिल्लाका विभिन्न स्थानमा वृक्षारोपण वनहरु समेत स्थापित भैसकेका छन् ।

ख) वन व्यवस्थापनको आधारमा

वन ऐन, २०४९ ले भूस्वामित्वको आधारमा वनलाई राष्ट्रिय वन र निजी वन गरी दुई प्रमुख भागमा विभाजन गरेको छ । साथै राष्ट्रिय वनलाई व्यवस्थापनको किसिम (Management regimes) को आधारमा सरकारद्वारा व्यवस्थित वन, संरक्षित वन, सामुदायिक वन, कवुलियती वन, साफेदारी वन, चक्ला वन र धार्मिक वन गरी विभाजन गरेको छ । पाल्पा जिल्लामा संरक्षित वन, साफेदारी वन र चक्ला वन बाहेकका Management regime हरु छन् ।

सरकारद्वारा व्यवस्थित वन :

वन ऐन, २०४९ को परिच्छेद ३ र वन नियमावली, २०५१ को परिच्छेद २ मा सरकारद्वारा व्यवस्थित वनको व्यवस्था गरिएको छ। राष्ट्रिय वनको यो भागलाई वन तथा भू-संरक्षण विभागबाट स्वीकृत भएको कार्ययोजना वमोजिम डिभिजन वन कार्यालयबाट व्यवस्थापन गरिन्छ। यस्तो वनको पैदावारमा सरकारको स्वामित्व रहन्छ र इजाजत प्राप्त अधिकारीबाट इजाजत नलिई कुनै प्रकारको वनपैदावार उपलब्ध गर्न, संकलन गर्न, विक्री वितरण गर्न तथा निकासी वा ओसारपसार गर्न पाइन्दैन। यस जिल्लाको ७११७० वन हेक्टर मध्ये हस्तान्तरित सामुदायिक वन ४०,७८०.६०८ हेक्टर, कबुलियती वन १,०३४.६६ हेक्टर र धार्मिक वन २६१.११ हेक्टर बाहेक जम्मा २९,०९३.६२ हेक्टर वनक्षेत्र सरकारद्वारा व्यवस्थित वनको रूपमा डिभिजन वन कार्यालयबाट रेखदेख भैरहेको छ। जिल्लामा दूलो संख्यामा सामुदायिक वनहरू वनेका र अभ वन्ने क्रम रहेको तथा राष्ट्रिय वनक्षेत्रका सरकारद्वारा व्यवस्थित वनहरू नै सामुदायिक वनका रूपमा हस्तान्तरण गरिने भएकोले यस प्रकारका वनको क्षेत्र दिन प्रति दिन घटिरहेको छ। डिभिजन वन कार्यालयको तथ्याङ्क अनुसार आ.व. ०७५।७६ मा करिब ८०० हे. वनक्षेत्र सामुदायिक वनको रूपमा हस्तान्तरण भएको छ। जिल्लाको माथिल्लो भागका तथा पँहुच नपुगेका केही वन क्षेत्रहरू सरकारद्वारा व्यवस्थित वनको रूपमा डिभिजन वन कार्यालयबाट रेखदेख भैरहेको छ।



नक्सा न ३.१ वनको किसिम

सामुदायिक वन :

यस जिल्लामा आ.व. २०७५/०७६ सम्म जम्मा ७०२ वटा सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह रहेको छ । यस जिल्लामा ४०,७८०.६०८ हेक्टर वन क्षेत्र सामुदायिक वनको रूपमा हस्तान्तरण गरिएको छ जसबाट ६०,६३६ घरधुरी लाभान्वित हुने गरेको छ (तालिका नं ३.२) । जनसमुदायमा आधारित वन व्यवस्थापनको सफलताको कारण यस जिल्लामा पनि सामुदायिक वनहरुको संख्या बढ्दै गएको छ । सामुदायिक वनहरुको दिगो व्यवस्थापन, संरक्षण तथा सदुपयोग गर्ने अधिकार पाएका सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह तथा स्थानियहरुले आफ्नो दैनिक वन श्रोतहरुको आवश्यकता पूर्ति गर्नुका साथै वन, जंगलको संरक्षण गर्दै आएका छन् ।

तालिका ३.२ सब डिभिजन अनुसार सामुदायिक वन

| क्र.स | सब डिभिजन | संख्या | क्षेत्रफल (हे.) | घरधुरी |
|-------|-------------------------|--------|-----------------|--------|
| १ | माथागढी सब डिभिजन | ९१ | ५६७८.७८७ | ५७४५ |
| २ | रामपुर सब डिभिजन | ७० | २७७२.८ | ७२३५ |
| ३ | रिब्दीकोट सब डिभिजन | १०७ | ६२९८.७९ | १०४६७ |
| ४ | रम्भा सब डिभिजन | ८२ | ३७९५.३ | ६७४१ |
| ५ | तिनाउ सब डिभिजन | ८६ | ८८९९.०९ | ६९४० |
| ६ | रेनादेवी छहरा सब डिभिजन | ३६ | ४२१६.५३ | २६५२ |
| ७ | तानसेन सब डिभिजन | १२३ | ३५०२.३२ | १४८२९ |
| ८ | निस्दी सब डिभिजन | १०७ | ५६७९.०९ | ६८२७ |
| | जम्मा | ७०२ | ४०,७८०.६२७ | ६०,६३६ |

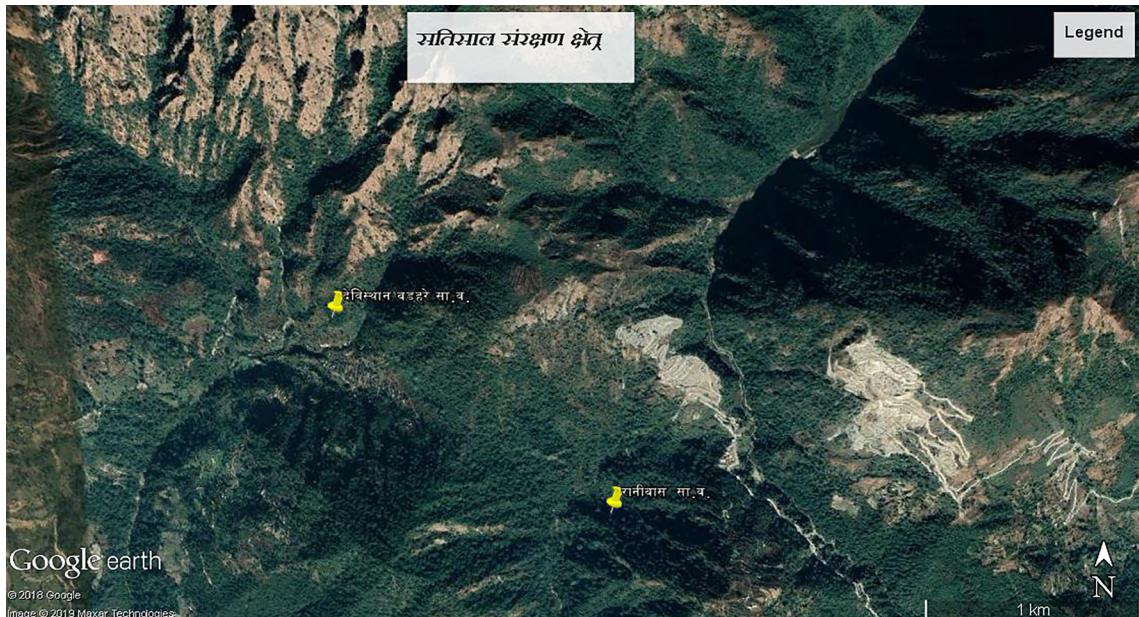
श्रोतः डि.व.का. फिल्ड तथ्याङ्क २०१९, पाल्पा

विगतका संरक्षणमुखी वन व्यवस्थापन पद्धतिलाई पछि पार्दै हाल दिगो वन व्यवस्थापन तथा सदुपयोग सिद्धान्तलाई अनुसरण गर्दै यस जिल्लामा सामुदायिक वन व्यवस्थापन हुँदै आएको छ । साथै वन निति २०७१, वन क्षेत्र रणनिति २०१५ (सन्), तथा वन ऐन २०४९ (दोस्रो संशोधन २०७३) ले सामुदायिक वनमा पर्याप्त्यटनको व्यवस्था गरे पश्चात यस जिल्लामा पनि सामुदायिक वनमा पर्याप्त्यटनका कार्यक्रमहरु भएका छन् । आ.व ०७५।७६ मा तानसेन नगरपालिकाका ७ वटा सामुदायिक वनहरुमा तथा रामपुर नगरपालिकाको १ वटा सामुदायिक वनमा पर्याप्त्यटनको कार्यक्रम गरिएको छ, जस अन्तर्गत पार्क निर्माण, बस्ते बेन्चकुर्सी जडान लगायतका क्रियाकलापहरु भएका छन् ।

त्यस्तै सामुदायिक वनका उपभोक्ताहरुले आफ्नो क्षेत्रमा प्राकृतिक रूपमा पाइने विभिन्न लोपोन्मुख तथा संकटापन्न प्रजातिहरुको संरक्षण गर्दै आएका छन् । यस जिल्लामा चाँप, सर्तिसाल, विजयसाल, सुगान्धकोकिला लगायतका लोपोन्मुख तथा संकटापन्न प्रजातिहरु पाइन्छन् । तिनाउ गाउँपालिका अन्तर्गतका विभिन्न सामुदायिक वनहरुमा फाटफुट रूपमा सर्तिसालका रुख तथा पोल साइजका वोटहरु पाइन्छन् । तिनाउ गा.पा. वडा नं. २ (साविक दोभान-३) स्थित देविस्थान डहरे सा.व.उ.स. तथा रानीवास सा.व.उ.स. को वनक्षेत्रमा लोपोन्मुख रूपमा रहेको सर्तिसालका रुख तथा पोल साइजका वोटहरु भएता पनि लोप हुने अवस्था भएको कारणले उक्त प्रजातीको बासस्थान संरक्षणको लागि आ.व. ०७५।७६ मा डिभिजन वन कार्यालय, पाल्पा, उक्त सा.व.उ.स.हरु, स्थानिय जनताहरु, तिनाउ गाउँपालिका मिलि दुबै सामुदायिक वनलाई सर्तिसालको पकेट क्षेत्रको रूपमा विकास गराउने लक्ष्य लिएको छ । त्यस्तै तिनाउ गाउँपालिका २ स्थित सातपत्रे सा.व.उ.स तथा देविस्थान डहरे सा.व.उ.स.लाई

पाल्पा जिल्ला प्रोफाईल

विजयसालको पकेट क्षेत्रमा संरक्षण तथा विकास गर्न सकिन्छ । रैनादेवी छहरा ४ स्थित पाखुरे सा.व.उ.स.मा चाँप प्राकृतिक रूपमा पाइने हुंदा अगामी दिनहरूमा यो क्षेत्रलाई चाँप पकेट क्षेत्रको रूपमा व्यवस्थापन गर्न सकिन्छ । लोपोन्मुख प्रजातिहरूको संरक्षणको लागि स्थानिय जन समुदायमा यस्ता प्रजातिहरूको महत्वको बारे चेतना अभिवृद्धि गर्न जरुरी छ ।



नक्सा नं ३.२ सतिसाल संरक्षण क्षेत्र

कबुलियती वन :

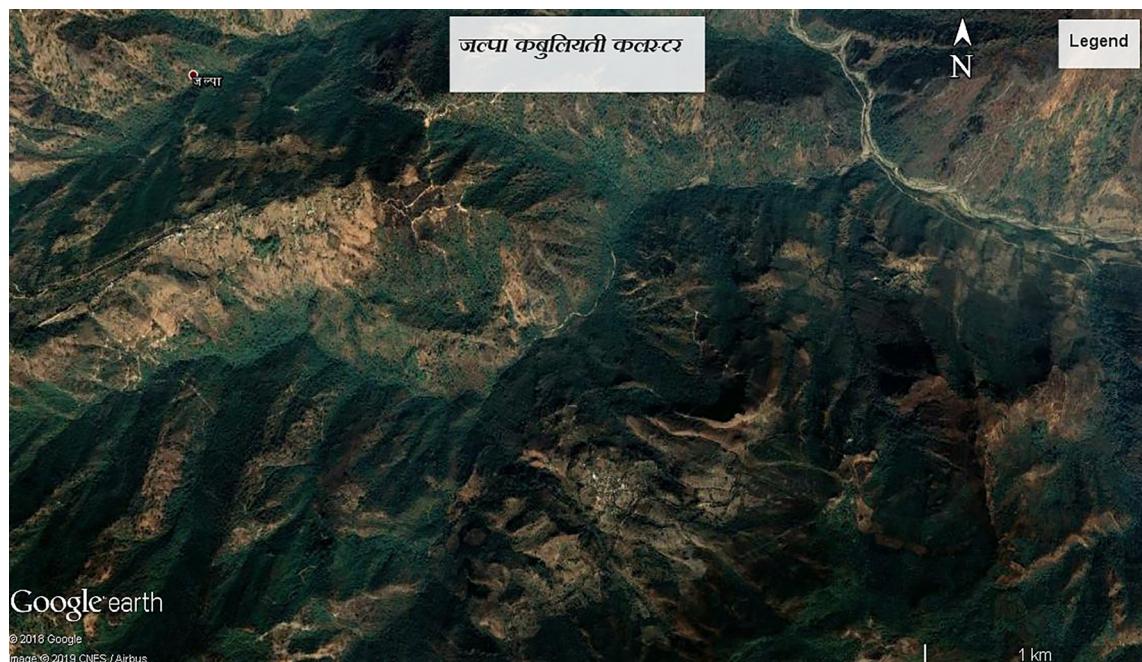
यस जिल्लामा २ खालका कबुलियती वन रहेको छ । एउटा व्यवसायमुखी कबुलियती वन र अर्को विपन्नमुखी कबुलियती वन । भोगाधिकार उपलब्ध गराई १०-४० वर्षको लागि कबुलियतीनामा गराई विभिन्न निजी उद्योग एवं संस्थालाई करीब ३५ हेक्टर वनक्षेत्र उपलब्ध गराइएको छ । यस जिल्लामा IFAD, FAO जस्ता दातृसंस्थाको सहयोगमा कबुलियती वन तथा पशु विकास कार्यक्रम०६६।६७ देखि शुरू भएको हो । आ.व. २०७५/०७६ सम्म जम्मा ११४ वटा कबुलियती वन हस्तान्तरण गरिएको छ । यस कार्यक्रमबाट हालसम्म जम्मा १२०३ विपन्न घरधुरी लाभान्वित भएका छन् । (तालिका नं. ३.३)

तालिका ३.३ कबुलियती वनको अवस्था (आ.व. ०७५/०७६ सर्तम)

| क्र.स. | सब-डिभिजन | संख्या | क्षेत्रफल (हे.) | घरधुरी | जनसंख्या | कैफियत |
|--------|-----------|--------|-----------------|--------|----------|--------|
| १ | माथागढी | १५ | १००.६९ | १८६ | १००३ | |
| २ | रम्भा | १५ | १५२.६१ | १८२ | १३८० | |
| ३ | रिब्दीकोट | ११ | ४७.९८ | १८१ | १११० | |
| ४ | निस्दी | ६४ | ६९०.७६ | ५२० | ६०६१ | |
| ५ | तिनाउ | ९ | ४२.६२ | १३४ | ७२५ | |
| | जम्मा | ११४ | १,०३४.६६ | १,२०३ | १०,२७९ | |

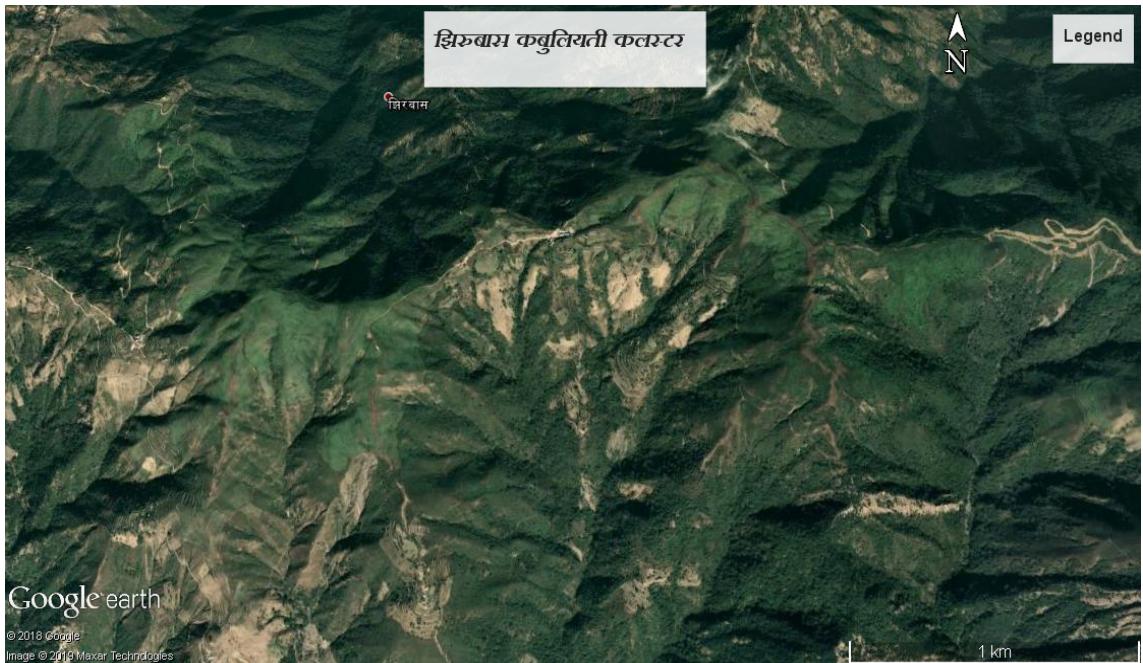
श्रोत: डि.व.का. फिल्ड तथ्याङ्क २०१९, डि.व.का. पाल्पा

विपन्नमुखी कबुलियती वन मार्फत गरिब जनताहरुको आयआर्जनमा टेवा पुग्नुको साथै निजहरुको जिवन स्तरन्तोतिमा पर्नि ठूलो मदत पुगेको छ । पाल्पा जिल्लाको सुदूर पूर्वी-दक्षिण कुनामा जिल्ला सदरमुकाम तानसेन बजारबाट ८६ कि.मी.को दूरीमा निस्दी ३ अवस्थित भिरुवासमा रहेको काउलेडाँडाकबुलियती वन क्लष्ट्रको अग्रिसो खेती नेपाल भरि नै प्रख्यात छ । काउलेडाँडा ठूलो खोरिया फडानी क्षेत्र हो । २०६६ साल फाल्गुनबाट गरिबहरुको जीवनस्तर सुधार्न र वातावरण संरक्षण गर्ने उद्देश्यका साथ “कबुलियती वन तथा पशु विकास कार्यक्रमको प्राविधिक सहयोग परियोजना (TA-LFLP, FAO – Nepal)” मार्फत चक्रे प्रणालीको रूपमा रहेको खोरिया फडानी कार्यलाई पूर्णतः अन्त्य गरी व्यापकरूपमा विभिन्न प्रकारका आयमूलक वन बाली तथा गैरकाष्ठ वन पैदावारका विरुवा रोपण गरिएको थियो । पूर्णतः वनमाराले ढाकेको सो क्षेत्रमा वनमारा हटाई धेरै संख्यामा अग्रिसो, तेजपात, ईपिलईपिल, दूधिलो, टाँकी, अमला तथा स्टाइलो, नेपयिर, बदामे, कक्फुट, टलफेस्कु जस्ता विकासे धाँस एवं विभिन्न रुख प्रजातीका विरुवाहरु रोपण गरिएका छन् । साविक जिल्ला वन कार्यालय, पाल्पाले हस्तान्तरण गरेका १९ वटा कबुलियती वन समूहहरु मिली “काउले डाँडा कबुलियती वन अन्तर समूह” गठन गरिएको थियो । यस समूहले अग्रिसो खेतीबाट सरदर वार्षिक १० लाख रुपैयां आम्दानी गर्छ । फिल्ड तथ्याङ्क अनुसार आ.व. ०७५।७६ मा यस क.व. क्लष्ट्रका उपभोक्ताहरुले अग्रिसोको फुल बेची करिब रु. ६,५०,०००/-, अग्रिसोको डाँठ बेची करिब रु. ७,००,०००/-, अग्रिसोको बिउ बेची करिब रु. ५,००,०००/-, तथा अलैची बेची रु. ५६,०००/- आम्दानी गरेका छन् ।



नक्सा नं ३.३ जल्पा कबुलियती क्लष्ट्र

पाल्पा जिल्ला प्रोफाईल



नक्सा नं ३.४ मिरुवास कबुलियती क्लष्टर



नक्सा नं ३.५ मित्याल कबुलियती क्लष्टर

यस जिल्लामा विभिन्न स्थानमा रहेका हैसियत बिग्रेका वन क्षेत्रहरूलाई कबुलियती वनको रूपमा हस्तान्तरण गरी वनको हैसियत सुधार्ने तथा उपयुक्त जडिबुटी पकेट क्षेत्रको विकास गर्ने लक्ष्य डिभिजन वन कार्यालयले लिएको छ ।

ड) धार्मिक वन :

यस जिल्लामा आ.व. ०७५/०७६ सम्म जम्मा ४ वटा धार्मिक वन रहेको छ । ति हुन् सिद्धबाबा, सत्यवती, भैरव कालिका र रायमाझी धार्मिक वन । यी धार्मिक वनहरूको आफ्ने महत्व रहेको छ (तालिका नं. ३.४)।

तालिका ३.४ धार्मिक वनको अवस्था

| सि.नं. | सव-डिभिजन वन कार्यालय | धार्मिक समूहको नाम | ठेगाना | क्षेत्रफल (हे.) |
|--------|-----------------------|--------------------|---------------------------------------|-----------------|
| १ | तिनाउ | सिद्धबाबा | तिनाउ गाउँपालिका-३ (साविक देभान-५) | १९९.६९ |
| २ | तिनाउ | सत्यवती | तिनाउ गाउँपालिका-४ (साविक कोलडाँडा-३) | ४०.३७ |
| ३ | तिनाउ | भैरव कालिका | तिनाउ गाउँपालिका-२ (साविक देभान-७) | १५.४३ |
| ४ | रिब्दीकोट | रायमाझी | रैनादेवी छहरा गाउँपालिका-३ | ५.६२ |
| | जम्मा | | | २६१.११ |

श्रोत: डि.व.का. फिल्ड तथ्याङ्क २०१९, डि.व.का. पाल्पा

च) निजी वन :

यस जिल्लामा आ.व. ०७५/०७६ सम्म ४५ वटा नीजि वन दर्ता भएको छ । यस्ता निजि वनहरूमा प्राकृतिकरूपमा पुनरउत्पादन भएका प्रजातिहरूको संरक्षणको साथै सिसौ, तेजपात तथा खयर जस्ता प्रजातीहरू वृक्षारोपण गरी हुर्काइएको छ । यस जिल्लामा दर्ता भएको ४५ वटा नीजि वन कूल क्षेत्रफल ४७२-१५-१-१.४९ रोपनी अर्थात २४.०६ हे. रहेको छ । यस जिल्लामा निजी वनको रूपमा दर्ता नभएका विभिन्न निजी जग्गाहरूमा जग्गाधनीहरूले तेजपात उत्पादन तथा संकलन गरी विक्रि वितरण गर्ने गरेका छन् । माथागढी गा.पा., तिनाउ गा.पा., रैनादेवी छहरा गा.पा. मा तेजपात प्रशस्त उत्पादन हुने गरेको छ ।

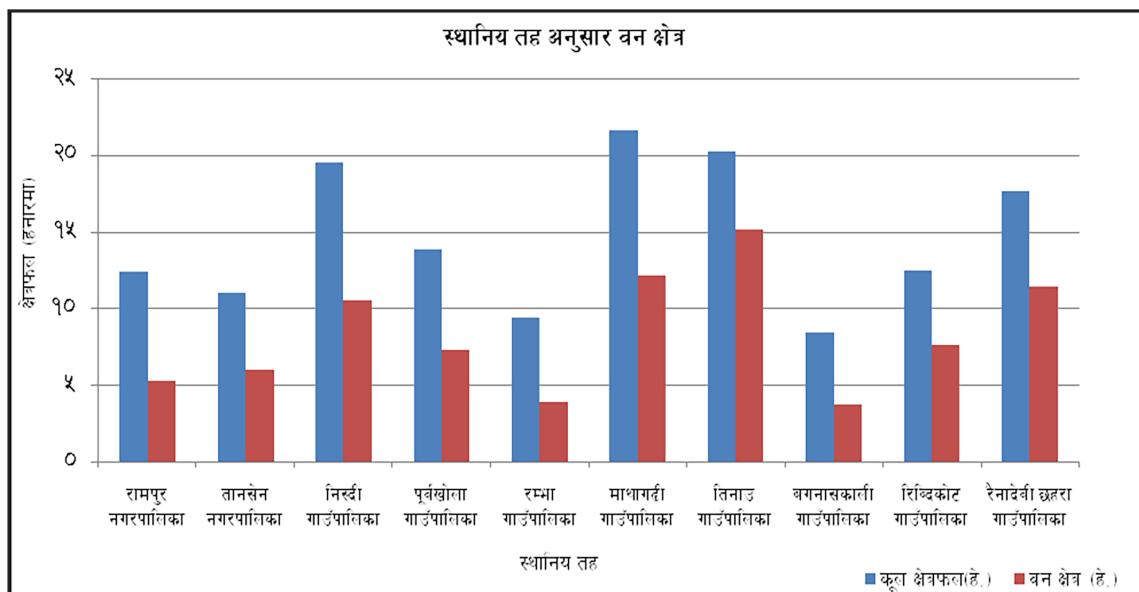
३.१.३ स्थानिय तह अनुसार वनको विवरण

वन अनुसन्धान तथा सर्वेक्षण विभाग, काठमाडौंले २०१७ मा प्रकाशन गरेको तथ्याङ्क अनुसार यस जिल्लाको कूल क्षेत्रफल (१४६३.३ वर्ग कि.मी.) मध्ये ८२८.५ वर्ग कि.मी. अर्थात ५७% अर्थात वन क्षेत्र रहेको छ । यस जिल्लामा सबै भन्दा बढी वन क्षेत्र तिनाउ गाउँपालिका (१८.५) छ भने सबै भन्दा कम रम्भा गाउँपालिका (५%) तथा बग्नासकाली गाउँपालिकामा (५%) रहेको छ । स्थानिय तह अनुसारको वन क्षेत्रको विवरण निम्न तालिकामा (तालिका नं) रहेको छ ।

तालिका ३.५ स्थानीय तह अनुसार वन क्षेत्रफल

| सि.न. | स्थानीय तहको नाम | क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.) | | वन प्रतिशत | |
|-------|--------------------------|-------------------------|------------|------------------|--------------|
| | | कूल क्षेत्रफल | वन क्षेत्र | स्थानीय तह भित्र | जिल्ला भित्र |
| १ | रामपुर नगरपालिका | १२३.५ | ५२.६ | ४३५ | ६५ |
| २ | तानसेन नगरपालिका | १०९.९ | ५९.५ | ५४५ | ७५ |
| ३ | निस्दी गाउँपालिका | १९४.८ | १०५.४ | ५४५ | १३५ |
| ४ | पूर्वखोला गाउँपालिका | १३८.२ | ७२.५ | ५२५ | ९५ |
| ५ | रम्भा गाउँपालिका | ९४.२ | ३८.६ | ४१५ | ५५ |
| ६ | माथागढी गाउँपालिका | २१५.७ | १२१ | ५६५ | १५५ |
| ७ | तिनाउ गाउँपालिका | २०२.२ | १५१.४ | ७५५ | १८५ |
| ८ | बगनासकाली गाउँपालिका | ८४.२ | ३७.६ | ४५५ | ५५ |
| ९ | रिब्दिकोट गाउँपालिका | १२४.६ | ७६ | ६१५ | ९५ |
| १० | रैनादेवी छहरा गाउँपालिका | १७६ | ११३.९ | ६५५ | १४५ |
| | जम्मा | १४६३.३ | ८२८.५ | ५७५ | १००५ |

श्रोत: वन अनुसन्धान तथा सर्वेक्षण विभाग, २०१७



चित्र नं ३.५ स्थानीय तह अनुसारको वन क्षेत्र

स्थानीय तह अनुसार कबुलियती, निजी तथा सामुदायिक वनको विवरण

कबुलियती तथा निजी वन

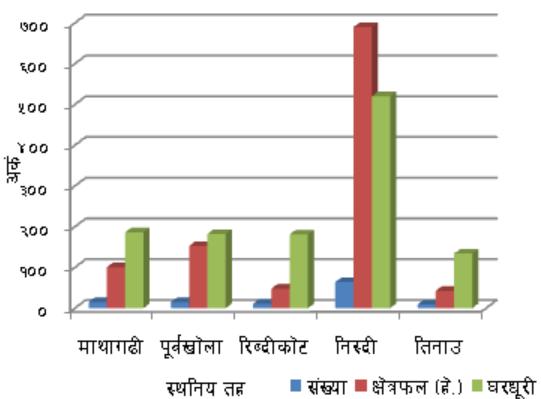
तालिका ३.६ स्थानीय तह अनुसार कबुलियती वनको विवरण

| क्र.स | गाउँपालिका | संख्या | क्षेत्रफल (हे.) | घरधूरी | जनसंख्या |
|-------|------------|--------|-----------------|--------|----------|
| १ | माथागढी | १५ | १००.६९ | १८६ | १००३ |
| २ | पूर्वखोला | १५ | १५२.६१ | १८२ | १३८० |
| ३ | रिब्दीकोट | ११ | ४७.९८ | १८१ | १११० |
| ४ | निस्दी | ६४ | ६९०.७६ | ५२० | ६०६१ |
| ५ | तिनाउ | ९ | ४२.६२ | १३४ | ७२५ |
| | जम्मा | ११४ | १०३४.६६ | १२०३ | १०२७९ |

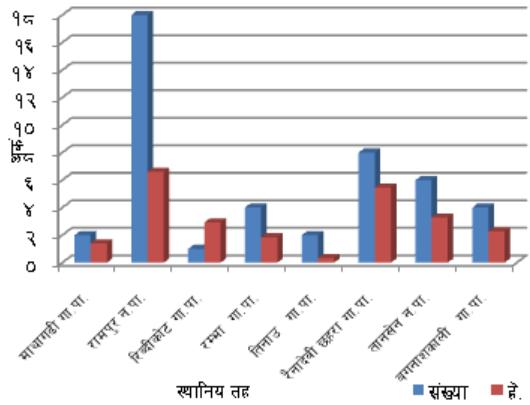
श्रोत: डि.व.का. फिल्ड तथ्याङ्क २०१९, डि.व.का. पाल्पा

यस जिल्लामा आ.व. ०७५।७६ सम्म जम्मा पाँच वटा स्थानीयतहमा मात्र विपन्नोमुखी कबुलियती वन रहेका छन् । निस्दी गाउँपालिकामा तुलनात्मक रूपमा अन्य गाउँपालिकाहरूमा भन्दा बढी (६४ वटा) कबुलियती वन रहेको छ भने तिनाउ गाउँपालिकामा कम कबुलियती वन संख्या (९ वटा) रहेको छ ।

स्थानीय तह अनुसार कबुलियती वनको विवरण



स्थानीय तह अनुसार निजी वनको विवरण



चित्र न ३.२ स्थानीय तह अनुसार कबुलियती वनको विवरण

तालिका ३.७ स्थानीय तह अनुसार निजी वन

| क्र.स | स्थानीय तह | संख्या | क्षेत्रफल | |
|-------|----------------------|--------|-------------|-------|
| | | | रोपनी | (हे.) |
| १ | माथागढी गा.पा. | २ | २७-८-३-३ | १.४ |
| २ | रामपुर न.पा. | १८ | १२९-१२-१-१ | ६.६ |
| ३ | रिब्दीकोट गा.पा. | १ | ५७-४-३-१ | २.९२ |
| ४ | रम्भा गा.पा. | ४ | ३६-१-३-३.९९ | १.८४ |
| ५ | तिनाउ गा.पा. | २ | ६-६-१-६ | ०.३३ |
| ६ | रैनादेवी छहरा गा.पा. | ८ | १०७-२-३-० | ५.४५ |
| ७ | तानसेन न.पा. | ६ | ६४-४-०-१ | ३.२७ |
| ८ | बगनाशकाली गा.पा. | ४ | ४४-६-०--५ | २.२६ |
| | जम्मा | ४५ | | २४.०६ |

श्रोत: डि.व.का. फिल्ड तथ्याङ्क २०१९, डि.व.का. पाल्पा

यस जिल्लामा आ.व.०७५०७६ सम्म आठ वटा स्थानीय तहमा केही निजी वन दर्ता भएका छन्। रामपुर नगरपालिकामा तुलनात्मक रूप बढी (१८ वटा) निजी वन रहेको छ भने तिनाउ गाउँपालिकामा जम्मा २ वटा निजी वन रहेका छन्। डिभिजन वन कार्यालय, पाल्पा अनुसार आ.व. ०७५०७६ मा कुनै पनि निजी वन दर्ता भएको छैन।

सामुदायिक वन

यस जिल्लामा आ.व.०७५०७६ सम्म दश वटा स्थानीय तहमा सामुदायिक वन हस्तान्तरण भएका छन्। निस्दी गाउँपालिकामा तुलनात्मक रूप बढी (१०७ वटा) सामुदायिक वन रहेको छ भने तिनाउ गाउँपालिकामा सामुदायिक वनले तुलनात्मक रूपमा सबै भन्दा बढी क्षेत्रफल ओगटेको छ।

तालिका ३.८ सब डिभिजन अनुसार सामुदायिक वन

| क्र.स | सब डिभिजन | संख्या | क्षेत्रफल (हे.) | घरधुरी |
|-------|--------------------------|--------|-----------------|--------|
| १ | माथागढी गाउँपालिका | ९१ | ५६७८.७८७ | ५७४५ |
| २ | रामपुर नगरपालिका | ७० | २७७२.८ | ७२३५ |
| ३ | रिब्दीकोट गाउँपालिका | ६८ | ३७८९.०२ | ६५१० |
| ४ | रम्भा गाउँपालिका | ४४ | १५६० | ३७२५ |
| ५ | तिनाउगाउँपालिका | ८६ | ८८९९.०९ | ६१४० |
| ६ | रैनादेवी छहरा गाउँपालिका | ७५ | ६७२६.३ | ६६०९ |
| ७ | तानसेन नगरपालिका | ८९ | २९४८.८४ | १०४८५ |
| ८ | निस्दी गाउँपालिका | १०७ | ५६७७.०९ | ६८२७ |
| ९ | पूर्वखोला गाउँपालिका | ३८ | २२३५.३ | ३०१६ |
| १० | बगनाशकाली गाउँपालिका | ३४ | ५५३.४८ | ४३४४ |
| | जम्मा | ७०२ | ४०,७८०.६२७ | ६०,६३६ |

श्रोत: डि.व.का. फिल्ड तथ्याङ्क २०१९, डि.व.का. पाल्पा

३.१.४. पाल्पा जिल्लामा पाइने वनस्पति तथा वन्यजन्तु

यस जिल्लाको भौगालिक क्षेत्र फरक फरक खालको रहेको हुँदा यहाँ पाइने वनस्पति, जडिबुटी, जंगली चरा, किरा तथा जनावरहरु फरक फरक खालका रहेका छन्। यस जिल्लामा देखिएका रेकर्ड अनुसार ४० भन्दा बढी प्रजातीका वनस्पति पाइएको छ भने गैर काष्ठ वन पैदावारमा ६० भन्दा बढी प्रजातीहरु रहेका छन्। यस जिल्लामा खास गरि दक्षिणी भेगमा साल, असना, कर्मा, हर्रो, वर्रो, जामुन, बोटघाइरो, बाभी जस्ता प्रजातिको बाहुल्यता रहेको छ भने उत्तरी भेगमा रहेको मध्ये पहाडी महाभारत क्षेत्रमा कटुस, चिलाउने, साल, लालीगुँस लगायतका प्रजाति यत्रतत्र छरिएर रहेका छन्। त्यसैगरी नदी तटीय क्षेत्रमा खयर, सिसौ, सिमल, साल जस्ता रुख प्रजातिका वनहरु पाइन्छन्। जडिबुटीमा कुरिलो, तेजपात, गुर्जोलहरा, वोभो, पिपला, टिमुर, अग्रिसो आदि यस जिल्लाको विशेषता हो। (तालिका नं. ३.९/३.१०)।

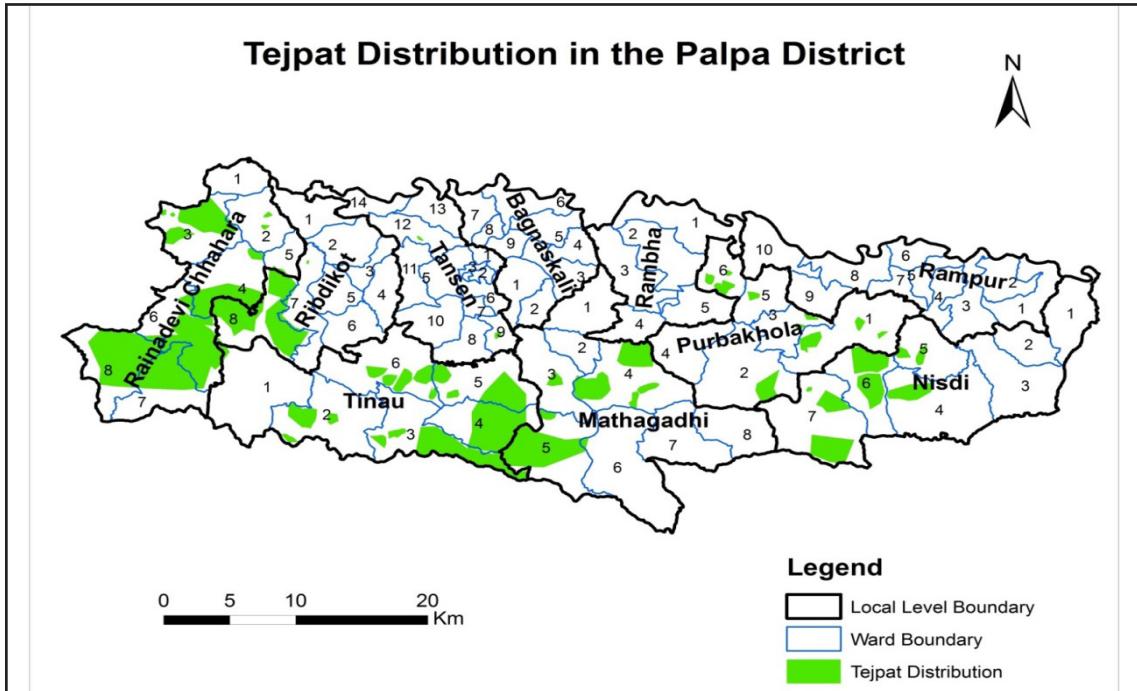
तालिका नं ३.९ पाल्पा जिल्लामा पाइने प्रमुख काष्ठ वनपैदावार प्रजातिहरु

| क्र.सं | नेपाली नाम | वैज्ञानिक नाम | क्र.सं | नेपाली नाम | वैज्ञानिक नाम |
|--------|-------------|---------------------------------|--------|-------------|-------------------------------|
| १ | साल | <i>Shorea robusta</i> | २१ | जामुन | <i>Syzygium cumini</i> |
| २ | असना | <i>Terminelia tomentosa</i> | २२ | क्यामुन | <i>Syzygium operculata</i> |
| ३ | उत्तिस | <i>Alus nepalensis</i> | २३ | बाभ | <i>Quercus spp</i> |
| ४ | टाँकी | <i>Bauhinia purpurea</i> | २४ | सांदन/पानन | <i>Ogeinia Oojeinensis</i> |
| ५ | कोइरालो | <i>Bauhinia variegata</i> | २५ | कुसुम | <i>Schleichera oleosa</i> |
| ६ | सिमल | <i>Bombax ceiba</i> | २६ | सिरिस | <i>Albizia spp</i> |
| ७ | गायो | <i>Bridelia retusa</i> | २७ | सर्तिसाल | <i>Dalbergia latifolia</i> |
| ८ | ढाल्ने कटुस | <i>Castanopsis indica</i> | २८ | दवदवे | <i>Garuga pinnata</i> |
| ९ | मुसुरे कटुस | <i>Castanopsis tribuloides</i> | २९ | खमारी | <i>Gmelina arborea</i> |
| १० | खरी | <i>Celtis australis</i> | ३० | आँप | <i>Mangifera indica</i> |
| ११ | लाम्पाते | <i>Duabanga grandiflora</i> | ३१ | बाभी | <i>Anogeissus latifolia</i> |
| १२ | पहाडी मौवा | <i>Engelhardtia spicata</i> | ३२ | फिगान | <i>Lannea grandis</i> |
| १३ | फलेदो | <i>Erythrina stricta</i> | ३३ | तिजु/खल्लुक | <i>Diospyros embryopteris</i> |
| १४ | वर | <i>Ficus bengalensis</i> | ३४ | भिमसेनपाते | <i>Buddleja asiatica</i> |
| १५ | बोटघाइरो | <i>Lagerstroemia parviflora</i> | ३५ | दारागिठी | <i>boehmeria rugulosa</i> |
| १६ | खोटेसल्ला | <i>Pinus roxburghii</i> | ३६ | चाँप | <i>Michelia champaca</i> |
| १७ | पैयु | <i>Prunus cerasoides</i> | ३७ | कुटमिरो | <i>Litsea monopetala</i> |
| १८ | लालीगुरास | <i>Rhododendron arboreum</i> | ३८ | खिर्भो | <i>Sapium insigne</i> |
| १९ | चिलाउने | <i>Schima wallichii</i> | ३९ | पलास | <i>Butea monosperma</i> |
| २० | भलायो | <i>Semecarpus anacardium</i> | ४० | फल्दु | <i>Mitragyna parviflora</i> |

श्रोत: फिल्ड सर्भें, डि.व.का. पाल्पा

पाल्पा जिल्ला प्रोफाईल

जडिबुटीमा कुरिलो, तेजपात, गुर्जेलहरा, वोझो, पिपला, टिमुर, अम्ब्रिसो आदि यस जिल्लाको विशेषता हो । पाल्पा जिल्ला विशेषतेजपात, दालचिनीको लागि प्रख्यात छ । सन् २०१८ मा डिभिजन वन कार्यालय, पाल्पाले तयार गरेको एक रिपोर्ट अनुसार रैनादेवी छहरा, तिनाउ, माथागढी, निस्दी क्षेत्रमा तेजपातको राम्रो बाहुल्यता रहेको पाइन्छ ।



नक्सा नं ३.६ तेजपात बाहुल्यता नक्सा

यस जिल्लामा पाइने विभिन्न गैरकाष्ठ वन पैदावारहरु तथा तिनको स्थानीय प्रयोग तालिका ३.१० मा दिइएको छ ।

तालिका नं ३.१० गैरकाष्ठ वन पैदावारहरुको स्थानीय प्रयोग

| क्र.सं | प्रजातिको नाम | उपयोगी नाम | स्थानीय प्रयोग |
|--------|----------------|-------------|--|
| १ | तेजपात/दालचिनी | पात, वोक्रा | मसलाको रूपमा, तरकारी मासु आदिमा वास्नाका लागि, पिनासमा, पखालामा, रात शुद्ध पार्न, मधुमेह रोगमा, वाकवाकी रोक्न |
| २ | कुरिलो | मुना, जरा | टुसलाई तरकारी तथा अचारमा प्रयोग,, तागत वढाउन, सुत्केरीको दुध वढाउन, आउँ पखालामा, मधुमेह रोगमा, खोकी लागेमा, यौनशक्ति वढाउन |
| ३ | चिराइतो | पूरै वोट | ज्वरो आएमा, पेटमा परेका जुका मार्न, दिसा खुलाउन, पखाला लागेमा, खोकी लागेमा, निमोनिया भएमा, घाउ खटिरामा, रुची वढाउन, औलोज्वरोमा, वियर उत्पादनमा |

| क्र.सं | प्रजातिको नाम | उपयोगी नाम | स्थानीय प्रयोग |
|--------|------------------|-------------------|---|
| ४ | टिमुर | फल, बोक्रा, फूल | अचार, मसला, दाँत माझन, वनको जुकाको टोकाइवाट वच्च, अपच भएमा, पेटको गडवडीमा जुकका परेमा, कविजयत भएमा, रुधाखोकीमा, दाँत दुखेमा, ग्याष्ट्रिकमा, मुख गन्हाउनेमा, वल वढाउने, ज्वरो, हैजा, सुगन्धित तेल बनाउन, बोक्राको प्रयोगबाट स्थानीय रूपमा माछा मार्ने |
| ५ | पाषाणभेद | गानो, जरा, फूल | फूलहरु अचार बनाउन, गाना तथा जरालाई ज्वरो, पेट दुख्ने, पखाला, शक्ति वर्धकका रूपमा, पिसाब पोल्नेमा, ज्यान दुखेमा, मृगौला रोगमा |
| ६ | अमला | फल, बोक्रा, पात | त्यसै खान, भिटामिन सी को स्रोत, अचार बनाउन, कपाल कालो बनाउन, त्रिफला बनाउन, च्यवनप्रास बनाउन, रगत वढाउने, औषधीको रूपमा, कमलपित रोगमा, खोकी लागेमा, आउँ र पखालामा, ज्वरो आउँदा, नाक मुखबाट रगत बगेमा, फल-पाचन वढाउन, खाना रुची वढाउन, दिशापिसाब खुलाउन |
| ७ | हर्रो | फल, बोक्रा, पात | दिसा खुलाउन, शरीर स्वस्थ राख्न, खोकी लागेमा, स्वर सुकेमा, कमलपित, पत्थरी, रक्तचाप, आउँ, भाडापखाला, पेट दुखेमा, त्रिफला बनाउन |
| ८ | वर्रो | फल, बोक्रा | रक्त अल्पतामा, कविजयतमा, मसी बनाउन, ज्वरोमा, वान्ता रोक्न, रुधा खोकीमा, टाउको दुखेमा, रङ्ग बनाउन |
| ९ | सर्पगन्धा | जरा | अनिद्रा, तनाव, रक्तचाप, भाडा पखालामा, सर्प वा किराले टोकेमा |
| १० | निगालो | काण्ड, दुसा र जरा | तरकारीको रूपमा, भू-क्षय रोक्न, धाँस, बार वार्न, डोको नाम्लो बनाउन, फर्निचर बनाउन, अचार, पेटमा जुका परेमा जराको रस बनाएर खाने |
| ११ | श्रीखण्ड | काठ | रगत स्त गर्ने, ज्वरो घटाउन, टाउको दुखाइमा, कमलपित, खोकी तल्लो पेट दुखेमा, महिनावारी गडवडी भएमा |
| १२ | अल्लो | पूरै वोट | बाक्राको रेसाबाट नाम्लो, दाम्लो, डोरी, वोरा, माछा मार्ने जाल, भोला, टोपी, रुमाल, ज्याकेट, टेवुलपोस, क्लाइकेट, मुन्टाहरु- तरकारीमा प्रयोग, रक्तअल्पतामा रस, जराको विभिन्न आयुर्वेदिक औषधिमा प्रयोग |
| १३ | घिउकुमारी | पात | आगोले पोलेको, ज्वरो, टाउको दुखेको, कमलपित, पिशाव नखुलेमा, कविजयत हटाउन, महिनावारी मिलाउन, जुका मार्न, सौन्दर्य सामग्री बनाउन, पेटका विविध रोगमा |
| १४ | नागवेली | पूरै विरुवा | रक्तविकार, धुलोवाट पटाका बनाउन, पिशाव खोल्न, दमका लागि, मृगौला उपचारमा, लहराहरु सजावटमा |
| १५ | सुगन्धवाल | जरा र काण्ड | हैजा, पेट दुख्ने, मृगि, अल्सर, भाडा पखाला, धातुको समस्या, प्रसुति समस्या, सुगन्धित तेल वा अगरवत्ति बनाउन |
| १६ | झ्याउ काठे) | पूरै विरुवा | मर्सिनो धुलो बनाई काटेको घाउमा लगाउने, महिनावारी गडवडीमा विभिन्न आयुर्वेदिक औषधि बनाउन र सुगन्धित वस्तुहरु बनाउन, खानावाट लागेको विष-फुड प्वाइजनमा |
| १७ | वोभ्को | जरा र पात | रुधा लागेमा, दाँत दुखेमा, कफ, आउँ, ज्वरो, छारेरोग, लुतोमा |
| १८ | चुत्रो वा चौतारो | वोक्रा, जरा | मलेरिया, छालाको रोग, भाडापखाला, रङ्ग बनाउन, फल खान |
| १९ | तितेपाती | पूरै वोट | पात सुकाएर किटानाशक औषधीको रूपमा, लुतोमा, पेटका किरा वा जुका मार्न, आउँ, खोकी, ग्याष्ट्रिक रोगमा, सावुनको रूपमा |
| २० | भोर्ला | पात, बोक्रा र जरा | बोक्राबाट डोरी र दाम्लो बनाउन पातबाट टपरी र ल्लेट बनाउन, गाइवस्तुलाई धाँस |

पाल्पा जिल्ला प्रोफाईल

| क्र.सं | प्रजातिको नाम | उपयोगी नाम | स्थानीय प्रयोग |
|--------|-----------------|-------------------|---|
| २१ | लप्सी | जल | खाना रुचाउन, पाचन शक्ति बढाउन, अचारको रूपमा, मिठाई बनाउन |
| २२ | घाँस | काण्ड, टुसा र जरा | डोका, नाम्लो, फर्निचर, तरकारी, अचार, पेटमा जुका परेमा जराको रस बनाएर खाने |
| २३ | जीवन्ती/सुनगाभा | पूरै वोट | सङ्केमइकेमा, ज्वरोमा, पेटको समस्यामा, रुधा, खोकी, दम, सर्पले टोकेमा विष भर्न, शक्तिवर्धक औषधी बनाउन |
| २४ | भ्याकुर | गानो र फल | तरकारीको रूपमा, जुग्रा वा माछा मार्ने, रगतमासी परेमा, कव्जियत, ग्याष्ट्रिक, गर्भ निरोधक औषधी बनाउन, घाउ खटिरा निको पार्न, अपच, अरुची |
| २५ | वनतरुल | गानो र फल | तरकारी, ढाढ दुखेमा, जुका मार्न |
| २६ | वावियो | पूरैवोट | दाम्लो/नाम्लो बनाउन, भू-संरक्षण कार्यमा अति उत्तम, जरा र पातको रसबाट पिशाव खुलाउने |
| २७ | घोलटाप्रे | पूरैवोट | स्मरण शक्ति बढाउन, रक्तचाप मिलाउन, अनिद्राको औषधी, भोक जगाउने, घाउ निको पार्न, ग्याष्ट्रिक, स्वप्नदोष, ज्वरो, दिमागको टीकिक |
| २८ | असुरो | पात, फूल | रुधाखोकी, दम, वाथ, आउँ, पखाला, ज्वरो, ब्रोडकाइटिस, जोर्नी दुखेमा, आँखा पोलेमा, किटानाशक औषधीको रूपमा, खेतवारीमा छापो राख्न |
| २९ | वनमारा | पात | गोवरस्यास उत्पादनमा, घाउमा, नसा सम्बन्धी औषधी बनाउन, छाप्रो बनाउन |
| ३० | विलौने | वोक्रा | साबुन बनाउन, कीटनाशक औषधी बनाउन |
| ३१ | पुदिना | पूरैवोट | ग्याष्ट्रिक, आउँ, पखाला, भोक जगाउन, अचार, गर्मी फाल्न |
| ३२ | काफल | वोक्रा र फल | रगत वगेमा, पेट दुखेमा, ज्वरोमा, दम, पखाला, ब्रोन्काइटिस, टाइफाइट, दाँत दुखेमा, टाउको दुखेमा, फल सिधै खान, दादुरा भएमा |
| ३३ | तुलसी | पूरैवोट | रुधा खोकी, दम, वाथ, ज्वरो, ब्रोन्काइटिस, जोर्नी दुखेमा, पोलेमा, कान दुखेमा, पाचन शक्ति बढाउन, चिया बनाउन, उच्च रक्तचाप मिलाउन, ग्याष्ट्रिक, पेट दुखेमा, तेलवाट विभिन्न सुगन्धित वस्तु तयार गर्न |
| ३४ | लालीगुराँस | फूल | पेट सम्बन्धी रोगमा, पाचन शक्ति बढाउन, जुस बनाउन, शक्तिवर्धक, आउँ परेमा, ग्याष्ट्रिक |
| ३५ | भक्तिम्लो | फल | पखाला लागेमा, पेट सम्बन्धी रोगमा, अचार बनाउन, विविध आयुर्वेदिक औषधि बनाउन |
| ३६ | मजिठो | पूरैवोट | जन्डीस, कलेजो स्क गार्न, जोर्नी दुखेमा, स्वर वसेमा, भोक बढाउन, जुका परेमा, आगोले पोलेमा |
| ३७ | खर | पूरैवोट | घर छाउन, वस्तुलाई खुवाउन, कागज बनाउन, पातको रस ग्याष्ट्रिकको लागि उत्तम हुने |
| ३८ | अग्रिसो | पूरैवोट | कुचो बनाउन, भू-संरक्षणमा, पशुलाई उत्तम घाँस, पशुको पेट सम्बन्धी समस्या भएमा, गानोगोलामा र पेट सम्बन्धी समस्यामा जरा प्रयोग |
| ३९ | गुर्जोलहरा | लहरा | दम, खोकी, ब्रोडकाइटिस, ज्वरो, जण्डीस, पिसाव सम्बन्धी समस्या, शक्ति वर्धक, मधुमेहमा, चिया बनाउन |
| ४० | आँखीतरे | फल | घाउ, खटिरा, लुतो आएमा, दाद लगायतका जर्मरोगमा, विविध आयुर्वेदिक औषधिमा प्रयोग गर्न सकिने |
| ४१ | सिमली | काण्ड रपात | पोलेका घाउमा, वारवन्देज गर्न, भू-संरक्षणमा, पिनास, दम, खोकीमा |

| क्र.सं | प्रजातिको नाम | उपयोगी नाम | स्थानीय प्रयोग |
|--------|---------------|------------------|---|
| ४२ | वयर | फल | चिसो हटाउन, दादुगा भएमा, पेटको विकार भएमा, अचार बनाउन, सिधै खान श्वेतप्रदरमा, रक्तप्रदरमा |
| ४३ | आँक | जरा, पात, फूल | रगतमासी, कुष्टरोग, हातीपाइले रोग, चर्मरोग, दम, खोकी, अपच, रुधा खोकी |
| ४४ | मधेशी खिर्रो | वोक्रा, वीउ | ज्वरो, पखाला, आँउ, पेटको जुका |
| ४५ | ओखर | वोक्रा, पात, फल | जुका मार्न, शक्तिवधक, रक्तअल्पता, फल सिधै खान |
| ४६ | कट्टकारी | जरा, पात, फल | रुधाखोकी, दम, ज्वरो, पाएल्स, लुतो, धाँटी दुखेमा, दाँतमा किरा लागेमा, जुम्रा परेमा |
| ४७ | केतुकी | पात | माछा मार्न, आलुमा लाने किरा नियन्त्रण गर्न, डोरी तथा नाम्लो बनाउन |
| ४८ | खिर्रो | पात, डाठ, चोप | धमिरा नियन्त्रणमा, हरियो मल बनाउन, वारबन्देज, माछा मार्न |
| ४९ | खयर | वोक्रा, काठ | कत्था र कच बनाउन, छाला र कपडा रंगाउन |
| ५० | राजवृक्ष | जरा, पात, फल | ज्वरो घटाउन, तागत बढाउन, चर्म रोगमा, कव्जियत, मधुमेहमा, पिशाव खोल्न, कमलपित्तमा |
| ५१ | रिठा | फल, वोक्रा | सावुन बनाउन, खोकी, छारेरोगमा, माछा मार्न |
| ५२ | लज्जावती भार | पात, जरा, डाठ | पाएल्स, आँउ, विच्छीले टोकेमा |
| ५३ | सिन्दुरे | जरा, पात, वीउ | चर्मरोग, लुतो, रंग बनाउन, जुका मार्न |
| ५४ | छत्तिवन | वोक्रा | गर्भपतन, अपच, दिसा खुलाउन, ज्वरो घटाउन, मुटुरोग, रगत सफा गर्न, औलोज्वरोमा |
| ५५ | ऐसेलु | फल, कमलो, मुना | फल सिधै खान, टाइफाईड, निमोनिया, पखाला लागेमा |
| ५६ | कुकुरडाइनो | जरा, पात | गाइवस्तुको दुध घिउ बढाउन, भूतप्रत भगाउन |
| ५७ | जामुन | फल, वोक्रा | सिधै फल खान, गानुगोलामा, मधुमेह, रगत शुद्ध गर्न, भाडापखालामा |
| ५८ | धैयरो | फूल वोक्रा | रगतमासी, आँउ, काटेको घाउमा, पोलेको घाउमा |
| ५९ | पानीअमला | जमीन मुनिको गानो | कमलपित्त, गर्मी लागेमा |
| ६० | सिउडी | जरा, चोप | कमलपित्त, पेटमा जुवा, दाँतमा किरा लागेमा, वाथरोगमा, हाटखुद्वामा मुसा आएमा |
| ६१ | हडचुर | वोक्रा | भाच्चिएको हाड जोडन |
| ६२ | पावन -काउलो) | वोक्रा | डालेघांस, रोटी र विभिन्न आयुर्वेदीक औषधीमा |

श्रोत: फिल्ड सर्भें, डि.व.का. पाल्पा

प्राकृतिक वन वन्यजन्तुको वासस्थानको अति उपयुक्त वासस्थान हो । त्यस कारण चुरे तथा सिवालिक क्षेत्रमा वढी भन्दा वढी जंगली वन्य जन्तु तथा चराचुरुडीहरु पाइन्छ । यस महाभारत एवं पहाडी भाग पनि विभिन्न किसिमका वन्यजन्तुका लागि वासस्थान हुन् । त्यस्तै जिल्लाको उत्तरी सीमा बनेर वगेको कालीगण्डकी किनारा तुलनात्मक रूपमा समर्थ रहेको छ र उपोष्ण प्रकारको हावापानी पाइने भएकोले यहाँ विभिन्न सरिसृपहरु, उभयचरहरु पाइन्छन् । यस जिल्लाको वनले चितुवा, रतुवामृग, वाँदर, लंगुर, स्याल, खरायो लगायतका वन्यजन्तुहरु र तित्रा, कालिज, काग, गिद्ध, दुकुर जस्ता प्रजातिका पंक्षीहरूलाई आश्रय दिएको छ । जिल्लाभित्र पाइने प्रमुख वन्यजन्तु, किरा फट्याङ्गा, माछा, सरिसृप चरा र स्तनधारी प्रजातिहरूको विवरणहरु निम्न तालिकाहरूमा दिइएको छ ।

तालिका नं ३.११ पाल्पा जिल्लामा पाईने प्रमुख वन्यजन्तुहरु

| क्र.सं. | नेपाली नाम | अंग्रेजी नाम | वैज्ञानिक नाम |
|---------|--------------|------------------------|---------------------------------|
| १ | चितुवा | Common Leopard | <i>Panthera pardus</i> |
| २ | वन विरालो | Jungle Cat | <i>Felis chaus</i> |
| ३ | स्याल | Golden Jackle | <i>Canis aureus</i> |
| ४ | फ्याउरो | Indian Fox | <i>Vulpes bengalensis</i> |
| ५ | मलसाप्रो | Yellow Throated Marten | <i>Martes flavigula</i> |
| ६ | खैरो लोखर्के | Hoary-Bellied Squirrel | <i>Collosciurus pygerythrus</i> |
| ७ | दुम्सी | Indian Porcupine | <i>Hystrix indica</i> |
| ८ | न्याउरीमुसो | Common Mongoose | <i>Herpestes edwardisii</i> |
| ९ | रुतुवा मृग | Barking Dear | <i>Muntiacus muntjak</i> |
| १० | चमेरो | Fruit Bat | <i>Lepus nigricollis</i> |
| ११ | खरायो | Rufous Tailed Hare | <i>Rousettus spp</i> |
| १२ | रातो बाँदर | Rhesus Macaque | <i>Macaca Mulatta</i> |
| १३ | लंगुर बाँदर | Common Langur | <i>Presbytis entellus</i> |
| १४ | चमेरो (ठूलो) | Flying Fox | <i>Pteropus giganteus</i> |

श्रोत: फिल्ड सर्भें, डि.व.का. पाल्पा

तालिका नं ३.१२ पाल्पा जिल्लामा पाईने प्रमुख सरिसुप र उभयचर प्रजातिहरु

| क्र.सं | नेपाली नाम | अंग्रेजी नाम | वैज्ञानिक नाम |
|--------|----------------|-----------------------|---------------------------|
| १ | साधारण सर्प | Common Rat Snake | <i>Bioga trigonata</i> |
| २ | धामन सर्प | Rat Snake | <i>Ptyas mucosus</i> |
| ३ | गोहोरो | Common Indian Monitor | <i>Varanus spp</i> |
| ४ | छेपारो | Common Agamid Lizard | <i>Calotes versicolor</i> |
| ५ | सुन गाहोरो | Golden Monitor | <i>Varanus flavescens</i> |
| ६ | हरेउ | Green Pit Viper | <i>Trimeresurus spp</i> |
| ७ | माउसुली | Wall Lizard | <i>Hamidactylus spp</i> |
| ८ | भ्यागुता | Frog | <i>Rana tigrina</i> |
| ९ | खर्से भ्यागुता | Toad | <i>Bufo spp</i> |
| १० | अजिङ्गर | Asian Rock Python | <i>Python molurus</i> |

श्रोत: फिल्ड सर्भें, डि.व.का. पाल्पा

तालिका नं ३.१३ पाल्पा जिल्लामा पाईने प्रमुख चरा प्रजातिहरू

| क्र.सं. | नेपाली नाम | अंग्रेजी नाम | वैज्ञानिक नाम |
|---------|-----------------------|------------------------------|--------------------------------|
| १ | कालो तित्रा | Black Patridge | <i>Francolinus francolinus</i> |
| २ | कालिज | Kalij Pheasant | <i>Lophura leucomelana</i> |
| ३ | वन कुखुरा | Red Jungle Fowl | <i>Gallus gallus</i> |
| ४ | न्याउली | Great Barbet | <i>Megalaima virens</i> |
| ५ | कुथुर्के | Blue Throated Barbet | <i>Magalaima asiatica</i> |
| ६ | दुकुर | Dove | <i>Streptopelia spp</i> |
| ७ | कालो चिल | Black Kite | <i>Milvus migrans</i> |
| ८ | सेतो गिद्ध | Egyptian Vulture | <i>Neophron percnopterus</i> |
| ९ | डंगर गिद्ध | White-rumped Vulture | <i>Gyps bengalensis</i> |
| १० | सानो खैरो गिद्ध | Slender-billed Vulture | <i>Gyps tenuirostris</i> |
| ११ | बाज | Eurasian Hobby | <i>Falco subbuteo</i> |
| १२ | लामपुछे | Magpie | <i>Urocissa erythrorhyncha</i> |
| १३ | कोकले | Grey Ttreepei | <i>Dendrocitta formosae</i> |
| १४ | काग | House Crow | <i>Carvus macrorhynchos</i> |
| १५ | डाइग्रे | Common Myna | <i>Acridotheres tristis</i> |
| १६ | जुरेली | Bulbul | <i>Pycnonotus cafer</i> |
| १७ | तोरीगांडो | White Crested Laughingthrush | <i>Garrulax leucolophus</i> |
| १८ | घर भगेरो | House Sparrow | <i>Passer domesticus</i> |
| १९ | चित्रे | Drongo | <i>Dicrurus spp</i> |
| २० | रानीचरी | Scarlet Minivet | <i>Pricrocotus flammeus</i> |
| २१ | ठौवा | Indian Roller | <i>Coracias bengalensis</i> |
| २२ | कोइली (विड कुहियो) | Common Hawk Cukoo | <i>Hierococcyx varinus</i> |
| २३ | कोइली (काफल पाक्यो) | Indian Cukoo | <i>Cuculus micropterus</i> |
| २४ | कोइली (कुक्कु कुक्कु) | Eurasian Cukoo | <i>Cuculus canorus</i> |
| २५ | काइली (कोहो कोहो) | Asian Koel | <i>Eudynamys scolopacea</i> |
| २६ | लाटो कोसेरो | Owl | <i>Tyto alba</i> |
| २७ | काकाकुल | Crested Serpent Eagle | <i>Spilornis cheela</i> |
| २८ | हलेसो | Yellow Footed Green Pigeon | <i>Treron phoenicoptera</i> |

श्रोत: फिल्ड सर्भेज, डि.व.का. पाल्पा

तालिका नं ३.१४ पाल्पा जिल्लामा पाईने प्रमुख माछा प्रजातिहरू

| क्र.सं | नेपाली नाम | वैज्ञानिक नाम | परिवार |
|--------|------------|-------------------------------------|--------------|
| १ | कल्ले | <i>Acrossocheilus hexagonolepis</i> | Cyprinidae |
| २ | बुदुना | <i>Garra gotyla</i> | Cyprinidae |
| ३ | फगेटा | <i>Barillus shacra</i> | Cyprinidae |
| ४ | असला | <i>Schizothorax molesworthii</i> | Cyprinidae |
| ५ | सहर | <i>Tor putitoa</i> | Cyprinidae |
| ६ | वाम | <i>Amphiphous cuchia</i> | Amphipnoidae |

श्रोत: फिल्ड सर्भें, डि.व.का. पाल्पा

तालिका नं ३.१५ पाल्पा जिल्लामा पाईने प्रमुख किरा फट्याइङ्गा प्रजातिहरू

| क्र.सं | नेपाली नाम | अंग्रेजी नाम | वैज्ञानिक नाम |
|--------|--------------------|--------------------------------|-------------------------|
| १ | कागती पुतली | Lima Swallow Tail Butterfly | <i>Papilio demoleus</i> |
| २ | गौथली पुच्छे पुतली | Shallow-Tail Butterfly | <i>Papilo Polycitor</i> |
| ३ | सेतो पुतली | Cabbage Butterfly | <i>Pieris brassica</i> |
| ४ | कैलो पुतली | Common Evening Brown Butterfly | <i>Melanitis leda</i> |
| ५ | बाधे पुतली | Tiger Butterfly | <i>Salatria spp</i> |
| ६ | फट्याइङ्गो | Short Horn Grasshopper | <i>Cantato spp</i> |
| ७ | फट्याइङ्गो | Grasshopper | <i>Catantops spp</i> |
| ८ | भमरा | Bumble bee | <i>Xylocope spp</i> |
| ९ | भिर माहुरी | Rock Bee | <i>Apis dorsata</i> |

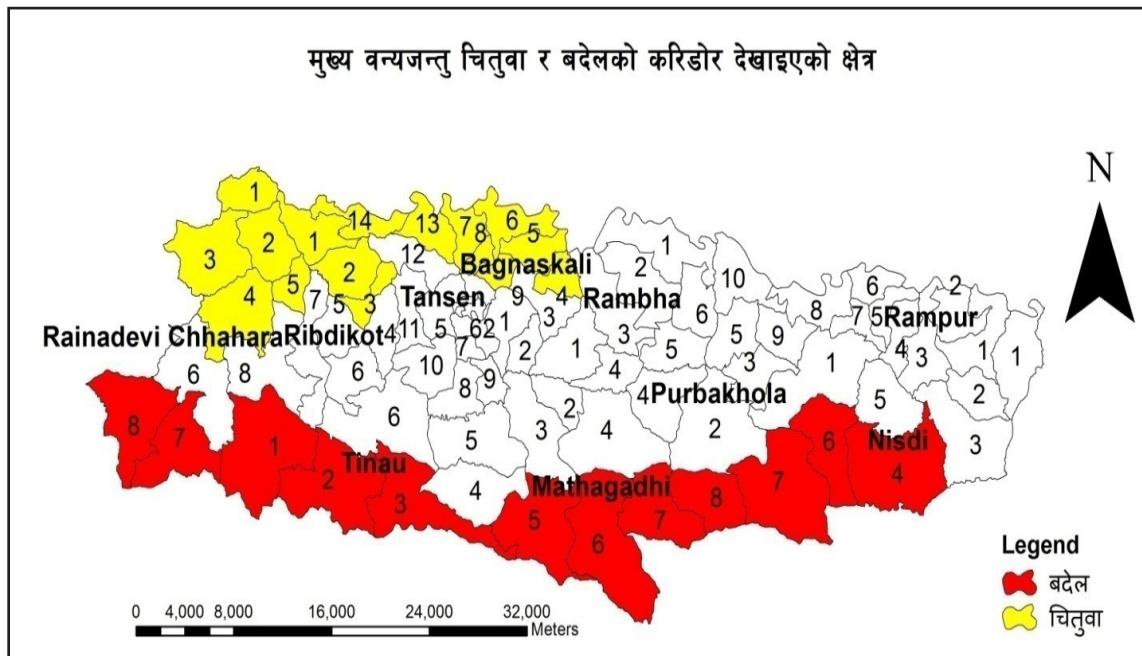
श्रोत: फिल्ड सर्भें, डि.व.का. पाल्पा

वानस्पतिक र वन्यजन्तुहरूको बिबिधता रहेको यस जिल्लामा मानव वन्यजन्तु द्वन्द्वका घटनाहरू पनि बिगत देखि नै हुँदै आईरहेका छन् । नियतवस भन्दा संयोगवस बढी यस जिल्लामा मानव वन्यजन्तु द्वन्द्वका घटनाहरू भएको पाईन्छ । देशभरि नै वनक्षेत्रको मात्रामा बृद्धि भईरहेको सन्दर्भमा यस जिल्लामा समेत सहभागितामूलक पद्धतिबाट वनक्षेत्रको संरक्षण भईरहेको र निजी तथा कृषि वनको मात्रा समेत बढीरहेकोले वन्यजन्तुको संख्या समेत बढेको छ । मानिसका निजी जग्गाहरूमा परम्परागत खेतीपाती गर्न छाडेका र मानिसहरू शहर उन्मुख भएकाले वन्यजन्तुहरूको वासस्थान समेत मानव वस्ती नजिक सर्दै जाँदा मानव र वन्यजन्तुको दुरी नजिकीँदै छ, फलस्वरूप मानव वन्यजन्तु द्वन्द्वका घटनाहरूमा समेत दिनानुदिन बृद्धि हुँदैछ । यस जिल्लामा विशेष गरी चितुवा, बाँदर र दुम्सीले मानव तथा अन्नबालीमा क्षति पुर्याईरहेका छन् ।

तालिका नं ३.१६ जिल्लामा क्षति पुन्याईरहेका वन्यजन्तुहरू

| सि.नं | स.डि.व.का. को नाम | मानवलाई आक्रमण गरिरहेका वन्यजन्तुहरू | | घरपालुवा जनावरलाई आक्रमण गरिरहेका वन्यजन्तुहरू | खेतीबालीमा क्षति पुन्याईरहेका वन्यजन्तुहरू |
|-------|-------------------|--------------------------------------|---------------|--|--|
| | | आक्रमण गरेको | त्रसित बनाएको | | |
| १. | तानसेन | चितुवा | चितुवा | चितुवा, स्याल | बाँदर, दुम्सी, खरायो, मृग, सुगा, लोखर्के, न्याउरी मुसा |
| २. | रिब्दीकोट | - | चितुवा | चितुवा, स्याल | बाँदर, दुम्सी, खरायो, मृग, सुगा, लोखर्के, न्याउरी मुसा |
| ३ | ताँहु | - | चितुवा | चितुवा, स्याल | बाँदर, दुम्सी, खरायो, मृग, सुगा |
| ४ | माथागाढी | - | चितुवा | चितुवा, स्याल | बाँदर, दुम्सी, खरायो, मृग, सुगा, बँदेल |
| ५ | रामपुर | - | चितुवा | चितुवा, स्याल | बाँदर, दुम्सी, खरायो, मृग, सुगा |
| ६ | निस्दी | - | चितुवा | चितुवा, स्याल | बाँदर, दुम्सी, खरायो, मृग, सुगा, बँदेल |
| ७ | तिनाउ | - | चितुवा, भालु | चितुवा, स्याल | बाँदर, दुम्सी, खरायो, मृग, सुगा, बँदेल |
| ८ | रैनादेवी छहरा | - | चितुवा, भालु | चितुवा, स्याल | बाँदर, दुम्सी, खरायो, मृग, सुगा, बँदेल |

श्रोत: मानव वन्यजन्तु झन्द्र स्याटस सर्भे, २०१८ डि.व.का. पाल्पा



नक्सा नं: ३.७ मुख्य वन्यजन्तु चितुवा र बदेलको करिडोर देखाइएको क्षेत्र

जिल्लामा सर्बत्र प्रभाव बाँदरको रहेको देखिन्छ भने क्रमशः चितुवा, मृग, बँदेल, दुम्सी र खरायोको प्रभाव रहेको छ । स्याल, सुगा र लोखर्को जस्ता वन्यजन्तु प्रजातीको जिल्लामा सबैतर्फ तर आशिक प्रभाव रहेको देखिन्छ । मानिसहरुको शहरोन्मुख बसाई, वनप्रतिको निर्भरतामा कमी, परम्परागत कृषि पेशामा ह्रास जस्ता कारणले कृषिवन र निजी वनको मात्रा बढ्नु, वन्यजन्तुहरु मानव वस्ती नजिक सर्नु र मानव वन्यजन्तुबिच दुरीको हिसावले सामिप्यता बढ्नुले मानव वन्यजन्तु छन्द्वको घटना बढ्दि हुँदै गईरहेको देखिन्छ । मानव वन्यजन्तु छन्द्व न्यूनिकरण गर्नेका लागि डिभिजन वन कार्यालयबाट विभिन्न प्रयासहरु भएका छन् जस्तैः वन्यजन्तुबाट हुने क्षतिको राहत सम्बन्धिनी निर्देशिका र सो मा रहेका व्यवस्थाहरुको बारेमा प्रचार प्रसार, सामुदायिक वन उपभोक्ता समूहहरु मार्फत सो सम्बन्धमा प्रचारप्रसार गर्नुको साथै जिल्लामा वि.सं. २०७१ साल देखि नँया बनेका परिमार्जन भएका वन कार्ययोजनाहरुमा समेत मानव वन्यजन्तु छन्द्व न्यूनीकरणका कार्यक्रम र उपायहरूलाई समावेश गर्न सुरुवात, आदि ।

वनमाथि पर्ने विभिन्न खालका चापले गर्दा यस जिल्लाको जैविक विविधता संरक्षण प्रभावित भएको देखिन्छ । वन्यजन्तु संरक्षणका लागि यस जिल्लामा वन ऐन र वन्य जन्तु संरक्षण ऐनले निषेध गरिएका कार्यहरु विभिन्न सामुदायिक वनहरुका कार्ययोजनामा नै स्पष्ट रूपमा उल्लेख गरि संरक्षण गर्ने प्रावधान राखी कार्यान्वयनमा ल्याइएको छ । डिभिजन वन कार्यालय, स.डि.व.का.हरुवाट वेलावेलामा गश्ती गरिन्छ । दोभान क्षेत्रमा तराइ भू परिधि कार्यक्रमको सहयोगमा वन्यजन्तु कोरीडोर स्थापना गर्न विभिन्न चेतनामुलक कार्यक्रमहरु, सामुदायिक वन सञ्जाल स्थापना गरि गश्ती गर्ने कार्यहरु सञ्चालन हुदै आएका छन्, उक्त क्षेत्रमा चोरी शिकारी नियन्त्रण इकाइ समेत गठन गरिएको छ । त्यस्तै मदन पोखरा क्षेत्रमा सामुदायिक वन उपभोक्ता समुहहरु र चरा संरक्षण कार्यक्रम संगको सह आयोजनामा गिद्ध संरक्षण कार्यक्रम सञ्चालन गरिदै आइएको छ । साइटिसमा सूचिकृत प्रजातीहरु निम्न तालिकामा दिइएको छ (तालिका नं. ३.१७)।

तालिका नं ३.१७ : संरक्षित तथा लोपोन्मुख प्रजातिहरु

| | क्र.सं. | नाम | नेपाल सरकार | CITES | IUCN Red List |
|---------------------------|---------|-------------------------|---|-------|---------------|
| काठ तथा गैरकाठ वन पैदावार | १ | साल | वन व्यवस्थापन योजनामा उल्लेखित ढलापडा रुखमा, स्वीकृत कार्ययोजना बमोजिम तथा प्राथमिकता प्राप्त आयोजनाबाट कटान हुने अवस्थामा वाहेक व्यापारिक प्रयोजनको लागि कटान, ओसारपसार र विदेश निकासीमा प्रतिवन्ध | - | - |
| | २ | सतिसाल | ” ” | - | Listed |
| | ३ | सर्पगन्धा | नियमानुसार स्वीकृति लिएर स्वेदशमा प्रशोधन गरेको अवस्थामा वाहेक विदेश निकासीमा प्रतिवन्ध | II | E |
| | ४ | सुगन्धकोकिला (मालागारी) | ” ” | - | - |
| | ५ | सुगन्धवाल | ” ” | - | - |
| | ६ | झ्याउ | ” ” | - | - |
| | ७ | सिउडी | - | II | - |
| | ८ | बनतरलु/भ्याकुर | - | II | E |
| | ९ | सुनगाभाहरु | - | II | E |
| | १० | चप | - | - | Listed |
| स्तनधारी | १ | चितुवा | संरक्षित | I | LR/Ic |
| | २ | लंगुर वाँदर (ढेडु) | - | I | LR/nt |
| | ३ | लोखर्के (दूलो) | - | II | - |
| | ४ | स्याल | - | III | - |
| | ५ | मलसाप्रो | - | III | LR/Ic |
| | ६ | न्याउरीमुसा | - | III | - |
| | ७ | चमेरो (दूलो) | - | II | - |
| | ८ | बन विरालो | - | II | LR/Ic |
| | ९ | रेसस वाँदर | - | II | LR/nt |
| | १० | फ्याउरो | - | III | DD |
| सर्पिस्तुप | ११ | चरी बाघ | - | I | - |
| | १ | अजिङ्गर | संरक्षित | I | LR/Ic |
| | २ | धामन सर्प | - | I | LR/nt |
| | ३ | सुन गोहोरा | - | II | - |
| उभयचर | १ | भ्यागुता (मेघा) | - | II | - |

पाल्पा जिल्ला प्रोफाईल

| क्र.सं. | नाम | नेपाल सरकार | CITES | IUCN Red List |
|---------|-------------------|-------------|-------|---------------|
| पंक्ति | १ डगर गिद्ध | - | II | |
| | २ सेतो गिद्ध | - | II | |
| | ३ सानो खैरो गिद्ध | - | III | |
| | ४ वज | - | I | |
| | ५ चिल | - | I | |
| | ६ लाटो कोसेरो | - | - | |

श्रोत: पञ्चवर्षीय योजना ०७०/७१-०७४/७५, डि.व.का. पाल्पा

नोट:

CITES

I- Endangered species

II- May become endangered unless trade is regulated

III- Species that are protected in at least one country

IUCN Red Data List

CE- Critically Endangered

E-Endangered

LR/nt- Lower Risk/near threatened

LR/lc- Lower Risk/least concern

DD- Data Deficit

३.१.५. वन पैदावार संकलन, सदुपयोग, वितरण तथा विक्रि

वन ऐन, वन नियमावली, वन पैदावार विक्रि वितरण निर्देशिका तथा वन तथा वातावरण मन्त्रालय र विभिन्न विभाग एवं महाशाखाहरूबाट पठाइएका निर्देशनहरूको अधिनमा रहि वन पैदावार संकलन तथा विक्रि वितरण गर्ने गरिएको छ । यस जिल्लाभित्र उपभोक्ता समूह अन्तर्गत खपत हुने वन पैदावारको हकमा स्वीकृत कार्ययोजना अनुसार नै वन पैदावार विक्रि वितरण हुने गरेको छ । डिभिजन वन कार्यालयको तथ्याङ्क अनुसार यस जिल्लाका सा.व.उ.स. भित्र काठको आन्तरिक खपत न्यून देखिएको छ । समूह भन्दा बाहिर वन पैदावार बिक्रिबितरण गर्दा स्वीकृत कार्ययोजनाको परिधिभित्र रही सामुदायिक वनको काठ, दाउरा संकलन तथा बिक्रिबितरण निर्देशिका, २०७१ को प्रकृया अपनाई विक्रि वितरण हुने गरेको छ । यस सन्दर्भमा डिभिजन वन कार्यालय, पाल्पाबाट काठ, दाउरा संकलन तथा समूह बाहिर बिक्रि बितरण गर्ने कार्यमा प्राविधिक र प्रक्रियागत सहजीकरण गर्ने गरिन्छ विगत पाँच वर्ष देखि यस जिल्लाका सामुदायिक वनहरूबाट उत्पादन भई समूह बाहिर विक्रि भएका काठ, दाउराको विवरण तालिका नं ३.१८ मा दिइएको छ ।

तालिका ३.९८ विगत पाँच वर्ष देखि सामुदायिक वनबाट उत्पादन भई समूह बाहिर विक्रि भएको काठ दाउराको विवरण

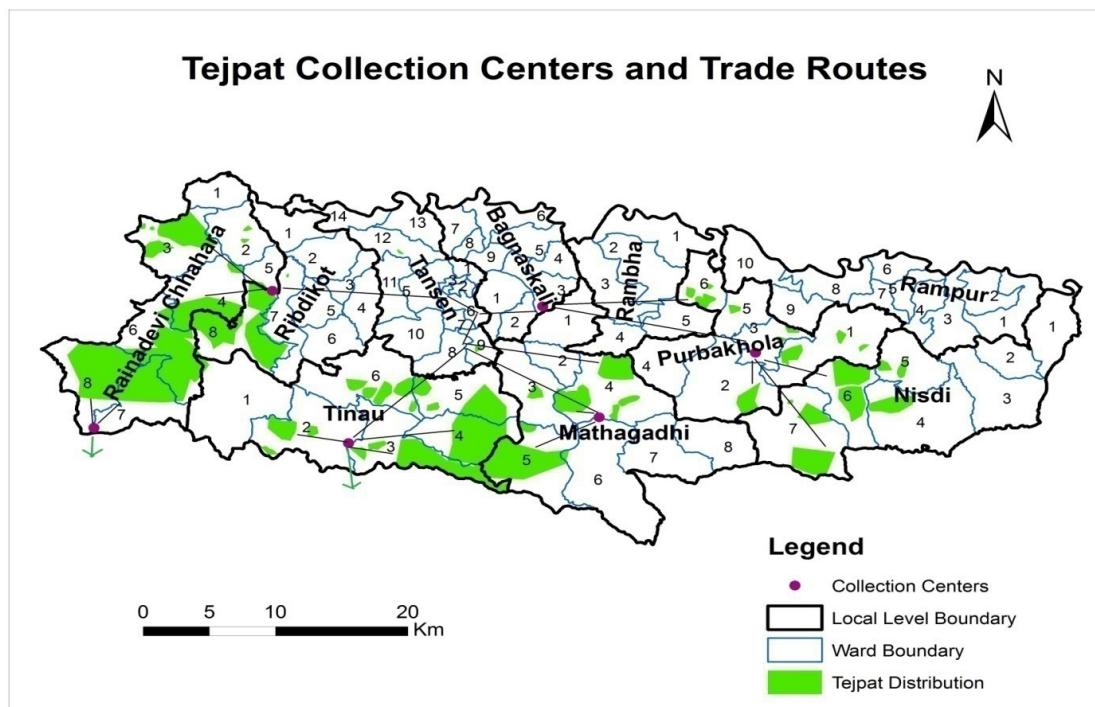
| आ.व. | काठ (क्यू.फि.) | दाउरा (चटा) | समूहमा जम्मा (रु.) | वन पैदावार (रु.) | मू.आ.कर(रु.) | आयकर(रु.) |
|--------|----------------|-------------|--------------------|------------------|--------------|-----------|
| ०७०/७१ | ६६,९२५.०२ | ९६.९० | ६,१२,७९,९३४ | ९१,७०,९१७ | ८८,८९,९७४ | ५,९२,३९० |
| ०७१/७२ | १४,६५४.३५ | ३९ | १,१६,७५,९४८ | ३,८३,६७० | ६,७९,३५४ | ४९,०४६.८ |
| ०७२/७३ | २०,२७८.८२ | १८.६२ | १,५६,०४,६६७ | १६,००,३३४ | २१,०२,९३५ | २,९०,८०८ |
| ०७३/७४ | २९,८७९.०२ | १७.८८ | ८३,५८,६८१ | ४१,९६,९५२ | १२,०९,९१४ | १,२०,०४७ |
| ०७४/७५ | ८५,५६५.६१ | ५८.०५ | ८,८९,३६,८१८ | १,०५,९९,६१९ | १,१७,०४,१८८ | ११,९४,१३८ |

श्रोत: डि.व.का. पाल्पा

साल काठको हकमा समूह भन्दा बाहिर बिक्रि वितरण गर्दा जिल्ला वन पैदावार आपूर्ति समितिको लागि २५ प्रतिशत छुट्ट्याउने गरिएता पनि यस जिल्लामा जिल्ला वन पैदावार आपूर्ति समिति प्रभावकारी रूपमा कार्यान्वयन हुन सकेको छैन । सामुदायिक वनको काठ दाउरा संकलनबाट वार्षिक सरदर ३०,००० श्रमदिन बराबरको रोजगारी सिर्जना हुन्छ ।

यस जिल्लामा रहेका सल्लाका वनहरूबाट खोटो संकलनको कार्य विगत १८ वर्ष देखि हुदै आएको छ । खोटो संकलन निर्देशिका, २०६४, वातावरण ऐन २०५३, वातावरण नियमावली २०५४ लगायतका निर्ति, नियम, कानूनका अधिनमा रही खोटो संकलन सहमति र विक्रि गर्न दिने व्यवस्था गरिएको छ । आ.व. ०७५७६ मा यस जिल्लाका सा.व.उ.स. हरूबाट १,०८००० के.जी खोटो संकलन भई निकासी भएको छ भने खोटो संकलन कार्यबाट सरदर ७,००० श्रमदिन बराबरको रोजगारी सिर्जना भएको अनुमान छ ।

त्यस्तै यस जिल्लाबाट जडिबुटी/गैङ्गकाष्ठ को हकमा प्राय जसो निजी जग्गाबाट संकलन भई तेजपात, दालचिनी निकासी हुने गर्दछ । डिभिजन वन कार्यालय, पाल्पाको रिपोर्ट अनुसार प्रायजसो तेजपात रैनादेवी छहरा र रिब्दीकोट गा.पा.को सिमाना, माथागढी गा.पा., बगनाशकाली गा.पा., पूर्वखोला गा.पा मा संकलन हुने गरेको छ



नक्सा नं ३.८ तेजपात संकलन केन्द्र तथा ट्रेड रुट

आ.व. ०७६७६ मा यस जिल्लाका निजी क्षेत्रहरूबाट करिब ७,००,००० केजी तेजपात तथा २,००,००० केजी दालचिनी संकलन भई निकासी भएको छ भने करिब ४०,००० श्रमदिन बराबरको रोजगारी सिर्जना भएको छ । वन पैदावार संकलन तथा विक्रि वितरणबाट स्थानीयलाई रोजगारको अवसर सिर्जना हुनुको साथै राज्यलाई राजश्व, मू.अ.क.र तथा आयकर प्राप्त भई देशको अर्थतन्त्रमा पनि टेवा पुग्ने गर्छ ।

३.२. पर्यटन तथा उद्योग

भैगोलिक तथा सांस्कृतिक विविधताको साथै आकर्षक पर्यापरणको कारण यो जिल्ला स्वदेशी तथा विदेशी पर्यटकहरूको लागि आकर्षणको केन्द्र बन्न पुगेको छ । यस जिल्लामा रहेकापर्यटकीय दृष्टिकोणले महत्वपूर्ण स्थलहरू मध्ये केहि निम्न बमोजिम रहेका छन् :

३.२.१. ऐतिहासिक धरोहर तथा पर्यटकीय आकर्षण

तानसेन दरवार :

तानसेन नगरपालिकामा अवस्थित यो दरवार वि.सं. १९६९ मा पश्चिम कमाण्डर जनरल प्रतापशमशेरले प्रशासकीय कार्य संचालन गर्न र निजी प्रयोजनका लागि वेलायती शैलीमावनाएको होयो दरवार छ करिब ८ रोपनी क्षेत्रफलमाफैलिएको छ । त्यसपश्चात शान्तिकालको आगमन सँगै यस दरबारलाई पुरानै शैलीमा पुनः निर्माण गरी हाल ऐतिहासिक दरोहरको रूपमा खडा गरिएको छ । यस दरबारमा ४ तला, बैठककक्ष सहित ६४ कोठा र २ बुर्जा समेत छन् ।



चित्र नं. ३.४ तानसेन दरवार



चित्र नं. ३.५ रानीमहल दरवार

रानीघाट दरवार :

सन् १८९३ मा पश्चिम कमाण्डर जनरल खड्गशमशेरले आफ्नी प्यारी रानी तेजकुमारीको सम्भनामा निर्माण गरेको दरवारलाई रानीघाट दरवार भनिन्छ । सो दरवारको एकातर्फको बुर्जाको जग काली गण्डकी नदीमा नै रहेको छ । भित्रै पोखरी, मन्दिर, वगैराचा आदि रहेको उक्त चारतले दरवार हाल बौघागुम्बामा पर्दछ ।

तानसेन मूलढोका र खड्ग स्तरम् :

तानसेन दरवार क्षेत्रबाट उत्तरर्फ शितलपाटीमा अवस्थित काठैकाठले वनेको यो मूलढोकालाई नेपालको सबभन्दा ठूलो मूलढोका (वर्णीढोका) को रूपमा लिइन्छ । वि.स. १९५० तिर पाल्पा गौडाका तैनाथवाला खड्गशमशेरले दरवार र मूलढोका निर्माण गरी मूलढोका नजिक यो स्तम्भ बनाएका थिए । सो स्तम्भलाई कसैकसैले विजय स्तम्भ पनि भन्ने गरेको पाइन्छ ।

मैरव मन्दिर :

भैरवस्थान अन्तर्गत पर्ने आकर्षक पहाडको दुप्पोमा अवस्थित विश्वकै सबभन्दा ठूलो त्रिशुल रहेको उक्त मन्दिर क्षेत्रबाट प्रशस्त हिम शिखरहरुको दृश्यावलोकन गर्न सकिन्छ ।



चित्र नं ३.६: भैरव स्थान मन्दिर



चित्र नं ३.७: श्रीनगर डाँडा

श्रीनगरडाँडा :

तानसेन वजारको मुकुटकै रूपमा रहेको खोटेसल्लाको हराभरा वृक्षरोपण वन र प्रशस्त हिमशिखरहरुको दृश्यावलोकन गर्न सकिने सो डाँडा अत्यन्त रमणीय डाँडाको रूपमा प्रख्यात छ । यस श्रीनगर डाँडामा आ.व ०७५७६ मा डिभिजन वन कार्यालयबाट खुल्ला नाट्य घर बनाउन सम्भौता भई कामको थालनी भईसकेको छ ।

सत्यवती ताल :

तिनाउ गा.पा स्थित कोलडाँडाको सुन्दर जंगलको वीचमा पहाडको टाकुरोमा अवस्थित सत्यवती तालमा प्रत्येक वर्ष कार्तिक पूर्णिमाको दिन ठूलो मेला लाग्छ । सत्यवती माई कानले सुन सकिदनन् भन्ने जनविश्वास भएकोले भक्तजनहरूले ठूलो स्वरमा चिच्याएर तालको वरिपरि घुमी वर माने चलन छ ।



चित्र नं ३.८ सत्यवती ताल



नक्सा नं ३.९ सत्यवती ताल

रिट्टीकोट :

रिट्टीकोट गाँउपालिकाको कुसुमखोला, ठिमुरे र पालुडमैनादी भन्ने स्थानमा अवस्थित, समुद्र सतहबाट १८९३ मिटर उचाइको रिट्टीकोटबाट धौलागिरी, अन्नपूर्ण, माघापुछ्ये, लमजुङ हिमाल लगायतका हिमशिखरहरूको मनोरम दृष्य स्पष्ट देखिन्छन् । यो क्षेत्रहराभरा बनजंगल समेतले ढाकेको छ । साथै उक्त ठाउंबाट रुपन्देही, नवलपरासी, कपिलवस्तु, र भारतको उत्तर प्रदेशका केही भू-भागहरु पनि देख्न सकिन्छ ।

३.२.२. प्रसिद्ध गढीहरु तथा प्रसिद्ध गुफाहरु

पाल्पा जिल्लामा विभिन्न ठाँउहरुमा प्रसिद्ध गढीहरु रहेका छन् । रिट्टीकोट गा.पा. को पालुडमैनादी स्थित पुरानो काली मन्दिर भएको कालिका गढी । त्यस्तै माथागढी गा.पा.को गोठादी स्थित माथागढी अंग्रेजहरु विरुद्ध लड्न उजिर सिंह थापाले प्रयोग गरेको विषेश ठाउँ हो जाँहा ठूलो काँडावाला तमौरामा धनुकाँडा, पुरानो तरबार जस्ता युद्ध सामाग्री समेत देख्न पाइन्छ । ऐतिहासिक पृष्ठभूमि बोकेको रम्भा गा.पा.को ताँहु स्थित वाकुमगढीमा गोर्खाली फौज र पाल्पाली फौजको रणसंग्राम भएको थियो । त्यस्तै तानसेन भन्दा करिब १२ कोष टाढा दक्षिण पश्चिममा रैनादेवी छहरा गाउँपालिका (साविक बल्डेङ्गढी गा.वि.स.) मा रहेको बल्डेङ्गढी वलदेव राजाको नाम उल्लेख गरिएको एउटा ताम्रपत्रका आधारमा वलदेवको गढीबाट बल्डेङ्गढी नामाकरण भएको विश्वास गरिन्छ । उक्त गढीमा किल्ला, इनार, हातहरितियार राख्ने गोप्य ठाउँ, टुडिखेल र सैनिक अभ्यास क्षेत्रहरु छन् ।

यस जिल्लामा सिद्धपानी गुफा (वौधागुम्हा), हात्तीलेक गुफा (सिलुवा, रिडनेरह), जुरेगुफा (सहलकोट), सिद्धगुफा/सुनगुफा (राम्दी), वाल सिद्धगुफा (हेक्लाङ) आदि धेरै गुफाहरु छन् ।

३.२.३. व्यापारिक महत्वका स्थानहरु

तानसेन, रामपुर, आर्यभन्ज्याङ, हार्थोक, डुमे, दमकडा, अर्गली, हुमिन, भुवनपोखरी, ताहुँ, बतासे, वेलडाँडा, छहरा अमलावास, भडेवा, खहरे, सराइ, राम्दी, दोभान, भुम्सा, विरकोट, देवीनगर, भलायटार, हुंगी, आदि ।

३.३. वन पैदावारमा आधारित उद्योग

जिल्लामा घरेलु तथा साना उद्योग कार्यालयमा दर्ता भै संचालनमा रहेका जम्मा १४८ वटा वनमा आधारित उद्योगहरु रहेको देखिन्छ । यस जिल्लामा हालसम्म स्थापित भएका वन पैदावारमा आधारित उद्यमहरूको विवरण निम्न बमोजिम छः

तालिका नं. जिल्लामा भएका वन पैदावारमा आधारित उद्यमहरूको विवरण

| क्र.सं | उद्योगहरु | संख्या | कैफियत |
|--------|-----------------|--------|--|
| १ | सःमिल | १३ | |
| २ | भेनियर उद्योग | | |
| ३ | फर्निचर उद्योग | १३३ | |
| ४ | खोटो उद्योग | १ | माउण्ट भारेष्ट रोजिन एण्ड टर्फन्टाइन इण्डस्ट्रिज उद्योगले हाल यस जिल्लामा खोटो संकलन कार्य गरि रहेको |
| ५ | जडिबुटी प्रशोधन | १ | हाल संचालनमा नरहेको |
| जम्मा | | १४८ | |

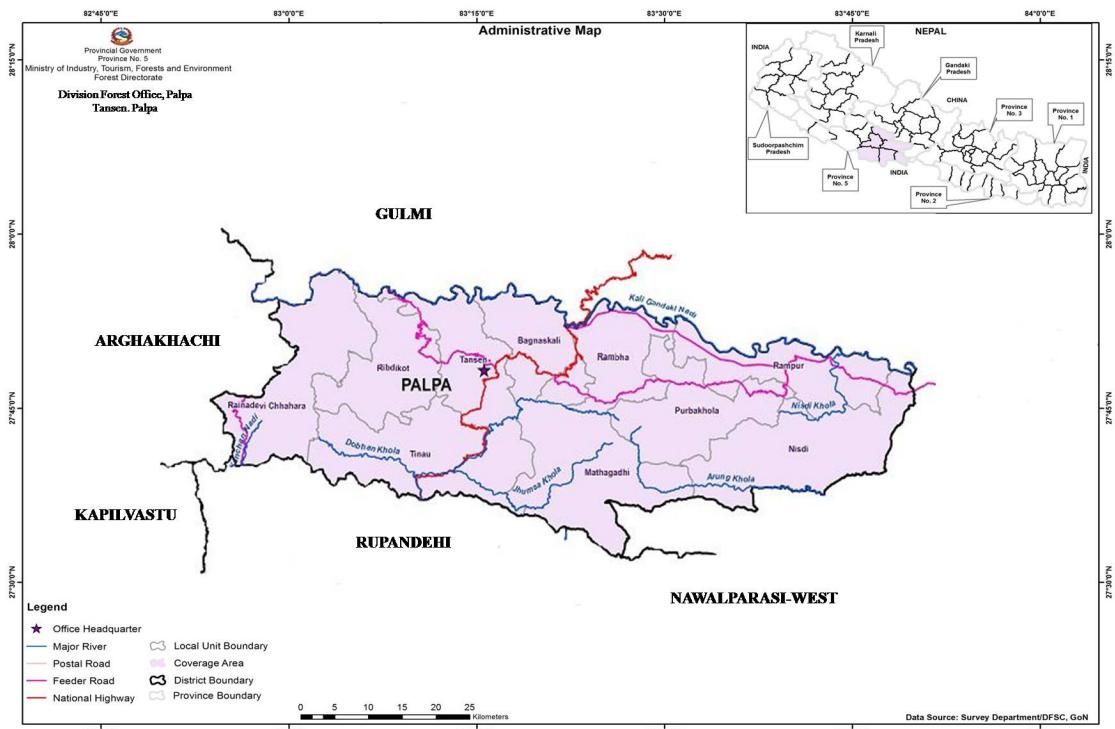
स्रोत: जिल्लामा घरेलु तथा साना उद्योग कार्यालय, पाल्पा

खण्ड ४: डिभिजन वन कार्यालय, पाल्पा: एक चिनारी

४.१. संक्षिप्त परिचय

वि.स. २०४० सालमा जिल्ला वन कार्यालय, पाल्पाको स्थापना हुनु पूर्व तत्कालीन लुम्बिनी वन डिभिजन कार्यालय, भैरहवा अन्तर्गतको होलाइदीमा रहेको पाल्पा रेज्ज कार्यालयवाट र सो अन्तर्गतका वीटहरुवाट यस जिल्लाको वन सम्बन्धी क्रियाकलापहरु संचालन गरिन्थ्यो । वि.सं. २०४० सालमा वनको संगठनलाई विकेन्द्रीकरणको सिद्धान्त अनुसार संचालन गर्न सघाउ पुऱ्याउन वन डिभिजन कार्यालय खारेज गरी ७५ वटै जिल्लामा जिल्ला वन कार्यालयको स्थापना गर्ने सिलसिलामा यस जिल्लामा पनि २०४० सालमै यस जिल्ला वन कार्यालयको स्थापना भयो । जिल्लालाई ३ गोटा इलाका वन कार्यालय (देउराली, तानसेन, र रामपुर) मा विभाजन गरी प्रत्येक इलाका अन्तर्गत ४ वटा इकाई वन कार्यालय स्थापित भए । त्यसैगरी २०५० सालमा भएको नयां संगठनात्मक परिवर्तन बमोजिम साविकका ३ वटा इलाका वन कार्यालय र इकाई वन कार्यालयहरु खारेज गरी एउटा इलाका वन कार्यालय र ८ गोटा रेज्जपोष्टहरु कायम गरिए । २०७० को वन संगठन अनुसार यस जिल्ला अन्तर्गत १ वटा सेक्टर वन कार्यालय र ८ वटा इलाका वन कार्यालय कायम गरियो ।

देशमा संघीयता लागु भए पश्चात २०७५साल साउन महिना देखी जिल्ला वन कार्यालय खारेज गरी ७७ वटै जिल्लामा ८४ वटा डिभिजन वन कार्यालयको स्थापना गरियो र यसै सिलसिलामा यस जिल्लामा पनि जिल्ला वन कार्यालय खारेज भई डिभिजन वन कार्यालयको स्थापना भयो । हाल डिभिजन वन कार्यालय अन्तर्गत ८ वटा सब डिभिजन वन कार्यालयहरु कायम गरिएका छन् ।

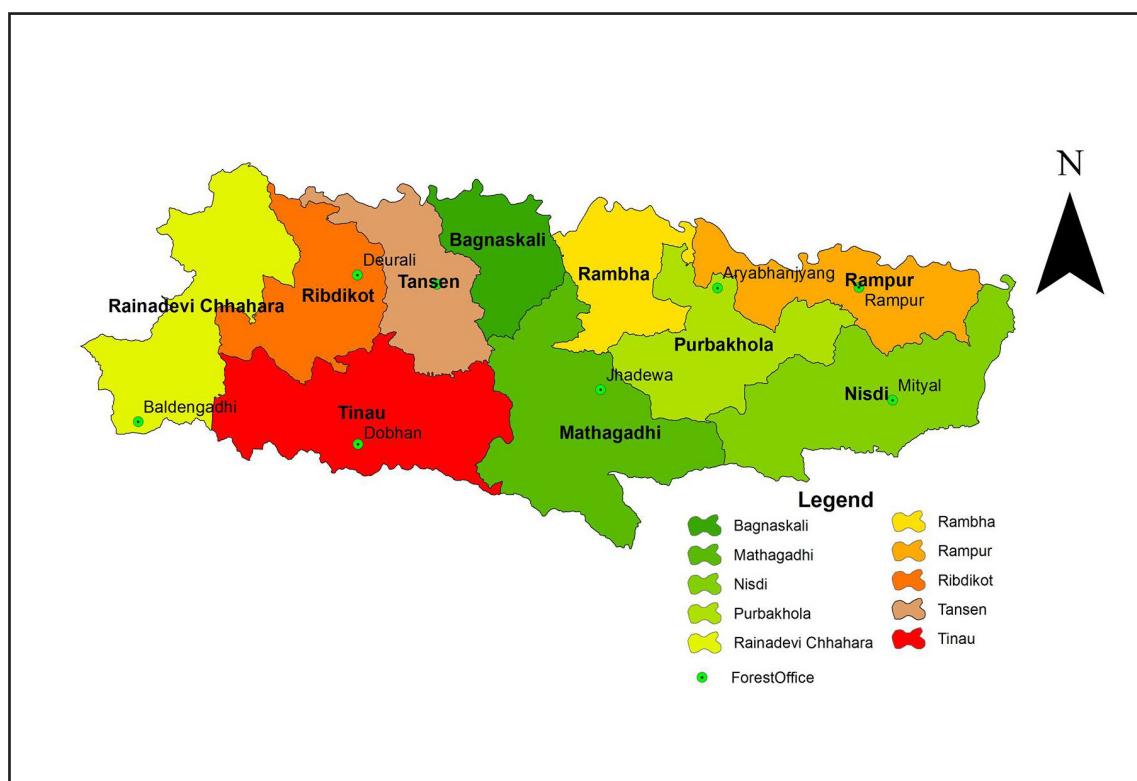


नक्सा नं ४.१ डिभिजन वन कार्यालय, पाल्पाको कार्यालयेत्र

तालिका न ४.१ सब डिभिजन वन कार्यालयहरूको कार्यक्षेत्र

| क्र.सं. | सब डिभिजन वन कार्यालयहरू | मुकाम | कार्यालयहरू |
|---------|--------------------------|------------|---|
| १ | रामपुर स.डि.व.का | रामपुर | रामपुर नगरपालिका |
| २ | तानसेन स.डि.व.का | तानसेन | तानसेन नगरपालिका, बगनासकाली गाउँपालिका |
| ३ | निस्दीस.डि.व.का | मित्याल | निस्दी गाउँपालिका |
| ४ | रम्भा स.डि.व.का | ताँहु | रम्भा गाउँपालिका, पूर्वखोला गाउँपालिका |
| ५ | माथागढी स.डि.व.का | झडेवा | माथागढी गाउँपालिका |
| ६ | तिनाउ स.डि.व.का | दोभान | तिनाउ गाउँपालिका |
| ७ | रिब्दिकोट स.डि.व.का | हार्थोक | रिब्दिकोट गाउँपालिका, रैनादेवी छहरा (१-५) |
| ८ | रैनादेवी छहरा स.डि.व.का | बल्डेङ्गढी | रैनादेवी छहरा गाउँपालिका (६, ७, ८) |

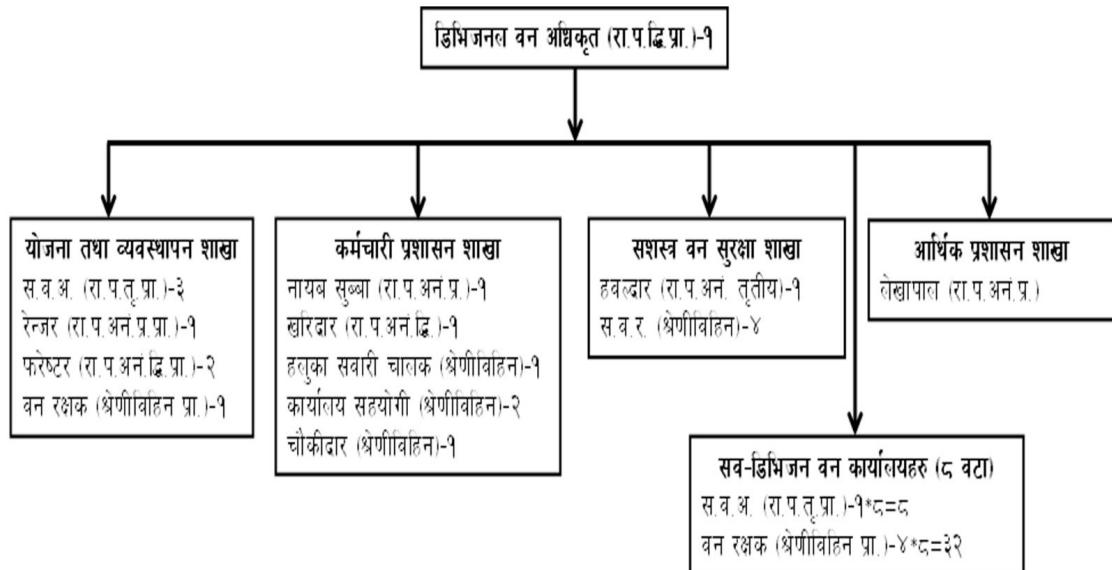
श्रोत: डि.व.का. पाल्पा



नक्सा नं ४.२ डिभिजन वन कार्यालय, पाल्पा अन्तर्गतका सब डिभिजन वन कार्यालयहरूको कार्यक्षेत्र तथा कार्यालयको नक्सा

8.2. सांगठनिक संरचना तथा कर्मचारी दरबन्धी

यस डिभिजन वन कार्यालय, पाल्पा जम्मा कर्मचारी दरबन्धी ६० जनाको छ | यस कार्यालयको संगठनात्मक स्वरूप तथा कर्मचारी दरबन्धी निम्न अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।



चित्र नं ४.१ कार्यालयको सांगठनिक संरचना

8.3. भौतिक पूर्वाधारहरू

डिभिजन वन कार्यालय, पाल्पा तथा यस अन्तर्गतका कार्यालयहरूमा रहेका भवन तथा सवारी साधनहरूको विवरण निम्न बमोजिमको तालिकामा छ (तालिका ४.२ र तालिका ४.३) :

तालिका ४.२ निर्मित भवनको संख्या र अवस्था

| क्र.सं. | विवरण | परिमाण | माल सामानको अवस्था | कैफियत |
|---------|---|--------|--|--------|
| १ | पुरानो र हालकाकार्यालय भवन, आवास भवन र स.डि.व.का. समेत | १० | - | - |
| १.१ | पुरानो भवन तथा आवास भवनहरू | | | |
| क | पुरानो जि.व.का. भवन, ता.न.पा.-१२, होलाडाँडी, पाल्पा | १ | ठिकै | हलभएको |
| ख | स.व.अ. निवास ता.न.पा. १२, पाल्पा (टिनको छाना माटोले जडान भएको गाहो बाला पुरानो भवन) | १ | भुकम्पले क्षती पुर्याएकोले बस्न नमिल्ने भएको । | |
| ग | कर्मचारी निवास ता.न.पा. १२, पाल्पा । | १ | भुकम्पले चर्किएको | |

पाल्पा जिल्ला प्रोफाईल

| | | | | |
|-----|--|---|-------------------|--|
| घ | मोटर म्यारेज ता.न.पा. १२, पाल्पा । | १ | सामान्य | टिनको छाना समेत मर्मत गर्नु पर्ने । |
| ड | तानसेन स.डि.व.का. भवनता.न.पा. १२ (नर्सरी स्टोर) | १ | भुकम्पले चर्किएको | मर्मत गर्नुपर्ने साथै तथा वरीपरि तारबार समेत गर्नु पर्ने । |
| च | रामपुर स.डि. व.का. भवन,रामपुर पाल्पा | १ | ठिकै | - |
| छ | साविकदेउराली इ.व.का. भवन देउराली पाल्पा । | १ | - | भग्नावशेषमात्रभएकोले लगत कट्टा गर्नु पर्ने । |
| ज | तत्कालीनई.व.का. भवन वाँसटारी, पाल्पा । | १ | जिर्ण | बस्न लायक नभएको । |
| झ | हालको कार्यालय भवन,ता.न.पा. ४, वारुदखान, पाल्पा । | १ | ठिकै | संचालनमा रहेको मर्मत गर्नु पर्ने । |
| ञ | तत्कालिन डि.व.अ. निवास ता.न.पा. ४, वारुदखान, पाल्पा । | १ | ठिकै | मर्मत गर्नु पर्ने । |
| १.२ | नयाँ भवन | १ | | |
| क | नयाँ भवन होलाङ्गदी, पाल्पा । -डि.व.अ. क्वाटर तथा अन्य कर्मचारीहरु समेतको आवास रहेका) | १ | राम्रो | |
| छ | माथागढीसब डिभिजन वनकार्यालय, झडेवा, पाल्पा । | १ | राम्रो | |

श्रोत: डि.व.का. पाल्पा

तालिका ४.३सवारी साधनको संख्या र अवस्था

| | विवरण | संख्या | अवस्था | कैफियत |
|---|------------------------------------|--------|----------------|-------------------|
| १ | मोटर ल्याण्डक्रुजर जीप बा.१.भ.३९३५ | १ | २५ वर्ष पुरानो | मर्मत गर्नु पर्ने |
| २ | टोयटा हाइलक्स पिकअप बा २ भ २२०९ | १ | राम्रो | |
| ३ | टाटा पिकअप बा १ भ ८९१६ | १ | सामन्य | मर्मत गर्नुपर्ने |
| ४ | मोटर साइकल VR | १ | सामन्य | मर्मत गर्नु पर्ने |
| ५ | मोटरसाइकल डिस्कभर बा २ ब ४६१३ | १ | राम्रो | |
| ६ | मोटरसाइकल डिस्कभर लु १ ब ७३६ | १ | राम्रो | |
| ७ | मोटरसाइकल डिस्कभर बा २ ब ६८१६ | १ | राम्रो | |
| ८ | मोटरसाइकल Gladiator af २ ब २४३९ | १ | ठिकै | मर्मत गर्नु पर्ने |

श्रोत: डि.व.का. पाल्पा

8.8. नर्सरी तथा विरुवा उत्पादन

पाल्पा जिल्लामा विभिन्न स्तरका सरकारी तथा निजी नर्सरीहरु रहेका छन् । डिभिजन वन कार्यालय, पाल्पा अन्तर्गत तिनाउ, माथागढी, निस्दी, रामपुर तथा होलाडी स्थित नर्सरीहरु रहेका छन् । यी नर्सरीहरुमा डिभिजन वन कार्यालय, पाल्पाको स्वीकृत बजेटको परिधि भित्र रही विरुवा उत्पादनको काम हुने गरेको छ । आ.व. ०७५०/७६ मा यस कार्यालयका पाँच वटा नर्सरीहरुबाट विभिन्न जातका करिब ३,००,००० विरुवा उत्पादन भएको तथ्याङ्कले देखाएको छ । सो विरुवाहरु जनताको माग अनुसार निति नियममा रही जनतालाई यस कार्यालयले निःशुल्क वितरण गर्दछ । प्रजाति अनुसारको विरुवा उत्पादनको तथ्याङ्क तालिका ४.४ मा दिइएको छ ।

यस जिल्लामा केही निजी नर्सरीहरु पनि रहेका छन् । फिल्ड डाटा अनुसार रिब्डीकोट ३ स्थित एक निजी नर्सरीमा बोधिचित्त, कागती, अगरउड, श्रीखण्ड लगायतका विरुवा उत्पादन गरी विक्रि वितरण गरेको पाइन्छ ।

तालिका नं ४.४ प्रजाति अनुसारको विरुवा उत्पादन

| क्र.स. | प्रजाती | विरुवा संख्या |
|--------|----------------|---------------|
| १ | तेजपात | १९६६१४ |
| २ | खयर | ३०३७४ |
| ३ | सिसौं | २४९६० |
| ४ | राइखनियो | १५७०० |
| ५ | त्रिमला | ७३२८ |
| ६ | सेतो सिरिष | ७१७० |
| ७ | गोल्डमोहर | ६८५५ |
| ८ | मसला | ५४१४ |
| ९ | सुन्तला | ५००० |
| १० | कागती | ५००० |
| ११ | कपुर | ४५७४ |
| १२ | लप्सी | ४४५४ |
| १३ | बाँस | ४२०० |
| १४ | केसिया सेमिया | ३००० |
| १५ | बकाइनो | २५०० |
| १६ | एकोसिया अरिकुल | १५०० |
| १७ | चिउरी | १२५२ |
| १८ | बैस | ८४० |
| १९ | टिक | ८१६ |
| २० | कटहर | ७५० |
| २१ | कपासे फुल | ६३५ |
| २२ | कचनार फुल | ६०० |

पाल्पा जिल्ला प्रोफाईल

| | | |
|----|-------------|--------|
| २३ | बारमासे फुल | ५२५ |
| २४ | लालुपाते | ५०० |
| २५ | लहरे पिपल | ४५० |
| २६ | सिमल | ३५६ |
| २७ | धुपी | २५० |
| २८ | गुलाब | १४५ |
| २९ | असारे फुल | १०० |
| ३० | पाकुरी | ५० |
| ३१ | कल्की फुल | ५० |
| ३२ | बेगमकली | ४१ |
| ३३ | रक्तचन्दन | ४० |
| ३४ | बेल | २५ |
| | जम्मा | ३३२०६८ |

श्रोत: डि.व.का. पाल्पा

त्यस्तै तानसेन नगरपालिका७, प्रभाष स्थित गुप्ता नर्सरीले गुलाब, लालुपाते, गोल्डमोहर लगायतका विभिन्न प्रजातिका फूलहरुको विरुद्ध उत्पादन गरी विक्रि वितरण गर्दछ ।

४.५ अन्य प्रयोजनको लागि उपलब्ध गराइएको वनको क्षेत्र

सरकारले निर्दिष्ट गरेको ऐन, निति, नियमहरुको परिधि भित्र रही यस जिल्लामा वन क्षेत्रको जग्गा विभिन्न प्रयोजनको लागि प्रयोग गरिएको छ ।

तालिका ४.५. पाल्पा जिल्लामा अन्य प्रयोजनको लागि उपलब्ध गराइएको वनको क्षेत्र (आ.व. २०७५/०७६ सर्तम)

| क्र.सं. | विवरण | संचालित स्थान | भोगाधिकार जग्गाको क्षेत्रफल (हेक्टर) | सम्भौता मिति | भोगाधिकार समयावधि |
|---------|---|----------------------------------|--------------------------------------|--------------|-------------------|
| १ | कन्चन क्वेरिज प्रा.लि., तिनाउ-३, पाल्पा | तिनाउ-३ (साविकदोभान-४) | ४.४ | २०६९।८।२६ | २० वर्ष |
| २ | सिद्धार्थ मिनरल्स प्रा.लि, कमलादी, काठमाण्डौ | तिनाउ-३ (साविकदोभान-४) | ५ | २०६९।५।२५ | २५ वर्ष |
| ३ | डोलोमाइट चुनुदुङ्गा प्रा.लि., तिनाउ-३, पाल्पा | तिनाउ-५ (साविकमस्याम-४) | ५ | २०६६।६।१९ | २० वर्ष |
| ४ | सर्वोत्तम सिमेन्ट प्रा.लि., तिनकुने, काठमाण्डौ | तिनाउ-१ (साविककचल-२) | ४.८९६ | २०७१।८।७ | २७वर्ष |
| ५ | गौतम हाइड्रोपावर, तिनाउ-२, पाल्पा | तिनाउ-३, २ (साविक दोभान-४, ६) | १.६१७ | २०६६।३।२८ | ४० वर्ष |

| | | | | | |
|----|--|--|---|------------|---------|
| ६ | बृद्ध साहरा आश्रम, ता.न.पा.-३, पाल्पा | ता.न.पा.-१० | ०.३० हेक्टर | २०७०।१।१८ | |
| ७ | सत्यवती चुनुदुङ्गा प्रा.लि., तिनाउ-५, पाल्पा | तिनाउ-५ (साविक कोल डाँडा-९) | ४.९६ | २०७४।१।१३ | १५ वर्ष |
| ८ | पाल्पा, चुनुदुङ्गा प्रा.लि., काठमाण्डौ | साविकगोठादी-९ | ४.७५ | २०७४।८।११ | १० वर्ष |
| ९ | अल्फा कन्स्ट्रक्शन एण्ड डेभलपर्स प्रा.लि., कोटेश्वर, काठमाण्डौ | तिनाउ-२ (साविक दोभान-९) | ४.९९ | २०७४।१०।२६ | १५ वर्ष |
| १० | होडसी शिवम् सिमेन्ट प्रा.लि.काठमाण्डौ. | निस्दी -७ (साविक ज्यामिरे गा.वि.स.) | १५१.४२ हेक्टर (चुनुदुङ्गा उत्खननको लागि ६६.१८ हेक्टर र बेल्ट कन्भेयरको लागि ८५.२४ हेक्टर) (उत्खननको लागि पहिलो पाँच वर्षमा २०.१९ हेक्टर) | २०७५।०८।१२ | २९ वर्ष |

श्रोत: डि.व.का. पाल्पा

८.६. आ.व.०७५।७६ मा यस कार्यालयले गरेका मुख्यमुख्य क्रियाकलापहरु :

तालिका ८.६ प्रदेश सरकार तर्फका कार्यक्रमहरु

| क्र.स. | कार्यक्रम | परिमाण | स्थान |
|--------|---|---------|---|
| १ | एक गाउँ एक पोखरी निर्माण अभियान संचालन | १० वटा | रामपुर, फोक्सिङ्कोट, ताहुँ, बौद्धागुम्हा, बल्डेङ्गढी, मस्याम, यम्द्या, गोठादी, रिब्दीकोट, सहलकोट, हेक्लाड |
| २ | ताल तलैया तथा सिमसार क्षेत्रहरूको संरक्षण | २ वटा | बग्नाशकाली-८ माई पोखरी र तिनाउमा सत्यवती ताल |
| ३ | पकेट क्षेत्रमा जडीबुटीका बिरुवा उत्पादन | ७५ हजार | तानसेन केन्द्रिय नर्सरी |
| ४ | शहरी बन प्रवर्धन तथा नगर बन उद्यान निर्माण कार्यक्रम | १ वटा | तानसेन न.पा -१ |
| ५ | सामुदायिक बनमा पर्याप्त विकास सहयोग कार्यक्रम | २ वटा | श्रीनगर गणेश सा.व. तानसेन ३ र राम्चे सा.व., रामपुर |
| ६ | प्रदेश स्तरीय उच्च प्रबिधि युक्त बहुबर्षीय नर्सरी स्थापना तथा संचालन | १ वटा | तिनाउ गा.पा.अन्तर्गत, दोभान |

पाल्पा जिल्ला प्रोफाईल

| | | | |
|----|---|-------------------|---|
| ७ | राजा मणिमुकुदसेन र कर्णेल उजिर सिंहको पूर्ण कदको मूर्ति सहित बगैचा तिनाउ पाल्पा | १ प्याकेज | तिनाउ २, नुवाकोट |
| ८ | रानीमहलमा इको पार्क निर्माण | १ प्याकेज | तानसेन न.पा. १३, रानीमहल |
| ९ | लक्ष्मीनारायण मन्दिर जिर्णद्वार हुँगी रम्भा १ पाल्पा | १ प्याकेज | रम्भा गा.पा.-१, हुँगी |
| १० | श्रीनगर पाल्पामा सास्कृतिक डबली निर्माण | १ वटा | तानसेन न.पा.-५ बतासेडाँडा |
| ११ | पाल्पा भैरवस्थान मन्दिर गुरुयोजना निर्माण | १ वटा (प्रतिवेदन) | रिब्दीकोट गा.पा.-४ भैरवस्थान |
| १२ | शहिद चुनमाया पार्कको गुरुयोजना निर्माण | १ वटा (प्रतिवेदन) | तनाउ गा.पा.-३, दोभान |
| १३ | एक जिल्ला एक जडिबुटी खेती कार्याक्रिम | १ प्याकेज | माथागढी ५ |
| १४ | जडिबुटी खेती प्रवर्धन कार्याक्रिम | ७ समूह | रिब्दीकोट ६, ७, निस्दी ४ |
| १५ | कबुलियती वन सुधार कार्यक्रम | ३० समूह | निस्दी गा.पा.-२, ३, ४, ७, पूर्वखोला २, माथागढी -३, ४, ६ रिब्दीकोट ५, ६ र तिनाउ १, ६ |
| १६ | कबुलियती वन समूह परिचालन तथा क्षमता अभिवृद्धि | ३० समूह | निस्दी गा.पा.- २, ३, ४, ७, पूर्वखोला -२, माथागढी -३, ४, ६ रिब्दीको -५, ६ र तिनाउ-१, ६ |
| १७ | जलवायु अनुकूलन गाउँ योजना | १ प्याकेज | तिनाउ गा.पा.-२ (दोभान सा.व. समन्वय समिति |
| १८ | वन डेलो नियन्त्रण तथा रोकथाम | १ प्याकेज | जिल्ला भरि |
| १९ | वन बिउ बगैचा संरक्षण तथा सुधार कार्यक्रम निरन्तरता | १ प्याकेज | निस्दी-४, चिउरी प्रजाती |
| २० | वन सम्बर्धन क्रियाकलाप संचालन | ४२ समूह | ८ वटै सब-डिभिजनमा |
| २१ | सामुदायिक वन कार्ययोजना नविकरण | १५ समूह | ८ वटै सब-डिभिजनमा |
| २२ | सामुदायिक वन बिधान कार्ययोजना निर्माण | २० समूह | ८ वटै सब-डिभिजनमा |

श्रोत: डि.व.का. पाल्पा

तालिका ४.७ संघीय सरकार हस्तान्तरीत शास्त्री कार्यक्रम

| क्र.सं. | कार्यक्रम | परिमाण | स्थान |
|---------|--|-----------|--|
| १ | जडीबुटी भण्डारण तथा प्रशोधन केन्द्र स्थापना / बिरुवा उत्पादन (हजारमा) | १ | रैनादेवी छहरा वडा नं.८, बेलबास |
| २ | जडीबुटी बिरुवा उत्पादन (हजारमा) | ५० हजार | मित्याल, दोभान |
| ३ | पकेट क्षेत्रमा जडीबुटी खेति बिस्तार | ३ समूह | आर्यगाँडा क.व., माथागढी ६, कोहलडाँडा क.व., माथागढी ६, बुढीखोला सम्मेनीडाँडा क.व., निस्दी २ |
| ४ | वन डडेलो नियन्त्रण तथा व्यवस्थापन योजना कार्यान्वयन | १ प्याकेज | जिल्ला भरि |
| ५ | कृषि वन प्रणाली प्रवर्धन कार्यक्रम | १ प्याकेज | निस्दी ७, मोलोग्राम |
| ६ | निजी नर्सरी स्थापनाको लागि अनुदान | १ वटा | निस्दी गा.पा.४, छापडाँडा |
| ७ | वृक्षारोपण (वृक्षारोपण, बारबेरा, गोडमेल र संरक्षण अनुदान समेत) | ३ प्याकेज | तानसेन, रिब्दीकोट, रैनादेवी |
| ८ | बिरुवा उत्पादन (बिभिन्न प्रकारका रुख काष्ठ तथा बहुउपयोगी प्रजाती) स्थानीय माग र अनुकूलता बमोजिम) हजारमा | ६० हजार | रामपुर, फडेवा, मित्याल |
| ९ | स्थानीय वन समूह र सा.व.उ.स. मार्फत बिरुवा उत्पादन सहयोग र अनुदान (बस्तुगत र नगद) हजारमा | १० हजार | निशानी देवी सा.व.उ.स., निस्दी ४, मित्याल |
| १० | एक क्लस्टर एक उत्पादन अमृसो, भुइकटहर, अलै ची, बाँस तथा अन्यगैरकाष्ठ वनपैदावार | ३ प्याकेज | पूर्वखोला २ |
| ११ | कबुलियत वन समूहको बिधान तथा कार्ययोजना पुनरावलोकन (जिविकोपार्जन सुधारयोजना समेत) | २४ वटा | निस्दी गा.पा. २, ३, ४, ७ |
| १२ | सामुदायिक वनमा उद्यमशिलता अभिवृद्धि | १ प्याकेज | रानीवन वडावन, रा.न.पा ४, भूतखोला तिनाउ ३ |
| १३ | सामुदायिक वन उपभोक्ता समूहको कार्ययोजना नविकरण सहयोग (गरिब, महिला र दलित लक्षित जलवायु परिवर्तन अनुकूलन योजना) | १५ वटा | ८ वटै सब-डिभिजनमा |
| १४ | जडीबुटी उत्पादन, खेति बिस्तार, भण्डारण | | माथागढी-६, जगतमा, माथागढी ५ वटा समूहमा |
| १५ | सहकारी मार्फत जडीबुटीका उत्पादन, खेति बिस्तार भण्डारण प्रशोधन केन्द्र स्थापना र बजारीकरण | १ प्याकेज | रिब्दीकोट-६ र पूर्वखोला-२ |
| १६ | पर्याप्यटन प्रवर्धन | १ प्याकेज | कण्डेसरा सा.व.उ.स, ता.न.पा ८ |
| १७ | जनशिवालय मन्दिर गढीको पर्यटकीय संभाव्यहरु अध्ययन तथा कार्य शुरु | १ प्याकेज | बगनासकाली गा.पा.-२ पोखराथोक |
| १८ | कालिका मन्दिर गढीको पर्यटकीय संभाव्यहरु अध्ययन तथा कार्य शुरु | १ प्याकेज | रैनादेवी छहरा गा.पा.-५, मुझ्ज |
| १९ | प्रदेश भित्र रहेका होमस्टेडरुको पूर्वाधार विकास (पहुँच मार्ग, सोलर बत्ति, सामुदायिक भवन इत्यादी) | १ प्याकेज | तानसेन न.पा.-१३, बौद्धागुम्हा |

श्रोत: डि.व.का. पाल्पा

अनुसूची १ पाल्पा जिल्लामा भएका निजी वनको विवरण

| सि.नं. | सव-डिभिजन वन कार्यालय | दर्ता आ.व. | निजी वन धबीको नाम, ठेगाना | क्षेत्रफल (रोपनी) | मुख्य मुख्य प्रजातिहरू | दर्ता मिति |
|--------|-----------------------|------------|--|-------------------|--|------------|
| १ | रम्भा | ०४५/४६ | शिव प्रसाद मानव, हुमिन-२ | ९-१४-३-७ | सल्ला, लाकुरी, उत्तिस | २०४५-१२-२८ |
| २ | | ०४९/५० | रविन्द्र नाथ भट्टराई, रिडनेरह-७ | ९-५-३-१-४ | सल्ला, चिलाउने | २०४९-०५-०९ |
| ३ | | ०४९/५० | टीकाराम भट्टराई, रिडनेरह-७ | ८-१५-०-३/४ | सल्ला, चिलाउने | २०४९-०५-०९ |
| ४ | | ०४९/५० | योग प्रसाद भट्टराई, रडनेरह-७ | ७-१४-०-० | सल्ला, चिलाउने | २०४९-०५-०९ |
| ५ | तानसेन | ०५२/५३ | कोमल प्रसाद राना, मदनपोखरा-१ | ४१-२-१-२ | साल, चिलाउने, कटुस | २०५३-०३-१३ |
| ६ | | ०५४/५५ | गुरुप्रसाद न्यौपान, चिर्तुङ्घारा-६ | १६-५-०-० | साल, चिलाउने, कटुस खल्लुक, मौवा, जामुन, | २०५५-०३-१७ |
| ७ | | ०५९/६० | कृष्ण प्र. कोइराला, पोखराथोक-७ | ५-३-०-१/२ | साल, चिलाउने, सल्लो | २०६०-०१-२९ |
| ८ | | ०६५/६६ | भीमलाल बश्याल, दर्लमडाँडा ७ | १०-५-०-० | सिसौ, चिलाउने | २०६८-०२-२४ |
| ९ | | ०६९/७० | एक प्रसाद भण्डारी | ३-०-०-० | साल, चिलाउने, सिसौ | २०७०-०३-१२ |
| १० | | ०७२/७३ | गोविन्द प्रसाद भट्टराई, चिर्तुङ्घारा ७ | १२-९-०-० | साल, चिलाउने, जामुन | २०७२-१२-१० |
| ११ | | ०५४/५५ | रामचन्द्र खनाल, दर्छा-६ | ६-३-२-३ | साल, चिलाउने, फडेर | २०५४-१०-२३ |
| १२ | | ०५५/५६ | मन बहादुर श्रेष्ठ, दर्छा-७ | २६-५-०-३ | सिसौ, साल | २०५५-१२-२५ |
| १३ | | ०५६/५७ | राधादेवी न्यौपाने, खालीवन-१ | १०-७-३-१ | सिसौ, साल, चिलाउने, खयर, क्यामुना, वोट्धाइङे | २०५७-०२-०५ |
| १४ | | ०५७/५८ | कूल प्रसाद उपाध्याय, गल्था-८ | ४-३-३-३ | सिसौ | २०५७-०८-०१ |
| १५ | रामपुर | ०५७/५८ | विष्णु प्रसाद पाराजुली, दर्छा-१ | ३-२-०-० | साल, फलामे, क्यामुन, फाडियार | २०५७-०८-१२ |
| १६ | | ०५७/५८ | देवेन्द्र प्र.पोखरेल, रामपुर-५ | ५-०-०-० | सिसौ, वकाइनो | २०५७-०८-२३ |
| १७ | | ०५८/५९ | ठाकुर प्रसाद खनाल, दर्छा-६ | १-१-१-२ | साल | २०५८-१०-१० |
| १८ | | ०६०/६१ | तेज प्रसाद न्यौपान, खालीवन-४ | २-१३-०-० | सिसौ, खयर | २०६०-०५-०८ |
| १९ | | ०६०/६१ | मेदनी लाल न्यौपाने, खालीवन-४ | २-१३-०-० | सिसौ, खयर | २०६०-०५-०८ |
| २० | | ०६२/६३ | यज्ञमूर्ति धिमिरे, दर्छा-१ | ६-०-०-० | महुवा, क्यामुन, वोट्धाइङे, जामुन, भलायो, साल, आँप, अमारा, चिलाउने, हर्ता, असना | २०६३-०३-०७ |
| २१ | | ०६५/६६ | प्रेम प्रकाश/रुद्र प्र. श्रेष्ठ, दर्छा-९ | ५-१५-२-२ | चिलाउने | २०६५-१०-०५ |
| २२ | | ०६५/६६ | रुद्र कुमार श्रेष्ठ, दर्छा-९ | ५-२-१-२ | सिसौ, चिलाउने | २०६५-१०-०५ |
| २३ | | ०६५/६६ | रुद्र कुमार श्रेष्ठ, दर्छा-९ | १०-६-१-० | सिसौ, चिलाउने | २०६८-०२-२४ |
| २४ | | ०७०/७१ | यम बहादुर थापा, रामपुर न.पा. ३ | ५-०-०-० | साल, चिलाउने, आँप | २०७०-११-२९ |
| २५ | | ०७०/७१ | गुनिमाया थापा, रामपुर न.पा. ३ | १-५-१-० | साल, चिलाउने | २०७०-११-२९ |
| २६ | | ०७०/७१ | चेत बहादुर थापा, रामपुर न.पा. ३ | १०-२-२-२ | साल, चिलाउने | २०७०-११-२९ |
| २७ | | ०७२/७३ | तारा कुमारी खड्का, रा.न.पा. ३ | १४-१४-२-१ | साल, चिलाउने, क्यामुन | २०७२-०४-२७ |
| २८ | | ०७२/७३ | विष्णु बहादुर अर्याल, रा.न.पा. १ | ८-११-२-२ | साल, चिलाउने | २०७२-०४-२७ |
| २९ | रिब्दीकोट | ०५५/५६ | कविराज अधिकारी, देउराली-९ | ५७-४-३-१ | चाप, सिसौ, च्यूरी, सल्ला, चिलाउने, कटुस, दालचिनी | २०५५-०८-०८ |
| ३० | | ०६३/६४ | भविश्वर पोखरेल, छहरा-८ | ११-५-१-१ | काउलो, दालचिनी | २०६३-०९-२७ |
| ३१ | | ०६३/६४ | रविलाल पोखरेल, छहरा-८ | १५-४-२-३ | पवन | २०६४-०२-०८ |

| सि.नं. | सव-डिभिजन वन कार्यालय | दर्ता आ.व. | निजी वन धनीको नाम, ठेगाना | क्षत्रेफल (रोपनी) | मुख्य मुख्य प्रजातिहरु | दर्ता मिति |
|--------|-----------------------|------------|--|-------------------|---------------------------|------------|
| ३२ | माथागढी | ०६२/६३ | भेम प्रसाद भट्टराई, कसेनी-७ | २०-३-०-० | साल, कटुस, चिलाउने, खल्लक | २०६२-०६-०७ |
| ३३ | | ०७२/७३ | युक्त बहादर जि.सि., भडेवा २ | ७-५-३-३ | साल, चिलाउने | २०७३-०२-२३ |
| ३४ | तिनाउ | ०६३/६४ | वातुराम पाण्डे, दोभान-१ | ४-१०-३-० | साल, असना, चिलाउने, सिसौं | २०६३-१०-१७ |
| ३५ | | ०६४/६५ | चन्द्रकान्त वस्याल, दोभान-१ | १-११-२-३ | साल, तेजापत, काउलो | २०६५-२-३० |
| ३६ | रैनादेवी छहरा | ०६०/६१ | प्रेम बहादुर घिमिरे, सत्यवती-२ | १७-२-२-१ | दालचिनी | २०६०-१०-०७ |
| ३७ | | ०६०/६१ | रुमान सिह गाहा, सत्यवती-१ | ६-८-०-० | दालचिनी | २०६१-०३-१४ |
| ३८ | | ०६५/६६ | भैरव व. घिमिरे सत्यवती-२ | ११-८-२-० | दालचिनी | २०६५-१०-०५ |
| ३९ | | ०६५/६६ | वायसिंह घिमिरे, सत्यवती-२ | १६-२-२-० | दालचिनी | २०६५-१०-०५ |
| ४० | | ०६५/६६ | भवानी अधिकारी, सत्यवती-२ | ७-८-३-१ | दालचिनी | २०६५-१०-०५ |
| ४१ | | ०६५/६६ | रवसीसरा वस्नेत, सत्यवती-२ | २१-१०-१-२ | दालचिनी | २०६५-१०-०५ |
| ४२ | | ०७४-७५ | पिताम्बर सापकोटा र भेषराज सापकोटा, ता.न.पा.-८ (मदनपोखरा-५) | ६-१०-१-० | साल, चिलाउने | २०७५-०३-२६ |
| ४३ | तानसेन | ०७४-७५ | उम बहादुर सार्की, तानसेन न.पा.-८ (साविक मदनपोखरा-२) | ७-१-२-१ | साल, चिलाउने | २०७५-०३-२६ |
| ४४ | | ०७४-७५ | रुम बहादुर नेपाली, तानसेन न.पा.-८ (साविक मदनपोखरा-५) | ३-१०-१-३ | साल, चिलाउने | २०७५-०३-२६ |
| ४५ | | ०७४-७५ | माधव प्रसाद पाठक, तानसेन न.पा.-९ (साविक मदनपोखरा-७) | २-११-१-३ | साल, चिलाउने | २०७५-०३-२६ |
| | | | जम्मा | ४७२-१५-१-१-४९ | | |

अनुसूची २ पाल्पा जिल्लामा भएका गरीवीका लागि कबुलियती वनको विवरण
(आ.व. २०७५/०७६ सर्ग)

| सि.नं. | क.व.उ.स.को नाम | हालको ठेगाना | | क्षेत्रफल (हेक्टर) | जम्मा घरधूरी | जनसंख्या | सव-डिभिजन |
|--------|----------------|--------------|---------|-----------------------|-----------------|----------|-----------|
| | | गाउँपालिका | वडा नं. | | | | |
| १ | काउलेडाँडा | निस्दी | ३ | ११ | ११ | ११३ | निस्दी |
| २ | काउले पोखरी | निस्दी | ३ | ११ | ११ | ७८ | निस्दी |
| ३ | दुनडाँडा | निस्दी | ३ | १० | ११ | ९३ | निस्दी |
| ४ | सतवर | निस्दी | ३ | ११ | ११ | १०१ | निस्दी |
| ५ | खादर | निस्दी | ३ | १२ | १२ | ९४ | निस्दी |
| ६ | ग्यामिडाँडा | निस्दी | ३ | १२ | १२ | १२१ | निस्दी |
| ७ | मौलादेवी | निस्दी | ३ | १२ | १२ | ९० | निस्दी |
| ८ | मिलिजुली | निस्दी | ३ | ११ | ११ | ८९ | निस्दी |
| ९ | मजुवाडाँडा | निस्दी | ३ | १२ | १२ | ७३ | निस्दी |
| १० | गोविन्दकुना | निस्दी | ३ | १२ | १२ | १४६ | निस्दी |
| ११ | खादरदी | निस्दी | ३ | १३ | १३ | ९३ | निस्दी |
| १२ | बाकवुल | निस्दी | ३ | १३ | १३ | ९४ | निस्दी |
| १३ | बस्तुडाँडा | निस्दी | ३ | १२ | १२ | ८६ | निस्दी |
| १४ | बीरडाँडा | निस्दी | ३ | १२ | १२ | ९१ | निस्दी |
| १५ | जुगेखोला | निस्दी | ३ | १३ | १३ | १११ | निस्दी |
| १६ | जुकेखोला | निस्दी | ३ | १३ | १३ | १०१ | निस्दी |
| १७ | शंखरडाँडा | निस्दी | ३ | १५ | १० | ६३ | निस्दी |
| १८ | जमुनाडाँडा | निस्दी | ३ | २० | १३ | १०४ | निस्दी |
| १९ | निगोलेनीडाँडा | निस्दी | ३ | २० | १३ | १०७ | निस्दी |
| २० | लिन्दीगैरा | निस्दी | १ | ८ | १० | ८९ | निस्दी |
| २१ | वेनडाँडा | पूर्वखोला | २ | १५ | १५ | १२० | रम्भा |
| २२ | बरलडाँडा | निस्दी | १ | ७ | १० | ८८ | निस्दी |
| २३ | शिरानीढीक | निस्दी | १ | ९ | ११ | ९७ | निस्दी |
| २४ | जुरे | निस्दी | १ | ११ | १५ | १२० | निस्दी |
| २५ | सपाडदी | निस्दी | १ | १२ | १५ | १०३ | निस्दी |
| २६ | दोलीमारा | पूर्वखोला | २ | १५.३१ | १५ | ८६ | रम्भा |
| २७ | भोर्मा | निस्दी | ४ | १० | १२ | १०० | निस्दी |

| सि.नं. | क.व.उ.स.को नाम | हालको ठेगाना | | क्षेत्रफल (हेक्टर) | जम्मा घरधूरी | जनसंख्या | सब-डिभिजन |
|--------|---------------------|--------------|---------|-----------------------|-----------------|----------|-----------|
| | | गाउँपालिका | वडा नं. | | | | |
| २८ | मौलाधर | निस्दी | ४ | ९ | १२ | ७९ | निस्दी |
| २९ | खोप्लाक | निस्दी | ४ | ८ | १२ | ९६ | निस्दी |
| ३० | कृतिकडाँडा | निस्दी | ७ | १५ | १५ | १७४ | निस्दी |
| ३१ | गबुगहिरा | निस्दी | ४ | ९ | १३ | ८४ | निस्दी |
| ३२ | ओखरीडाँडा | निस्दी | ७ | १० | १० | १०२ | निस्दी |
| ३३ | रिप्खोरिया | निस्दी | ४ | ८ | १३ | ४०५ | निस्दी |
| ३४ | चुलिडाँडा | निस्दी | ७ | १० | १० | ८६ | निस्दी |
| ३५ | डोरेडाँडा | निस्दी | ७ | १० | १० | ८४ | निस्दी |
| ३६ | झ्याल्टुङ्ग | निस्दी | ४ | १० | १५ | ८५ | निस्दी |
| ३७ | लाकुरीधारा | रिब्दीकोट | ६ | २.४२ | १६ | ९० | रिब्दीकोट |
| ३८ | पेलाचौर | रिब्दीकोट | ६ | ३.९५ | १५ | ८४ | रिब्दीकोट |
| ३९ | वगालखण्ड | रिब्दीकोट | ६ | २.१७ | १५ | ८३ | रिब्दीकोट |
| ४० | धुधुराडाँडा | रिब्दीकोट | ६ | ४.१५ | २० | १३५ | रिब्दीकोट |
| ४१ | कालोपैरो | रिब्दीकोट | ६ | ४.७३ | १९ | १४७ | रिब्दीकोट |
| ४२ | टोकलदी डी पानी | रिब्दीकोट | ६ | ४.४२ | १९ | १३४ | रिब्दीकोट |
| ४३ | नरनेटा | तिनाउ | १ | ४.७३ | १५ | ८५ | तिनाउ |
| ४४ | ओखलदुङ्गा | तिनाउ | १ | ६.६८ | १५ | ७० | तिनाउ |
| ४५ | जोयडाँडा | रिब्दीकोट | ७ | ८.३ | १६ | ९२ | रिब्दीकोट |
| ४६ | दूलोचौर | रिब्दीकोट | ७ | ६.६ | १९ | ११८ | रिब्दीकोट |
| ४७ | थरबोली पोखरा | पूर्वखोला | २ | ५.४७ | १० | ६८ | रम्भा |
| ४८ | धुपीसेव पोखरा | पूर्वखोला | २ | ७.२३ | ११ | ८२ | रम्भा |
| ४९ | म्याजा गैरा | पूर्वखोला | २ | ६.१९ | ११ | ७६ | रम्भा |
| ५० | गुच्चेलुङ्ग | पूर्वखोला | २ | ७.४८ | ११ | ८५ | रम्भा |
| ५१ | मस्याइदीकोन | पूर्वखोला | २ | १२.८६ | १० | ८५ | रम्भा |
| ५२ | लाम्पोकखर्क डाँडा | पूर्वखोला | २ | ७.९५ | ११ | ११६ | रम्भा |
| ५३ | थाहामडाँडा | निस्दी | ७ | ८ | १० | ७७ | निस्दी |
| ५४ | तीन पोखरी | निस्दी | ४ | १० | १५ | ११० | निस्दी |
| ५५ | बसेनी गहिरा | निस्दी | ७ | १० | १३ | १४८ | निस्दी |
| ५६ | उद्देश्य भन्ज्याङ्ग | निस्दी | ७ | ९.६५ | १५ | १०३ | निस्दी |
| ५७ | नारी गैरा | निस्दी | ७ | १०.४८ | १४ | ९१ | निस्दी |

पाल्पा जिल्ला प्रोफाईल

| सि.नं. | क.व.उ.स.को नाम | हालको ठेगाना | | क्षेत्रफल (हे.) | जम्मा घरधूरी | जनसंख्या | सव-डिभिजन |
|--------|-------------------|--------------|---------|--------------------|-----------------|----------|-----------|
| | | गाउँपालिका | वडा नं. | | | | |
| ५८ | ठाकनडाँडा | तिनाउ | १ | ५.३४ | १५ | ८१ | तिनाउ |
| ५९ | रानीवन | तिनाउ | १ | ५.७९ | १५ | ९० | तिनाउ |
| ६० | बुढीकोट | तिनाउ | १ | २.४२ | १५ | १०८ | तिनाउ |
| ६१ | काफलडाँडा | तिनाउ | ६ | ३.६५ | १५ | ६९ | तिनाउ |
| ६२ | लुक्चे गैरा | तिनाउ | ६ | ३.८३ | १५ | ६६ | तिनाउ |
| ६३ | अर्खला दमार | तिनाउ | ६ | ४.९ | १४ | ८६ | तिनाउ |
| ६४ | लेखडाँडा | तिनाउ | ६ | ५.२८ | १५ | ७० | तिनाउ |
| ६५ | साइवन गैरा | रिब्दीकोट | ६ | ४.१६ | ९ | ४९ | रिब्दीकोट |
| ६६ | पाखापानी | रिब्दीकोट | ७ | १.२५ | १६ | ९३ | रिब्दीकोट |
| ६७ | बाँसडाँडा | रिब्दीकोट | ७ | ५.८३ | १७ | ८५ | रिब्दीकोट |
| ६८ | विरली गैरा | निस्दी | ४ | १० | ११ | ६१ | निस्दी |
| ६९ | फापरडाँडा | निस्दी | ४ | ९ | १० | ५२ | निस्दी |
| ७० | चिउरीडाँडा | माथागढी | ३ | ४.०९ | १३ | ६४ | माथागढी |
| ७१ | दुधेगौडा | माथागढी | ३ | ४.५९ | १३ | ७१ | माथागढी |
| ७२ | गिर्खु डाँडा | माथागढी | ३ | ४.९२ | १३ | ७९ | माथागढी |
| ७३ | खोरेडाँडा | माथागढी | ३ | ४.०४ | १२ | ७५ | माथागढी |
| ७४ | टिमुरगैरा | माथागढी | ३ | २.९२ | १२ | ६४ | माथागढी |
| ७५ | पटाडिगिलिक | माथागढी | ३ | ४.७९ | १२ | ८० | माथागढी |
| ७६ | तारेलुङ्ग | पूर्वखोला | २ | १३.७८ | १३ | ९१ | रम्भा |
| ७७ | गोलखाडल | पूर्वखोला | २ | १०.८१ | १३ | १३५ | रम्भा |
| ७८ | बिसडाँडा | पूर्वखोला | २ | १२.३३ | १३ | ९० | रम्भा |
| ७९ | दिगैरा | पूर्वखोला | २ | ८.५२ | १२ | ६९ | रम्भा |
| ८० | खिलुवा भन्ज्याङ्ग | पूर्वखोला | २ | ७.९५ | १२ | ८२ | रम्भा |
| ८१ | चिरडाँडा | पूर्वखोला | २ | ९.८ | १२ | १११ | रम्भा |
| ८२ | कोहलडाँडा लाकुरी | माथागढी | ४ | ६.४२ | १२ | ६३ | माथागढी |
| ८३ | आर्यगौडा | माथागढी | ४ | ६ | १३ | ८५ | माथागढी |
| ८४ | खलाटारी | माथागढी | ४ | १०.७३ | १६ | ७१ | माथागढी |
| ८५ | बादिकुन | माथागढी | ४ | ५.१८ | १६ | ९१ | माथागढी |
| ८६ | लावेडाँडा | पूर्वखोला | २ | ११.९६ | १३ | ८४ | रम्भा |
| ८७ | रिपबारी | निस्दी | ७ | २३.१ | १३ | १४१ | निस्दी |

| सि.नं. | क.व.उ.स.को नाम | हालको ठेगाना | | क्षेत्रफल (हेक्टर) | जम्मा घरधूरी | जनसंख्या | सव-डिभिजन |
|--------|----------------------|--------------|---------|-----------------------|-----------------|----------|-----------|
| | | गाउँपालिका | वडा नं. | | | | |
| ८८ | भापुलडाँडा | निस्दी | ७ | ११.१ | १३ | १३७ | निस्दी |
| ८९ | गाडादी | निस्दी | ७ | ९.७७ | १३ | ८९ | निस्दी |
| ९० | कटुसघारी | निस्दी | ४ | ७.७८ | १० | ५६ | निस्दी |
| ९१ | टोक्लोब्दी | निस्दी | ७ | १०.०२ | १३ | ७९ | निस्दी |
| ९२ | थमेलीगैरा रत्नेडाँडा | निस्दी | २ | ६.१७ | १० | ७२ | निस्दी |
| ९३ | बुढाखोला समेनीडाँडा | निस्दी | २ | ६.८१ | १० | ५३ | निस्दी |
| ९४ | मुलाबारी | माथागढी | ४ | ११.१४ | ८ | ३२ | माथागढी |
| ९५ | खिरुलकान्ता | माथागढी | ४ | ८.३३ | ८ | ४१ | माथागढी |
| ९६ | लहीलुड | माथागढी | ४ | ९.२१ | ८ | ३९ | माथागढी |
| ९७ | रातुखोरच | माथागढी | ६ | ११.३३ | १५ | ६८ | माथागढी |
| ९८ | करडभन्ज्याङ्ग | माथागढी | ६ | ७ | १५ | ८० | माथागढी |
| ९९ | घोरपाल थुम्का | निस्दी | ६ | ७.१४ | ९ | ५२ | निस्दी |
| १०० | वन काफल | निस्दी | ६ | ६.७७ | ९ | ५९ | निस्दी |
| १०१ | दाम क्रेम | निस्दी | ६ | ११.३२ | ११ | ६७ | निस्दी |
| १०२ | घोरपाल पोखरी | निस्दी | ६ | १३.०७ | १६ | १०४ | निस्दी |
| १०३ | मौवा डाडा | निस्दी | ६ | ९.७३ | १२ | ६५ | निस्दी |
| १०४ | चैतारी | निस्दी | ६ | १२.०८ | १४ | १४६ | निस्दी |
| १०५ | दासिड पोखरा | निस्दी | ६ | ११.८९ | १० | ५१ | निस्दी |
| १०६ | करमादिप | निस्दी | ६ | ११.१९ | १२ | ८० | निस्दी |
| १०७ | हकारपल डाडा | निस्दी | ६ | ६.६२ | १० | ८० | निस्दी |
| १०८ | लोच्चो | निस्दी | ६ | ९.२५ | १२ | ८७ | निस्दी |
| १०९ | फलम्जु भन्ज्याड | निस्दी | ६ | ७.७१ | १० | ७२ | निस्दी |
| ११० | ठिक पोखरी | निस्दी | ६ | ७.८६ | १० | ४४ | निस्दी |
| १११ | माझ पोखरी | निस्दी | ६ | १०.७४ | ९ | ५० | निस्दी |
| ११२ | लेक पोखरी | निस्दी | ६ | १३.०५ | १२ | ६९ | निस्दी |
| ११३ | सत्यवती | निस्दी | ६ | १०.३९ | १२ | ७३ | निस्दी |
| ११४ | बडाहर गैरा | निस्दी | ४ | ९.०७ | ९ | ५३ | निस्दी |
| | जम्मा | | | १०३४.६६ | १२०३ | १०२७९ | |

अनुसूची ३ पाल्पा जिल्लामा भएका धार्मिक वनको विवरण (आ.व. २०७५/०७६ सरम)

| क्र.स. | धार्मिक वनको नामावली | ठेगाना | क्षेत्रफल (हेक्टर) |
|--------|------------------------------|--------------------------------|--------------------|
| १ | भैरवकामना धार्मिक वन | तिनाउ-२ (साविक दोभान-७) | १५.४३ |
| २ | सत्यवती धार्मिक वन | तिनाउ-५ (साविक कोलडाँडा-१) | ४०.३७ |
| ३ | रायमाझी कुल देउता धार्मिक वन | रैनादेवी छहरा-४ (साविक छहरा-१) | ५.६२ |
| ४ | सिद्धबाबा | तिनाउ-३ | १९९.६९ |
| | जम्मा | | २६१.११ |

अनुसुची ४ पाल्पा जिल्लामा भएका सामुदायिक वनको विवरण (आ.व.२०७४/०७५ सर्ग)

| सि.नं. | सर-डिभिजन | साविक गाविस/नपा | सा.व.उ.स. | साविक वडा नं. | क्षेत्रफल (हे.) | घरधुरी संख्या |
|--------|-----------|-----------------|----------------------|---------------|-----------------|---------------|
| १ | निस्दी | फिरुवास | रानीवन | ८ | ३७ | ७२ |
| २ | | | मुगिल्भा | ९ | ५४ | २३ |
| ३ | | | किस्यादी | ५ | २६.४१ | २७ |
| ४ | | | शान्तीवन | ६ | ९.०६ | २२ |
| ५ | | | सौरडाँडा महिला | ६ | १०.२५ | १५ |
| ६ | | | मगरे कोट्रोक मुगान | १ | ६९.७४ | ९७ |
| ७ | | | रानीवन | २ | २३.०४ | ६८ |
| ८ | | | फिरुवान | ३ | २२ | १२ |
| ९ | निस्दी | मित्याल | धैयावारी | ५ | ४१.९८ | ५४ |
| १० | | | फिरुडी | ७ | ५४ | ११४ |
| ११ | | | वसेरी भन्ज्याड | ४ | ५.३९ | ४४ |
| १२ | | | वसेनी महिला | ६ | २५ | १९ |
| १३ | | | खुजुरीडाँडा | ७ | २०.७५ | ३३ |
| १४ | | | मिरामे | ६ | ५१.४ | १८ |
| १५ | | | कोलपोखरा महिला | ७ | ७.५६ | ३४ |
| १६ | | | कोठोलुङ्ग | ७ | २१.६ | १० |
| १७ | निस्दी | मित्याल | धरापडाँडा | ३ | २.०६ | ३५ |
| १८ | | | थुम्काडाँडा | ५ | १०९.५ | ४३ |
| १९ | | | देवीथुम्का | ९ | ३५०.५ | ९४ |
| २० | | | लाकुरीडाँडा | १ | १.८३ | १८ |
| २१ | | | भेषासिंडाँडा | १ | ३.५ | ४० |
| २२ | | | वेलखर्क | ३ | ६६.७५ | १४० |
| २३ | | | वुरुभन्ज्याड | २ | ६२.७५ | १४५ |
| २४ | | | वुलडाँडा सिन्चेपोखरी | ६ | २३.७१ | ३४ |
| २५ | निस्दी | मित्याल | भालुखोला | ४,८ | २०.३१ | ५१ |
| २६ | | | रिंगहिरा | ७ | १०३.१२ | ५० |
| २७ | | | मोलोगहिरा | ६ | ८१.४ | १०४ |
| २८ | | | आफरेडाँडा | ९ | १४८.६८ | १०६ |
| २९ | | | कोलडाँडा | ४ | ६.७५ | ६५ |
| ३० | | | कारुलडाँडा | ८ | ५०.५ | ४८ |
| ३१ | | | रेवीखोला | ६ | ४०.५ | ७३ |
| ३२ | | | आइपती | ३ | ११९ | ८८ |
| ३३ | निस्दी | मित्याल | रानीडाँडा महिला | ४ | ४३.२५ | २० |
| ३४ | | | कुण्डलेडाँडा | ३ | ११.२२ | ६८ |
| ३५ | | | भोटेगौरी | ३ | ६.५ | १०१ |

| सि.नं. | सर्व-डिभिजन | साविक गाविस/नपा | सा.व.उ.स. | साविक वडा नं. | क्षेत्रफल (हे.) | घरधुरी संख्या |
|--------|-------------|-----------------------------|-----------|---------------|-----------------|---------------|
| ३६ | मित्याल | ढाके भन्ज्याड | ७ | ७६.५ | १८७ | |
| ३७ | | निशानीदेवी | ७ | १४८.६१ | १०० | |
| ३८ | | बुलडाँडा डडुवाचौर | ९ | ५०.७५ | ५४ | |
| ३९ | | सिंचेपोखरी तथा अन्तरपानी | ६ | ३१.२५ | ४७ | |
| ४० | | पोखराडाँडा | ३ | १०.७५ | १४ | |
| ४१ | | गोलभन्ज्याङ्ग | ९ | ५.२२ | ४४ | |
| ४२ | | जतुके | ३ | ३९.८७ | १०७ | |
| ४३ | | सिफाडाँडा | ५ | ३८.०६ | ७२ | |
| ४४ | | भुमरी | ३ | ८५.२३ | २८ | |
| ४५ | | राम्चे | ६ | ५३.५ | १०१ | |
| ४६ | गल्धा | बुढीकोट | ८ | ६८.७५ | १४७ | |
| ४७ | | घाडुडाँडा | ७ | ६ | २४ | |
| ४८ | | डेराडाँडा | १ | १०३ | ४४ | |
| ४९ | | बेलभन्ज्याड | ९ | १३६.४१ | १९७ | |
| ५० | | टुनीभन्ज्याड | ८ | ५२.५ | ९७ | |
| ५१ | | विसौना | ७ | ४.७९ | ६१ | |
| ५२ | | बुलडहर | २ | १९.५ | ९१ | |
| ५३ | | आर्धिधाँचा | ३ | १३.८६ | ५७ | |
| ५४ | | घुर्लांगहिरा | ३ | ४१ | ५३ | |
| ५५ | | गेझाडाँडा | ३ | ३०.७२ | ५१ | |
| ५६ | अर्चले | धारापानी महिला | ८ | ३०.८३ | १०२ | |
| ५७ | | मण्डलीबराज्यूथान | ८ | ७.४ | ३३ | |
| ५८ | | रानी | ५ | ४७.७२ | १९० | |
| ५९ | | चउरडाँडा | ७ | ४.५ | २८ | |
| ६० | | खागोभन्ज्याड | ५ | ८.३१ | ३५ | |
| ६१ | | हुकडहर | ६ | २५.२ | ११३ | |
| ६२ | | बुलभन्ज्याड | ८ | ३४ | १०८ | |
| ६३ | | छातिवन सालघारी | ४ | ८३.२५ | ४८ | |
| ६४ | | लाकुरी भन्ज्याड | ६ | ११.७ | ४२ | |
| ६५ | | लामीडाँडा भाडबारी | ५ | २३.७ | ७५ | |
| ६६ | ज्यामिरे | भाडुप | ३ | १९२.७५ | १३४ | |
| ६७ | | दाउनेपाखा | ८ | ४५.४१ | ९९ | |
| ६८ | | सिरसिरेडाँडा | ८ | ५४ | ६५ | |
| ६९ | | आर्गाडाँडा | ८ | १५४.२५ | ६७ | |

| सि.नं. | सव-डिभिजन | साविक गाविस/नपा | सा.व.उ.स. | साविक वडा नं. | क्षेत्रफल (हे.) | घरधुरी संख्या |
|--------|-----------|-----------------|--------------------|---------------|-----------------|---------------|
| ७० | निस्दी | ज्यामिरे | धुपडाँडा | १ | ८०.०५ | ७६ |
| ७१ | | | पोखरीताल | २ | ३१.९५ | ६४ |
| ७२ | | | हुण्डी | ७ | १९८.२५ | ६४ |
| ७३ | | | रुक्सेडाँडा | ७ | १५८.६९ | ४५ |
| ७४ | | | देउरालीडाँडा महिला | ७ | ४७.८६ | ३४ |
| ७५ | | | खल्लकु भन्ज्याड | ३ | ४८.३ | ४४ |
| ७६ | | | पोखराडाँडा महिला | ७ | ४१.१२ | ४३ |
| ७७ | | | जगी | ९ | ६८ | ४४ |
| ७८ | | | कालिकाडाँडा | ७ | ३९१.६४ | ६७ |
| ७९ | | | कुमुष्टेखोला महिला | ७ | ९५ | ५३ |
| ८० | | | दिचुस | ४ | २३.७५ | ५३ |
| ८१ | | | फोकिसडाँडा | ६ | ११५.२२ | १९४ |
| ८२ | पूर्वखोला | सिलुवा | सालडाँडा दूलोवन | १ | ३७ | ७२ |
| ८३ | | | जुवदी दूलोवन | ९ | ९५ | १९८ |
| ८४ | | | ढोलार | १ | ८.२८ | ८८ |
| ८५ | | | जोर्टे | ३ | १३२.५ | ९३ |
| ८६ | | | देवन्दी | ५ | १५.७५ | ७९ |
| ८७ | | | वाघखोर | ४ | ५८.०८ | २०७ |
| ८८ | | | थापनाडाडा | २ | ४.१८ | ४८ |
| ८९ | | | छडाँडा | ७ | ८४ | ६५ |
| ९० | | | रिप | ६ | ५८.९९ | १०७ |
| ९१ | | | सिद्धबाबा थापना | ४ | २.९९ | ४० |
| ९२ | | | गुण्डाँडा | ४ | ८.७४ | ७४ |
| ९३ | निस्दी | सहलकोट | दूलोपहाड | ५,६,७ | ४४.६ | १०० |
| ९४ | | | जुरे | ७ | ७.५२ | २८ |
| ९५ | | | गोलखाडल | ५ | ७६.५३ | ६७ |
| ९६ | | | पधेरा | ४ | ५.४४ | ३२ |
| ९७ | | | धुपेसाल | ४ | ३५.१७ | ९२ |
| ९८ | | | सपाडी | २ | १०.५२ | ३९ |
| ९९ | | | सालधारी रानीवन | ८ | १६ | ८७ |
| १०० | | | मुकेकोट | ९ | २२.५ | ५५ |
| १०१ | | | गैरी भन्ज्याङ्ग | ७ | २.७२ | ४० |
| १०२ | | | आनन्द भन्ज्याङ्ग | ९ | ४७.३४ | २४ |
| १०३ | वाकामलाड | वाकामलाड | गौचरनगिद्वास | ६ | २६.४१ | ५० |
| १०४ | | | तिरखन्ने लड्युरे | ७ | १८.०५ | ५९ |
| १०५ | | | पोखराडाँडा | ३ | ४३.४९ | ४२ |

पाल्पा जिल्ला प्रोफाईल

| सि.नं. | सर्व-डिभिजन | साविक गाविस/नपा | सा.व.उ.स. | साविक वडा नं. | क्षेत्रफल (हे.) | घरधुरी संख्या |
|--------|-------------|-----------------|----------------------|---------------|-----------------|---------------|
| १०६ | निस्दी | वाकामलाड | सालघारी | ३ | ४.०५ | ४८ |
| १०७ | | | देवीस्थान | २ | ३०.९९ | २३ |
| १०८ | | | मालिका | ९ | २१.८५ | ५२ |
| १०९ | | | माला वाइने डाँडा | ५ | २८.६४ | ५३ |
| ११० | | | लिन्दीहुरहुरे | ४ | ३२.३६ | ५७ |
| १११ | | | धबौदी बाकाखोला | १ | ५०.५७ | २८ |
| ११२ | | | पाहार्दी | १ | २८.६२ | २६ |
| ११३ | | | डोका डाँडा | ४ | ५.४३ | १४ |
| ११४ | | | पटकसार | २ | ३२.७५ | ४० |
| ११५ | | | गेस्दी पालेवन | १ | ४३.५ | ३१ |
| ११६ | | | पाँचमुरे गोकुलघाट | ७ | २४.७ | ८३ |
| ११७ | रामपुर | गाडाकोट | बोटेडाँडा भलायटार | ४ | १९.६३ | ७३ |
| ११८ | | | सेरावासखोला | ३ | ९.८.६ | १५४ |
| ११९ | | | चिन्ते | ९ | ३०.८६ | ७३ |
| १२० | | | रैनीपानी आखरक | ५,६,७ | ४६.०२ | ६१ |
| १२१ | | | नाम्लेसाल | ६ | ४७.१६ | ८३ |
| १२२ | | | लसुमैरा | ९ | १५.५२ | ६१ |
| १२३ | | | रुचनडाँडा | ५ | ४६.२२ | ९६ |
| १२४ | | | तिलिङडाँडा | ३ | ११३.४८ | ६९ |
| १२५ | | | पिपलडाँडा | ७ | ५७.२५ | ११७ |
| १२६ | | | अन्नवास | ७ | १५१.२४ | १४१ |
| १२७ | | | कुमुण्डे तथा घुरकुडी | १ | ४४.८१ | १२३ |
| १२८ | | | दूलोपाखा | ३ | १८.२४ | ५७ |
| १२९ | | | थाकलडाँडा | ४ | १३.६ | १५० |
| १३० | | | डल्लेस्वारा महिला | १ | १५.४२ | २५ |
| १३१ | | | दूलोपाखा रुखेनी | | | |
| १३२ | | | जुकेपानी | २ | ९१.२ | १३९ |
| १३३ | | | झ्यालडाँडा फुर्केचौर | ५,७,८ | ११.२५ | ६६ |
| १३४ | | | चिहानडाँडा बरेकघारी | ४ | १४.४५ | ६४ |
| १३५ | दर्ढा | दर्ढा | रानीवन | ७ | १०१.५ | ४४३ |
| १३६ | | | | | | |
| १३७ | | | देउरालीडाँडा | ९ | ४०.८६ | २३ |
| १३८ | | | मैनडाँडा | १,६ | १२.१६ | ३० |
| १३९ | | | गाउडाँडा | ९ | ४०.६४ | ४० |
| १४० | | | दूलोवन | १ | ७९.०६ | ४११ |
| | | | जालिकनीखोला | ३ | ६५.५४ | ६९ |
| | | | समाज विकास | २ | १४.१६ | २९ |

| सि.नं. | सव-डिभिजन | साविक गाविस/नपा | सा.व.उ.स. | साविक वडा नं. | क्षेत्रफल (हे.) | घरधुरी संख्या |
|--------|-----------|-----------------------------|-----------|---------------|-----------------|---------------|
| १४१ | दर्ढा | कारीखोला | | २ | ९४.२७ | ७६ |
| १४२ | | ६ नं. हरियाती | | ६ | ८८.९८ | १२६ |
| १४३ | | धर्मशाला | | २ | ५१.२६ | ६४ |
| १४४ | | सानी अमराई | | १ | ८.०३ | ८६ |
| १४५ | | लामिस्वारा महिला | | ९ | ३.८ | ३१ |
| १४६ | | लामटाड महिला | | ४ | ७३ | ४२ |
| १४७ | | हरियाती | | ५ | ६५ | ५० |
| १४८ | | गोयलाघारी महिला | | २ | ३२ | २९ |
| १४९ | | ढवाहखोरीया | | २ | २२.५ | ४५ |
| १५० | | वासपानी | | ३ | ४०.२५ | ३८ |
| १५१ | | मजुवा आमा | | २ | ७२.७५ | ७६ |
| १५२ | | चिसापानी | | ७ | ५.९४ | ७४ |
| १५३ | | जोगिनी खोरिया मौ | | १ | १८ | १८ |
| १५४ | | बाढाँडा महिला | | | | |
| १५५ | रामपुर | राम्चे | | ४ | ९७.०९ | २७५ |
| १५६ | | ज्याएदी | | १ | २६.३९ | २२२ |
| १५७ | | रातामाटा | | ५ | २.४ | ३४ |
| १५८ | | सालवोटे रामघाट | | ३ | १५.४७ | ३४ |
| १५९ | | वत्तरकोट | | ९ | ४१.२५ | ८१ |
| १६० | | मुढीखोप | | ९ | ८०.६ | १३९ |
| १६१ | | किसानवारी कार्कोडाँडा | | ५ | १०.५३ | ३८७ |
| १६२ | | नवप्रतिभा | | ९ | ५.७४ | ४९ |
| १६३ | | कोप्चे | | ६ | १६.५ | १३९ |
| १६४ | | गडाहढाण | | ८ | ११.४ | ९२ |
| १६५ | | ठाडीउकाली सूर्यवास | | २ | १३९ | ८९ |
| १६६ | | | | | | |
| १६७ | | | | | | |
| १६८ | | | | | | |
| १६९ | खालिवन | रानीबन | | १ | ४४ | ३१६ |
| १७० | | खैरनीबन | | ३ | २८.१६ | १०२ |
| १७१ | | कोर्केआरुखरक | | १ | ५०.७९ | ९४ |
| १७२ | | चुच्चेदुङ्गा | | ६ | १४.१७ | ११४ |
| १७३ | | पिपलपाटा | | ६ | १६.९५ | ११६ |
| १७४ | | एकलेपुऱ्ठार | | ४ | ४.०३ | २७ |
| १७५ | | भेरुछापुर्निधा | | ६ | २५.२६ | ७२ |
| १७६ | | कुसेमाहिला | | २ | १०.७२ | ७३ |
| १७७ | | गैरी वरपिपल | | ३ | ३ | ५३ |
| १७८ | | पोखरीडाँडा, लामडाँडा र कडार | | २,३ | २४.७५ | ९२ |
| १७९ | | धनसारे | | १ | १८.५ | १८४ |

पाल्पा जिल्ला प्रोफाईल

| सि.नं. | सव-डिभिजन | साविक गाविस/नपा | सा.व.उ.स. | साविक वडा नं. | क्षेत्रफल (हे.) | घरधुरी संख्या |
|--------|-----------|-----------------|-----------------------|---------------|-----------------|---------------|
| १७६ | रामपुर | खालिवन | मजुवा खहरे | २ | ४.३५ | ६२ |
| १७७ | | | मन्छेलुड | ५ | ३१.५३ | ८० |
| १७८ | | गेभा | गेब्दीखोला | २ | ८७ | १३८ |
| १७९ | | | नाडोटार बर्दले | ९ | ६.३९ | १५० |
| १८० | | | खहरेखोला | १ | ६.७२ | ५३ |
| १८१ | | | श्यामकोट सालडाँडा | ३,४,९ | ११८.८ | ३२७ |
| १८२ | | रा.न.पा. | तुलोगैरी तारा | १२ | १८.२२ | ६६ |
| १८३ | | | जबादी | १२ | ४४.३२ | १२० |
| १८४ | पूर्वखोला | विरकोट | सिलिङ्ग भन्ज्याङ्ग | २ | ९.३ | १२१ |
| १८५ | | | जुकेपानी | ६ | १४.८८ | १०६ |
| १८६ | | | टेक्रेआप | ४,५ | १९.७८ | १६७ |
| १८७ | | | बुढीलेक | ८ | ५०.३६ | ५१ |
| १८८ | | रिडनेरह | वाहुनडाँडा विर्तापाले | ३ | ३१.५८ | ३९ |
| १८९ | | | हात्तिलेक | २ | ७२.०८ | ३९ |
| १९० | | | साततेआमडाँडा | ९ | ४०.१५ | ३२ |
| १९१ | | | खानपखेरा | ५ | ३०.६८ | ६१ |
| १९२ | | | सिरपुक | ९ | २५.२७ | ६२ |
| १९३ | | | रानीवन | ८ | ३८.१२ | १२४ |
| १९४ | | | अमलावसेनी | ७ | ६८.२५ | ७७ |
| १९५ | | | खडरीपखेरा | ५ | ३.१२ | १११ |
| १९६ | रम्भा | ताहुँ | शंखेडाँडा | ४ | ३९.०८ | १३० |
| १९७ | | | हुलाकीडाँडा | ५ | २.२५ | ६७ |
| १९८ | | | लुम्पेक | ४ | १६.८८ | १०२ |
| १९९ | | | भुत्याहा | १ | १७.३६ | ३६ |
| २०० | | | रम्भादेवी रातामाटा | ३ | ३४.१५ | १०९ |
| २०१ | | हेक्लाड | चेप्टेहुङ्गा | ९ | १८० | १७१ |
| २०२ | | | सपाङ्गदी सिरुङ्गपोखरा | ३ | २२.७२ | ६४ |
| २०३ | | फोकसीङ्गकोट | तिलकुमथामडाँडा | २ | ९४.७४ | २८ |
| २०४ | | | रुपडाँडा | १ | ७.३७ | ३५ |
| २०५ | | | स्नेवास | ४ | ११४.८४ | १०६ |
| २०६ | | | फोकिसडाँडा | २ | ४९.५५ | ३० |
| २०७ | | | तेसोहुङ्गा | ६ | ३२.७५ | ६२ |
| २०८ | | | सिद्धथान सोइदी | २ | ३८.१६ | २६ |
| २०९ | | | चिसापानी | २ | १५.८७ | ५० |
| २१० | | हुङ्गी | मजुवा | ६ | ५५.२६ | ६५ |
| २११ | | | थामडाँडा | ५ | ३१.१६ | ११३ |

| सि.नं. | सव-डिभिजन | साविक गाविस/नपा | सा.व.उ.स. | साविक वडा नं. | क्षेत्रफल (हे.) | घरधुरी संख्या |
|--------|------------|-----------------|------------------|---------------|-----------------|---------------|
| २१२ | रम्भा | हुंगी | संगाहर्वलीटार | ३ | ४६.५ | १०२ |
| २१३ | | | हुंगी अमिलटार | ४ | ७७.७५ | ३३८ |
| २१४ | | | असेर्दी करेजीटार | १,२ | ८२.३ | २०२ |
| २१५ | | | टहरेडाँडा | ८ | २०.३७ | १३१ |
| २१६ | | | दिप | ८ | १५.७५ | ३४ |
| २१७ | | | चिहानडाँडा | ९ | ४.१४ | ५० |
| २१८ | | | जोर्नि | ९ | २.६१ | ४० |
| २१९ | | | पाल्नेकोटथर | ९ | २.७ | ४१ |
| २२० | | पिपलडाँडा | खालटेपानी | ६,९ | २३ | ३४३ |
| २२१ | | | कसिरो | ४ | ११.६७ | ४७ |
| २२२ | | | चुलिंदुंगा | २ | ६.०४ | ७० |
| २२३ | | | गतामाटा गनीवन | १ | २७.४७ | ६२ |
| २२४ | | | थानडाँडा | ३ | ३५.५ | १०१ |
| २२५ | | | म्यादी | ४ | ९.६५ | ३७ |
| २२६ | | | दशामुरे ओखले | ५ | २१.४२ | ७४ |
| २२७ | | | रिमिधा पोसपाखा | १ | १०१.८४ | ८५ |
| २२८ | बग्नासकाली | खानीछाप | पुर्दिशा | २,९ | १४.५ | ९२ |
| २२९ | | | सानोगैरी | ३ | ३.१२ | २६ |
| २३० | | नायरनमतलेस | गनीवन | २,५ | २६.३७ | १२७ |
| २३१ | | | चिलाउनेवास | १ | ९.६१ | ५९ |
| २३२ | | | पहेलीडाँडा | ६ | ११.२८ | ५७ |
| २३३ | माथागढी | चिदीपानी | खुमडाँडा | २ | २७.८१ | १५० |
| २३४ | | | लापडाँडा | ३ | ३४.७३ | ७८ |
| २३५ | | | चन्द्रबन | ३,७ | ५९ | १२२ |
| २३६ | | | केतुकेभर | ४,९ | १०.५९ | ७६ |
| २३७ | | | जनेवाखोला | ८ | ९.०९ | ३६ |
| २३८ | | | ज्ञानडाँडा | ३,७ | ४५.१५ | १२८ |
| २३९ | | | अधमरा | ७ | ३१.९३ | ५४ |
| २४० | | | खन्यागैरा | ७ | ५९.५५ | १०० |
| २४१ | | | वेसिगोदाम | ७ | २६.७२ | ५० |
| २४२ | | | यालताडी | २ | २.३ | ९२ |
| २४३ | | | बहुलाखोला | ९ | ९.७२ | ३९ |
| २४४ | | | बहुवन | २ | ४०.४७ | २०५ |
| २४५ | | | विरुवा वन | ६ | २४.७९ | ५९ |
| २४६ | | | मिहीडाँडा | ३ | २.१७ | १८ |
| २४७ | | | अर्मला | ४ | ३५.०८ | १०५ |

पाल्पा जिल्ला प्रोफाईल

| सि.नं. | सर्व-डिभिजन | साविक गाविस/नपा | सा.व.उ.स. | साविक वडा नं. | क्षेत्रफल (हे.) | घरधुरी संख्या |
|--------|-------------|-----------------|----------------------|---------------|-----------------|---------------|
| २४८ | माथागढी | चिदीपानी | कालोखोला | ६ | २७.५ | ५१ |
| २४९ | | | स्यारखोक | ९ | ३१.२५ | ४९ |
| २५० | | | फेदी | ८ | ११.१४ | २९ |
| २५१ | | | दूलावन | ८ | ३५.५३ | ४७ |
| २५२ | | | धैरेनी | १ | २९.९१ | ११२ |
| २५३ | रम्भा | हुमिन | धामाव्यादी | ९ | १२.४ | २४ |
| २५४ | | | भिमाद | ३ | ३२.२८ | १४७ |
| २५५ | | | क्यासिभित्ता | १ | ५.९६ | ४० |
| २५६ | | | हुमिन रानीवन | ४ | २४.३१ | १०० |
| २५७ | | | वडहरखोला | ५ | ४१.२१ | ७३ |
| २५८ | | | चुल्हातुड | ३,४ | १५.७१ | ५९ |
| २५९ | | | मार्सिंडाँडा | ८ | ८.४१ | ७५ |
| २६० | | | आर्गिंडाँडा | ९ | ४३.५८ | ५३ |
| २६१ | | | करमदिप | ९ | ३७.८ | ४५ |
| २६२ | | | भाकरडाँडा | ३ | ७.६२ | ४३ |
| २६३ | पूर्वखोला | देविनगर | सपाडदी | ५ | ७.२५ | ५१ |
| २६४ | | | वयरडाँडा | ३ | ८.९६ | ५८ |
| २६५ | | | खायखोला | ९ | २४.५७ | ६२ |
| २६६ | | | भानुमाता | २ | ४८.५२ | ७४ |
| २६७ | | | पिपलडाँडा देउराली | ७ | ३०.१४ | ५२ |
| २६८ | | | वझादी वोहरीथोक | ४ | १२.०४ | ७७ |
| २६९ | | | कफलदी | ८ | ६.६१ | ६७ |
| २७० | | | दोद्री | ४ | ४०.१ | ७६ |
| २७१ | | | बज्जडाँडा तारेपहार | १ | २२.६ | १०५ |
| २७२ | | जल्पा | सुखौरा | १ | २३३ | ६० |
| २७३ | | | राम्चे मौवाडहर | ८ | १५८.२२ | ५५ |
| २७४ | | | पोखरा भन्ज्याड | ६ | ४८.३ | १८ |
| २७५ | | | धापडाँडा घडेरीथुम्का | ४ | ४७३.३२ | ६३ |
| २७६ | | | सल्लेनी | २ | ४०.७१ | ११९ |
| २७७ | | | सपाङ्गदी | ३ | ५२.२८ | ६५ |
| २७८ | माथागढी | बहादुरपुर | थुमास प्यारडाँडा | १ | २८५.६३ | १५१ |
| २७९ | | | फुर्मेंडाँडा | ४ | १०९.९१ | २८ |
| २८० | | | मोरहान लंकाकोट | ५ | ९७.४४ | ५१ |
| २८१ | | | धर्मशाला लितकी देवी | ३,९ | १९०.७७ | ६० |
| २८२ | | | जनहित महिला | २,५ | १८४.६६ | २९ |

| सि.नं. | सव-डिभिजन | साविक गाविस/नपा | सा.व.उ.स. | साविक वडा नं. | क्षेत्रफल (हे.) | घरधुरी संख्या |
|--------|-----------|--------------------|-----------|---------------|-----------------|---------------|
| २८३ | रहवास | मेरेओडार पाताल | १ | ४३.५३ | ५० | |
| २८४ | | कौवाडाँडा | ८ | १२.०२ | १९ | |
| २८५ | | जागुडाँडा | ७ | १०८.२६ | ३४ | |
| २८६ | | सालडाँडा | ५ | २९.३ | २७ | |
| २८७ | | बादुर | ५ | ९.२४ | २२ | |
| २८८ | | थाकनदमार | ६ | ९.८.७ | ३५ | |
| २८९ | | सुकुमारी पखेरा | ६ | १३३.३७ | ६५ | |
| २९० | | बुढीचौर | ८ | ३८.८५ | २० | |
| २९१ | | पोष्टारीआरच्याडवास | ३ | ४२.८७ | ४० | |
| २९२ | | ढावो | ५ | ८९.२३ | १४ | |
| २९३ | | थामडाँडा | ६ | २८.८७ | २८ | |
| २९४ | | ढोल्काडाँडा | ३,९ | ९९.५ | ४३ | |
| २९५ | | मौलाथर | ४ | ७१.३२ | ३२ | |
| २९६ | माथागढी | माहिलाचौर | १ | ५२.३५ | ३८ | |
| २९७ | | टोक्तौदी | ९ | ३७.५ | २४ | |
| २९८ | | सान्तीवन | ४ | १३.२६ | २२ | |
| २९९ | | न्यूरीकोट | १ | ४२.४८ | ७० | |
| ३०० | | मलौटा चौपारी | ८ | १५७ | ८२ | |
| ३०१ | | नादी | ३ | २२८.५६ | ९३ | |
| ३०२ | | सातप्रे | ४ | २१ | २५ | |
| ३०३ | | हातीलुङ्क | ५ | ७९ | ३३ | |
| ३०४ | | दुवारी | ४ | २४४.५६ | ३६ | |
| ३०५ | | भवना | ६ | ७२.२९ | २९ | |
| ३०६ | | माथागढी | ६ | ४२.३८ | ३३ | |
| ३०७ | | श्रीकडाँडा | ५ | ८१.८२ | १८ | |
| ३०८ | | केतुकी दमार | ४ | १०२.५८ | ३२ | |
| ३०९ | | हरियाली | ४ | १५३.३५ | २३ | |
| ३१० | | गरगरेडाँडा | ५ | १६५.३९ | २७ | |
| ३११ | गोठादी | समनपोखरा | ५ | ४७.४१ | १९ | |
| ३१२ | | अलैची | ३,७ | १०७.८१ | २२० | |
| ३१३ | | बहखोर | ४ | ५७.०४ | ३० | |
| ३१४ | | केउरादी | ३ | २००.४८ | ४० | |
| ३१५ | | गोरेडाँडा | ५ | १०५.३२९ | ३३ | |
| ३१६ | भडेवा | जोर्टेघोली | ६ | १९८.६४ | ५६ | |
| ३१७ | | मनकडाँडा | ६ | ५.१ | ३६ | |
| ३१८ | | धारादीपाखा | २ | १४ | १९ | |

| सि.नं. | सव-डिभिजन | साविक गाविस/नपा | सा.व.उ.स. | साविक वडा नं. | क्षेत्रफल (हे.) | घरधुरी संख्या |
|--------|-----------|-----------------|------------------------|---------------|-----------------|---------------|
| ३१९ | माथागढी | भुडेवा | सौरेनी | २ | २.८ | ३१ |
| ३२० | | | रेठि | ९ | ६५.९९ | १०६ |
| ३२१ | | | बोखर महिला | ३ | २८.१८ | १०८ |
| ३२२ | | | मालिकादेवी | २ | १९.६२ | ६९ |
| ३२३ | | | फेचेवास देउरनली | ३ | १३.५३ | ३४ |
| ३२४ | | | खोरेडाँडा | ६ | ५.६५ | ७३ |
| ३२५ | | | जामुनडाँडा | ५ | ४४.०३ | ८३ |
| ३२६ | | | छिस्कुनडाँडा | ३ | ९७.४ | ९६ |
| ३२७ | | | खेरेकोटचिव्रेशाप | ७ | २०.५ | ७३ |
| ३२८ | | | थारुङ्गा | ६ | ११६.५४ | ६८ |
| ३२९ | | | सोरोकोट | २,६ | ५८.९१ | ११३ |
| ३३० | | | दानासिंग्गा | ९ | ५१.४५ | ९५ |
| ३३१ | | रुप्पे | झोपरगैरा | ८ | ५२ | ७४ |
| ३३२ | | | भन्ज्याडकालिका | ७ | ३८.५१ | ७५ |
| ३३३ | | | वयरडाँडा | १ | ३६.५ | १२३ |
| ३३४ | | | सिवलीगान | ५ | ३०.२५ | ५५ |
| ३३५ | | | देउरालीभन्ज्यडमहिला | ६ | ६८.२२ | ८५ |
| ३३६ | | | भुडुङ्गे मरेकटुवा | ६ | ३८.०५ | ६६ |
| ३३७ | | | रानीकुवा | ९ | ५४.२६ | ६५ |
| ३३८ | | | पिपलडाँडा | ४ | १८.५६ | ७२ |
| ३३९ | कसेनी | कसेनी | गेजावास | ५ | ७३.७५ | १०४ |
| ३४० | | | पुक्तुड रानीवन | ४ | ७७.०९ | ३८ |
| ३४१ | | | भिरगीडा मसानघाट | ८ | २७.३ | ५० |
| ३४२ | | | टेटेनडाँडा महिला | ४ | २.४६ | २५ |
| ३४३ | | | राक्स भन्ज्याङ्ग | ७ | ११.७ | १२० |
| ३४४ | | | कौडेलेक | २,३ | ५५.२५ | ७८ |
| ३४५ | | | केराभिता | १ | ८.६१ | ६७ |
| ३४६ | तिनाउ | कोलडाँडा | विस्कुनडाँडा | ५ | ८.२३ | ८७ |
| ३४७ | | | दुम्कीडाँडा | ७ | ५ | ६६ |
| ३४८ | | | चंखे रानीवन | ८,९ | १३ | १५१ |
| ३४९ | | | बिस्कुनडाँडा घुगुराशाप | ६ | २७.८ | ३९ |
| ३५० | | | सिमलदी | ८ | ६१.७५ | ६३ |
| ३५१ | | | सत्यवती | १ | १५१.५ | ६० |
| ३५२ | | | रितुवर्ण | ३ | ६०.८ | ५२ |
| ३५३ | | | देउराली खाम्चाडाँडा | ४ | २३ | १०८ |
| ३५४ | | | दमार | ४ | १३९.५ | १३५ |

| सि.नं. | सव-डिभिजन | साविक गाविस/नपा | सा.व.उ.स. | साविक वडा नं. | क्षेत्रफल (हे.) | घरधुरी संख्या |
|--------|-----------|-----------------|----------------------|---------------|-----------------|---------------|
| ३५५ | तिनाउ | कोलडाँडा | सत्यवती महिला | १ | १७६.३६ | ९५ |
| ३५६ | | | गिजिनचौर | २ | ५.१८ | ६२ |
| ३५७ | | | खलडुदी | ९ | ७०.३९ | ९७ |
| ३५८ | | मस्याम | गाउसे | ५ | ३८.७५ | ६९ |
| ३५९ | | | भिराले देउराली | १,२,९ | २६.७५ | ५३ |
| ३६० | | | कलसे वाँधवारी | ७ | २१.५ | ५६ |
| ३६१ | | | पधेरागैरा | ५ | १६.२५ | ३४ |
| ३६२ | | | करमदिप | ५ | १४.७९ | ३१ |
| ३६३ | | | देविस्थान जुल्डाँडा | १ | ५०.५ | ६३ |
| ३६४ | | | धारादी | ६ | ४७.३२ | ७६ |
| ३६५ | | | टूलो सालघारी | २ | ७४.९ | १५९ |
| ३६६ | | | ग्वांजीवुढी | ९ | १२.५ | १८ |
| ३६७ | | | धरापडाँडा | ९ | ४.७ | २८ |
| ३६८ | | | खुर्सानीडाँडा | २ | ६.७५ | १५ |
| ३६९ | | | पिपेन्दी सल्लेरी | ७ | २६.२४ | ३७ |
| ३७० | | | सिसुवालगाडाँडा | ९ | २२.७५ | ४२ |
| ३७१ | | | दंगाली | ४ | ३०.२५ | ४८ |
| ३७२ | | | घोर्केक | ४ | २३ | ६१ |
| ३७३ | | | सल्लेरीराजवृक्ष | ७ | ३७.५९ | २९ |
| ३७४ | | | रिपवन | ५ | ८६.५ | १५१ |
| ३७५ | | | श्रृजना | ७ | १५.२५ | १८ |
| ३७६ | | | सुन्दरवन | ८ | ६.७५ | १०७ |
| ३७७ | | | देउराली टुलो सालघारी | १,५,६,७ | ८४.३१ | २६२ |
| ३७८ | | | राजुवन सल्लेरी | ७ | २८.३६ | २२ |
| ३७९ | | | बिचारीदमार | ४ | १०२.०१ | ५३ |
| ३८० | | | ग्याजाडाँडा | ४ | १५.६८ | ६२ |
| ३८१ | दोभान | दोभान | सातपत्रे | ६ | १७४.३८ | १०४ |
| ३८२ | | | सिस्वेरी | ३ | ८६.१३ | ४५ |
| ३८३ | | | चिरीडाँडा | ५ | १४१.५ | ३४ |
| ३८४ | | | पहेल पोखरी | ९ | ५३.८४ | २९ |
| ३८५ | | | वदेलपोखरी | ७ | १९१ | ७८ |
| ३८६ | | | भुतखोला | ५ | ८४.३७ | ३९ |
| ३८७ | | | ढापखोला | ७ | २६६.३६ | १०९ |
| ३८८ | | | अर्धांघाप | ५ | १११.४१ | ५२ |
| ३८९ | | | तिलोत्तमा | ५ | १३१.१७ | ६७ |
| ३९० | | | सुपारीथरी | ९ | १११.८७ | ६० |

पाल्पा जिल्ला प्रोफाईल

| सि.नं. | सव-डिभिजन | साविक गाविस/नपा | सा.व.उ.स. | साविक वडा नं. | क्षेत्रफल (हे.) | घरधुरी संख्या |
|--------|-----------|-----------------|------------------|---------------|-----------------|---------------|
| ३९१ | तिनाउ | दोभान | देविस्थान बडहरे | ३ | १८३.८३ | ६८ |
| ३९२ | | | गणेश | ७ | १४०.५ | ५४ |
| ३९३ | | | कुमुमडाँडा | ७ | ११९.१८ | ४० |
| ३९४ | | | पासकुण्डा | ९ | ६९.६८ | ६९ |
| ३९५ | | | बरपोखरी | ९ | १५९.२९ | ६४ |
| ३९६ | | | श्रीडाँडा | ४ | ५८.५५ | ७२ |
| ३९७ | | | करेनी रानीवन | ८ | ९४ | ६१ |
| ३९८ | | | मातृभूमी | ४ | १३८.४४ | ७२ |
| ३९९ | | | भुम्सा खुलखुले | १ | ३४३.०७ | १०७ |
| ४०० | | | गौतम | २ | १५३.४३ | ४५ |
| ४०१ | | | वेवरेचितरीगौडा | ७ | १९१.२२ | ४५ |
| ४०२ | | | हात्तिकोट | २ | १८०.५९ | ६० |
| ४०३ | | | रानीवास | ४ | १०६.४४ | २५ |
| ४०४ | | | राजारानी | ७ | १७५.१२ | १०७ |
| ४०५ | | | दुडीखेल | ७ | ११७.२२ | ३३ |
| ४०६ | | | फूलवारी | २ | ६४ | ३२ |
| ४०७ | | | न्याउली बसन्त | ५ | १५०.५ | १४ |
| ४०८ | | | कोहिली | २ | ९३.५ | २१ |
| ४०९ | | | ज्यामिरे | २ | ६३.५ | ४१ |
| ४१० | | | देउराली | २ | ९६.३६ | ४१ |
| ४११ | | | शिवगुफा | ९ | ३००.४३ | ५३ |
| ४१२ | | | आर्दश माहिला | १ | २७.३८ | ६४ |
| ४१३ | | | आँपखोली | ७ | ८०.२५ | १६ |
| ४१४ | | | सिर्जनशिल माहिला | ७ | ११८.९७ | ९९ |
| ४१५ | | | त्रिवेणी माहिला | ७ | ११२.७ | ७२ |
| ४१६ | | | प्रगतीशिल माहिला | २ | ३३.१७ | ५८ |
| ४१७ | रिब्दीकोट | ठिमुरे | रानीवन खल्लुखर्क | ९ | ७६.०५ | ३४ |
| ४१८ | | | मौवाधाराकेरेनी | ९ | ९२.२५ | ६४ |
| ४१९ | | | धूस्तुडाँडा | ३,९ | १०.१२ | ४७ |
| ४२० | | | खरीगैरा | ८ | ८५ | ५६ |
| ४२१ | | | लुकुचैरा | ९ | १७.६५ | ३६ |
| ४२२ | | | खाडानुनथला | ९ | ८२ | १८ |
| ४२३ | | | रानीवन | १ | २०.५९ | ३८ |
| ४२४ | | | चंखेनी | ८ | ६.२८ | ४४ |
| ४२५ | | | थाम्केडाँडा | ९ | २२.०४ | ६७ |
| ४२६ | | | बिसौना | ३ | २२५.७६ | ७३ |

| सि.नं. | सव-डिभिजन | साविक गाविस/नपा | सा.व.उ.स. | साविक वडा नं. | क्षेत्रफल (हे.) | घरधुरी संख्या |
|--------|------------|-----------------|----------------------|---------------|-----------------|---------------|
| ४२७ | तानसेन | तेल्घा | भारकेस | १ | १९० | ३३० |
| ४२८ | | | दूलोबनसिंगाले | ७ | २५.४५ | ७० |
| ४२९ | | | सुरुड | २ | १५.६७ | १३० |
| ४३० | | | वेलाउती चउर महिला | ९ | ८.४७ | ३७ |
| ४३१ | | | आलेखक ज्यामिरेकोल | ५ | २८.२९ | १०५ |
| ४३२ | | | गुरासडाँडा | ४ | ८८.०७ | १०१ |
| ४३३ | | | राम्चे | ३ | १९.९८ | ५७ |
| ४३४ | | | कुण्डलीदेवी महिला | ४ | ३.८ | ८२ |
| ४३५ | | | वर्डाँडा | ५ | ३२.६८ | ३४ |
| ४३६ | | | लहरीमने | ३ | २२.०१ | ७० |
| ४३७ | | | अरजाव्दी | ३ | १३.१८ | ८६ |
| ४३८ | | | आगील्ली पिपल | ९ | १.१ | ४५ |
| ४३९ | | | पुजनडाँडा | ६ | ९.१३ | ४४ |
| ४४० | | | गोविन्देसुनडाँडा | ६ | २१.७ | ५४ |
| ४४१ | मदनपोखरा | मदनपोखरा | शिखरडाँडा | ५ | ४२ | १६५ |
| ४४२ | | | मूलगैरा | ९ | १३.१७ | १०० |
| ४४३ | | | वाढखोला | ७ | १२.३२ | १८५ |
| ४४४ | | | दूलोपाखो | ७ | १२ | ११९ |
| ४४५ | | | चिदियारढाक्रेवास | ८ | १२.८६ | १११ |
| ४४६ | | | काभ्रेडाँडा बायरखर्क | ४ | ११५ | २२० |
| ४४७ | | | खावा | ३ | १२५.५ | २०७ |
| ४४८ | | | वराडदी कोहल | ७ | १६.५५ | १२५ |
| ४४९ | | | केवेरे भाईडाँडा | ६ | ७.९३ | ११४ |
| ४५० | | | अंधेरीछाल्ले | ६ | १८.२ | १६५ |
| ४५१ | | | पोसपाखा | १ | १३९.९६ | १६७ |
| ४५२ | | | काटेसरा | २,३,५ | १०४ | ११४ |
| ४५३ | बग्नासकाली | पोखराथोक | बलावन | ४ | ६.१३ | १५० |
| ४५४ | | | डुम्पिकटुवा | ९ | ८.५ | ३२ |
| ४५५ | | | देउराली | ३ | १५.११ | १४० |
| ४५६ | | | कल्पुठिया | ४ | ६.५८ | २४० |
| ४५७ | | | गोफेकलामिडाँडा | २ | १६.२८ | २६४ |
| ४५८ | | | बुढीमारे तथा रानीवन | ९ | ४.८३ | ६० |
| ४५९ | | चिर्तुञ्जधारा | भलुवाचौर | ६ | ७.११ | १०८ |
| ४६० | | | काफ्लेतोष | ७ | ४.३६ | ४६ |
| ४६१ | | | कोठीचउर | ३,७ | १७ | १४५ |
| ४६२ | | | चिलाङ्गी | ४ | ६.८६ | ९५ |

पाल्पा जिल्ला प्रोफाईल

| सि.नं. | सव-डिभिजन | साविक गाविस/नपा | सा.व.उ.स. | साविक वडा नं. | क्षेत्रफल (हे.) | घरधुरी संख्या |
|--------|------------|-----------------|-------------------------|---------------|-----------------|---------------|
| ४६३ | बगनासकाली | चिरुङ्गधारा | कुमाले भिर | ७ | ७.४६ | १२९ |
| ४६४ | | | बालिका | ९ | ९.२३ | १२५ |
| ४६५ | | | बेलानी चौर दुङ्गखानी | ७ | ६.६ | ४८ |
| ४६६ | ता.न.पा. | ता.न.पा. | राउतडाँडा | १२ | ३७ | १५३ |
| ४६७ | | | कुमुमडाँडा | ९ | १४ | २९७ |
| ४६८ | | | लिपिन्देवी दूलो पाखो | १३ | २८.२३ | १५८ |
| ४६९ | | | शान्तिकुन्ज | ११ | २.९ | ३६ |
| ४७० | | | वेनीडाँडा | १४ | २८.८१ | ३७२ |
| ४७१ | | | चौलानी गैरा | १४ | १६ | २५८ |
| ४७२ | | | पारीहिटी | १० | २.६१ | २६ |
| ४७३ | | | दुगेडाँडा सृजना | ९ | १९.६६ | ६९ |
| ४७४ | | | वंशगोपाल | १४ | ११.२४ | ४१६ |
| ४७५ | | | काजीपौवा | ११ | २४.०३ | १०८ |
| ४७६ | | | तिनलाकुरी बाक्ले काफल | १३ | १७.२५ | २४५ |
| ४७७ | | | श्रीनगर गणेश | ८ | ३७.०८ | १३३ |
| ४७८ | | | वासपोखरा वनदेवी | १२ | ११.६ | १५४ |
| ४७९ | | | कैलाश वसन्त | ६,७ | १४.६ | १९२ |
| ४८० | | | देउराली | ४,५,११ | १२.६८ | ५६ |
| ४८१ | | | चण्डी | १० | ७.२९ | ७९ |
| ४८२ | | | ध्रुवधाटमहिला | १० | ६.३६ | ५४ |
| ४८३ | | | वनदेवी | १२ | १९.७१ | १८२ |
| ४८४ | | | भुमालडाँडा | १० | ६.१२ | ९६ |
| ४८५ | | | मिलिजुनी पालेको स्माइलो | १३ | २२.७५ | १७४ |
| ४८६ | | | वतासेडाँडा शिव मन्दिर | १३ | ६.५७ | ६२ |
| ४८७ | | | भिरपानी | ७ | ८.७९ | ९५ |
| ४८८ | | | सालधारी वेलखर्क | १२ | ३८.७१ | २२२ |
| ४८९ | वन्दिपोखरा | वन्दिपोखरा | वभा | ५,९ | ५६.५५ | १२५ |
| ४९० | | | चिलाउने पानी | ७ | २५ | ११४ |
| ४९१ | | | जोगेपानी रालथुम | ३,७,८ | २२.७८ | १०४ |
| ४९२ | | | चिलाउनेखर्कगहते | ३ | २८.५ | ११० |
| ४९३ | | | खहरे | ३ | १०.५६ | १११ |
| ४९४ | | | खिल्लेनी धैरेनी | १ | ४.४३ | ८५ |
| ४९५ | | | भर्तेगैरा | ६ | १११.७५ | १६७ |
| ४९६ | | | तिलाहारसांखर | २ | ५६.५ | ३७६ |
| ४९७ | | | नाथ्युड खैरिकोट | ६ | ४८.७१ | २७४ |
| ४९८ | | | गेवा | ४ | ४.१६ | १७ |

| सि.नं. | सव-डिभिजन | साविक गाविस/नपा | सा.व.उ.स. | साविक वडा नं. | क्षेत्रफल (हे.) | घरधुरी संख्या |
|--------|------------|-------------------|--------------------|---------------|-----------------|---------------|
| ४९९ | रिब्दीकोट | भैरवस्थान | महिंजर सल्लोरी | ५ | ६७.७५ | १२६ |
| ५०० | | | मसुरे | ४ | ३४ | ७० |
| ५०१ | | | चिलाउनेडाँडा महिला | १ | ४.७६ | ३८ |
| ५०२ | | | पूर्णाकोट | ७ | ५.६७ | ५० |
| ५०३ | | | रानीठाटी | १ | ८.३ | ९० |
| ५०४ | | | तुल्सीमैरा | २ | २३.२९ | ७९ |
| ५०५ | | | मन्छिप | ६ | २४.२७ | ५१ |
| ५०६ | | | चिसापानी | ८ | २८.०९ | ६४ |
| ५०७ | | | रास्कोटीधयरीखर्क | ९ | ७५.१५ | १०३ |
| ५०८ | | | पोखलडाँडा | ३ | २१.५४ | ६० |
| ५०९ | | | कालिकागगनपानी | ८ | ६.१४ | ५० |
| ५१० | तानसेन | वौघापोखराथोक | सल्लोरीवन | ४ | २८.६७ | ४५ |
| ५११ | | | धाराहीपाखा | १ | ४४.५ | ९७ |
| ५१२ | | | कार्तिके शान्तिचौर | ५,६ | १३८.४४ | २०१ |
| ५१३ | | | जर्नेटा चुनहुङ्गा | ७ | १००.४४ | ७९ |
| ५१४ | | | चमेलीडाँडा | ३ | ३४.९ | ४० |
| ५१५ | | | तिरतिरे | ८,९ | २८.२९ | ६२ |
| ५१६ | | बराडी | जर्नेलधारा | ३ | ८.५६ | ५९ |
| ५१७ | | | तल्लोश्रीनगर | ४ | १२.७३ | ४० |
| ५१८ | | | रिपधारा | २ | २०.०९ | ४८ |
| ५१९ | | | उकालेपिपल | २,६ | २५.१७ | ७२ |
| ५२० | | | घिउसीबास | ८ | २६.३६ | २२८ |
| ५२१ | | चापापानी | दप्सेचउर | ६ | १०.५४ | २५५ |
| ५२२ | | | संतिघा | १,३,४,५,८ | १२.६५ | २११ |
| ५२३ | | | शिवालय | ६ | १४.९४ | ५२ |
| ५२४ | दर्लमडाँडा | लामिडाँडा | लामिडाँडा | १,३,७,८ | ९ | १०१ |
| ५२५ | | | मोहनी भन्ज्याड | ९ | ८.५ | १२६ |
| ५२६ | | | सानीउकाली | १ | १४.३२ | ८४ |
| ५२७ | | | आरविन्दी रानीवन | ५ | ३.४९ | ३३ |
| ५२८ | | यम्धा | धेरनीपाखा | ४ | ४ | २७ |
| ५२९ | | | कुवेर | ३ | १३७.७३ | ६२१ |
| ५३० | | | खहरे दूलो बगर | ६ | ३३.२७ | १३० |
| ५३१ | | | सल्लोरी | ३,४,७ | ११ | २४५ |
| ५३२ | खानीगाउँ | कुलेखानी धोरडाँडा | कुलेखानी धोरडाँडा | १ | ३०.७७ | ६९ |
| ५३३ | | | मिभारेकोल बगर | ३ | १८.०८ | २३ |
| ५३४ | | | गोखको | ३,४,६,८,९ | २१.६ | १२१ |

| सि.नं. | सव-डिभिजन | साविक गाविस/नपा | सा.व.उ.स. | साविक वडा नं. | क्षेत्रफल (हे.) | घरधुरी संख्या |
|--------|-----------|-----------------|----------------------|---------------|-----------------|---------------|
| ५३५ | तानसेन | वौघागुम्बा | मुसिपेखरा | ६ | २३.२४ | २७ |
| ५३६ | | | चमेरेडाँडा | ७ | १०.५३ | ६४ |
| ५३७ | | | बादलखाने | ६ | २४.२७ | ३० |
| ५३८ | | | बुकेनी | ४ | ३४.५८ | ७५ |
| ५३९ | | | बाघखोर कमेरे बफादी | ८,९ | ७४.५२ | ९२ |
| ५४० | | | गल्लक सालधारी | ७ | ४२.३४ | ३२ |
| ५४१ | | | तारु गैरा अलकालेक | १ | ४.४९ | १३६ |
| ५४२ | | | भुल्के कमेरे | २ | ७.८२ | ४६ |
| ५४३ | | अर्गली | रैनि दमार गोथानाम | ६ | १४.७५ | ६८ |
| ५४४ | | | भुल्के चिंदि | ५ | ७.७२ | ४४ |
| ५४५ | | | सनुवा | ३ | १०७.३८ | १८५ |
| ५४६ | | | साडुडु मिर्जातुड | ७ | २६.६१ | ४० |
| ५४७ | | | दूलोगैरा | २,८ | २९.९६ | १५६ |
| ५४८ | | | खक्रयान सल्लेरी | ७ | ८१.८३ | १४४ |
| ५४९ | | | देउराली लेवासे | ८ | २४.९८ | ८२ |
| ५५० | | | हुसेनी | ९ | ५३.०८ | ४२ |
| ५५१ | रिब्दीकोट | देउराली | कुडापानी | १ | ३५.०६ | १२० |
| ५५२ | | | कुसेनी | ४ | ३५.५७ | ८७ |
| ५५३ | | | वृन्दावन | २ | ३९ | ३७ |
| ५५४ | | | रिपकोवन | २,७ | २४.७४ | १०१ |
| ५५५ | | | सालधारी | ३ | २६.६८ | ८७ |
| ५५६ | | | मालेमोरा | ५,७ | ३६.२५ | ११४ |
| ५५७ | | | लेककोवन | १,९ | ६८.५ | १३७ |
| ५५८ | | | खुटीलाम | ८ | १६०.२५ | १२० |
| ५५९ | | खस्यौली | भारेखोला | १ | ४८.५ | १८६ |
| ५६० | | | पन्धीको वन | ५ | २३.८७ | ७७ |
| ५६१ | | | लरिङ्गेधार | ४ | ४२.७५ | ४९ |
| ५६२ | | | झर्दीनिनधारा | २,३,९ | ४०.७ | १६४ |
| ५६३ | | | रिपधारा | ४ | २८.३४ | ४२ |
| ५६४ | | | सौरगैरा रानीवन | ६ | ३६.१४ | ६९ |
| ५६५ | | | रामपोखरी | ८ | ४०.७१ | ७३ |
| ५६६ | | | विलाउनेपानी दुम्की | १ | ७९.७५ | १२९ |
| ५६७ | | | विलाउने पानी सालधारी | ९ | ३८.६५ | ६१ |
| ५६८ | | | चिदीयारभुटुकटारी | ५ | १८ | ३९ |
| ५६९ | | | लप्सीको | ७ | ४५ | ४६ |

| सि.नं. | सव-डिभिजन | साविक गाविस/नपा | सा.व.उ.स. | साविक वडा नं. | क्षेत्रफल (हे.) | घरधुरी संख्या |
|--------|---------------|---------------------|-----------|---------------|-----------------|---------------|
| ५७० | कुसुमखोला | रानीवन | ८ | ७३.२५ | ६५ | |
| ५७१ | | दर्लाम | ९ | ८७.७८ | ६१ | |
| ५७२ | | भैरव | २ | १७.४५ | ६५ | |
| ५७३ | | देवीडाँडा | १ | ३८.६८ | ३३ | |
| ५७४ | | भगवती | ३ | १६.७ | ६१ | |
| ५७५ | | रिब्दीकोट जलेश्वर | ६ | ९८.१३ | ६९ | |
| ५७६ | | रिब्दीकोट | ७ | ४८.९१ | ५० | |
| ५७७ | | हरियाली | ५ | ३७.७२ | २९ | |
| ५७८ | | चिसापानी | ४ | १५.४९ | ३४ | |
| ५७९ | | खुरेडाँडा | ९ | १५.२४ | ८६ | |
| ५८० | पालुङ्गमैनादी | भालुवन | ६ | १८१.२५ | १७१ | |
| ५८१ | | मकास | १,२,३,४,५ | १३१.७१ | २९९ | |
| ५८२ | | पालुङ्ग | ८ | १४१.३२ | १२९ | |
| ५८३ | | दूलोदुडिगा | ७ | ३३.६६ | ७८ | |
| ५८४ | | पुजागर्नडाँडा | ७,९ | ९.४१ | ७७ | |
| ५८५ | | कटौजेपानी | ४ | ३५.१८ | ८५ | |
| ५८६ | मुझुङ्ग | नयाँदेवी | ७ | ४२.७५ | ८४ | |
| ५८७ | | वासडाँडा | ६,९ | ७७.७५ | ८८ | |
| ५८८ | | बाइनडाँडा राम्चे | २ | ४६.६८ | ८५ | |
| ५८९ | | पोखेडाँडा | १,२,३,८ | ४३.३९ | ९५ | |
| ५९० | | सिरुपानी देलुङ्गा | ४ | २४.३ | ४६ | |
| ५९१ | सोमादी | राधाकृष्ण | ६ | ४२.३७ | १०५ | |
| ५९२ | | अर्णिलायाखर्क | ५ | ७९.४४ | ९३ | |
| ५९३ | | दमार वसाह | ७,८ | ६७.७५ | १५१ | |
| ५९४ | | मधुवन | १ | १२० | १६७ | |
| ५९५ | ख्याहा | लस्पीखोला | ६ | ४७.५ | ३०८ | |
| ५९६ | | दूलोवन | ७,८,९ | १०९.५ | ३६० | |
| ५९७ | | खहरे | ९ | ८.४९ | ८२ | |
| ५९८ | | देउले | ३,८ | ६६.५ | २१९ | |
| ५९९ | | भेडेखोलारिठे | ८ | ८४ | १६४ | |
| ६०० | | लिस्मे | ४,५ | ८१.६२ | ४०२ | |
| ६०१ | | ढडेनीखोरिया | १ | २७.६८ | १२० | |
| ६०२ | सिद्धेश्वर | मोतिलाल | १ | ११.९५ | १०८ | |
| ६०३ | | सिद्धसाजपोखरी खमारी | ७ | ४६.७५ | ६९ | |
| ६०४ | | सल्लेरी पाखापानी | ४,५ | १५१.५ | १२० | |
| ६०५ | | रामसारी | ६ | ६५.७७ | ५३ | |

पाल्पा जिल्ला प्रोफाईल

| सि.नं. | सव-डिभिजन | साविक गाविस/नपा | सा.व.उ.स. | साविक वडा नं. | क्षेत्रफल (हे.) | घरधुरी संख्या |
|--------|---------------|-----------------------------|-----------|---------------|-----------------|---------------|
| ६०६ | भुवनपोखरी | धइनडाँडा | ४ | ६४ | १२० | |
| ६०७ | | धरापेनेपेठेर्डि | ७ | ६५.०५ | ९२ | |
| ६०८ | | काभ्रेखान्टुड | २ | ३३.२४ | ४३ | |
| ६०९ | | भर्लेसेनपोखरी | ४ | २९.३७ | १४६ | |
| ६१० | | सल्लेरी तूलो रानीवन | ५ | १९८.२५ | २५३ | |
| ६११ | | बुढीखोरीया | २ | ११.०२ | ३७ | |
| ६१२ | | मरेइधारा मान्फ पोखरी बिसौनी | ६ | ४३.६५ | १२८ | |
| ६१३ | | अमलावास लेकसल्लेरी | ५ | ७३.२२ | १०६ | |
| ६१४ | रिब्दीकोट | चोरगोठ | ३ | १८.७४ | ३९ | |
| ६१५ | | छहरधारा | ७ | १०.०९ | ८३ | |
| ६१६ | | मेलढाप काफलवुटा | ९ | ८ | १०७ | |
| ६१७ | | चारिखेले | ४ | १६.५ | ७० | |
| ६१८ | | सल्लोधारा | ८ | ३२.५ | १०२ | |
| ६१९ | | धनमुढा रानीवन | ६ | ४५.७५ | ८८ | |
| ६२० | | सिरीखोला | ३ | १६२.५ | ८२ | |
| ६२१ | | तल्लोवाख्ने धैरेनी | ७ | ८३.२७ | ८९ | |
| ६२२ | | पाखुरे | ४ | ३०९.५३ | १३४ | |
| ६२३ | | पारीखोरीया माथिल्लो बाख्वे | २ | १३०.२३ | २१६ | |
| ६२४ | | चुहार नेपाने | ३ | १४.३६ | ४३ | |
| ६२५ | | सालधारी | ५ | ३५.४५ | ४५ | |
| ६२६ | | पाताल सल्लेरी | ५ | १२९.२५ | १४२ | |
| ६२७ | | भयरपानी | ९ | ५३ | ९२ | |
| ६२८ | | बुढीखोरीया | २ | ७९.१६ | ११७ | |
| ६२९ | | धैयार दर्लाम आरुपाटा | ८ | ६६.५ | २२० | |
| ६३० | फेक | सोमहर | ७ | ११६.२५ | १८२ | |
| ६३१ | | फेक | ८ | ९३.९९ | ११६ | |
| ६३२ | | रानीवन | ९ | २९.०३ | ६८ | |
| ६३३ | | वेग्दी | ६ | ३५.५ | ८७ | |
| ६३४ | | काभ्रेपानी | २ | ३१.७८ | ३८ | |
| ६३५ | | ताल्तुड रानीवन | १ | ८२.५ | ७२ | |
| ६३६ | | पेलाचौर खहरे | २ | ९९.४८ | ६१ | |
| ६३७ | | रानीवन | २ | १६२ | १०० | |
| ६३८ | रैनादेवी छहरा | डुमरी पखेरा | २ | ७६.८७ | ६० | |
| ६३९ | | जौखोरीया | ४ | ४०.७५ | ९७ | |
| ६४० | | गोठाहार रानीवन | ५ | ४९ | ४६ | |

| सि.नं. | सव-डिभिजन | साविक गाविस/नपा | सा.व.उ.स. | साविक वडा नं. | क्षेत्रफल (हे.) | घरधुरी संख्या |
|--------|---------------|-----------------|----------------------|---------------|-----------------|---------------|
| ६४१ | रैनादेवी छहरा | जुठापौवा | पाखुरे | ८ | ९८.८६ | ८२ |
| ६४२ | | | पाताल | १ | ५७ | ९१ |
| ६४३ | | | सिउदेनीहुल्से | ७ | ५ | १०१ |
| ६४४ | तिनाउ | कचल | काम्लेटटरी | ८ | ३६३ | ११६ |
| ६४५ | | | खुर्तिवाडपाखो | ३ | १००.४८ | ९० |
| ६४६ | | | बनधुमि दूलोकोहल | ६ | १७८ | १८१ |
| ६४७ | | | मसिना | ७ | ३५८.३८ | १२४ |
| ६४८ | | | रानीदुंगा | १ | १६०.५ | १३३ |
| ६४९ | | | सिद्धचुहार | ९ | २५२.५१ | ५२ |
| ६५० | | | लचकासल्लरी | ५ | २६३.०७ | १३५ |
| ६५१ | | | भलायोथरी तोरफान | २ | १२१.४८ | १४४ |
| ६५२ | | | पिल्लेचुहार | ६ | ११८.२५ | ११२ |
| ६५३ | | | तरुले | ७ | १८० | ७३ |
| ६५४ | | | रिपाहा | ७ | १६५ | ४७ |
| ६५५ | | | रिडसिडलेक | २ | ७९ | २०६ |
| ६५६ | | | चण्डभन्ज्याङ्ग महिला | २ | ८६.५९ | १२३ |
| ६५७ | | | खोपिल्टे पानी | ४ | ४२.९ | २० |
| ६५८ | रैनादेवी छहरा | वल्डेङगढी | गहते | ५ | ५९.३६ | ३३ |
| ६५९ | | | काहुले | ४ | ५७ | ६२ |
| ६६० | | | घलामे | ४ | २६ | ३० |
| ६६१ | | | लौधापानी तिनपोखरी | ६ | २७२.६५ | ६७ |
| ६६२ | | | चिदीपानी महिला | ७ | १७७.५ | ४८ |
| ६६३ | | | दूलोचितरी | २ | २१२ | १७५ |
| ६६४ | | | जामुने | २,३ | २४७.५८ | ९२ |
| ६६५ | | | पाखापानी | २,३ | २२०.९९ | ५९ |
| ६६६ | | | रातामाटा | ४,५,६,७ | १७० | २४१ |
| ६६७ | | | चन्द्राकार | ७ | १७२.८ | ३५ |
| ६६८ | | | रिपधारा | ५ | १९५.५४ | ५३ |
| ६६९ | | | धनसार सालधारी | ४,८,९ | ६० | ८५ |
| ६७० | | | दूलोकोहल | १,२,३ | १२१.४४ | ३३ |
| ६७१ | सत्यवती | सत्यवती | आरखोटेनी | ६ | १०.५७ | ४१ |
| ६७२ | | | रोकाहा | ४ | ६२.७५ | २३ |
| ६७३ | | | सौरेनी | ५ | ४८.२३ | ६७ |
| ६७४ | | | मल्लाते | ६ | १६ | ३४ |
| ६७५ | | | बराह | ४ | ४५ | ७४ |
| ६७६ | | | बाघपानी | ९ | २१७.३७ | ७५ |

पाल्पा जिल्ला प्रोफाईल

| सि.नं. | सर्व-डिभिजन | साविक गाविस/नपा | सा.व.उ.स. | साविक वडा नं. | क्षेत्रफल (हे.) | घरधुरी संख्या |
|--------|---------------|-----------------|-------------------|---------------|-----------------|---------------|
| ६७७ | रैनादेवी छहरा | सत्यवती | सकरखण्डी | ३ | ६१.५ | ६४ |
| ६७८ | | | राजापानी | ८ | १९० | ९२ |
| ६७९ | | | मधुवन | २ | ८२.५६ | ७१ |
| ६८० | | | दूलोकोहल | ६,७,८ | ८२.५६ | ९९ |
| ६८१ | | | कम्रे | १ | १२० | ४३ |
| ६८२ | | | जामुने | १ | ३५.३५ | २९ |
| ६८३ | | | काउछे | १,२ | १३४.५ | ६१ |
| ६८४ | | | टोपझाडीगैरा महिला | ९ | २६४.०९ | ६१ |
| ६८५ | | | राजापानी महिला | ८ | १९० | ८२ |
| | | जम्मा | | | ४०००२.३ | ५९४५८ |

अनुसुची ५ आ.व.२०७५/०७६ मा हस्तान्तरण भएका सामुदायिक वनको विवरण

| सि.नं. | सा.व.उ.स. | ठेगाना | क्षेत्रफल (हे.) | घरधुरी संख्या |
|--------|---------------------------|---------------|-----------------|---------------|
| १ | अर्चलघा | माथागढी ५ | ५९.४९ | ३७ |
| २ | कालिका | माथागढी ५ | ४९.०८७ | १३० |
| ३ | कटुवाल मभुवाडाँडा | माथागढी ३ | १०.६७१ | १४६ |
| ४ | बाटुली पोखरा | रैनादेवी ५ | ३३.८८ | ६१ |
| ५ | मेथी देउराली | रिब्दीकोट ५,७ | २८.४५ | ८८ |
| ६ | रातांडिक | रामपुर ३ | ४.१ | ५३ |
| ७ | नमुना | रामपुर ४ | २.८५ | २५ |
| ८ | सालघारी | रामपुर २ | ३.१७ | २५ |
| ९ | लुकुवा भहराई | रैनादेवी ८ | १७३.८७ | १४६ |
| १० | चिउदीपानी | तिनाउ १ | १७०.६७ | ३३ |
| ११ | अँधेरी | तानसेन ८ | ८.५७ | ६५ |
| १२ | चिनारी | तानसेन ११ | १.८ | ५० |
| १३ | हुमिन्द्रेगैरा मुर्लेखोला | बगानाशकाली १ | १६.३ | ७५ |
| १४ | भुयुथान रानीवन | निस्दी ५ | १९.६६ | १६० |
| १५ | नारी भन्ज्याङ्ग | निस्दी ३ | ९३.४७ | ११६ |
| १६ | रिमिघा | रम्भा २ | ६६.९९ | २६ |
| १७ | टुकझयालमा | रम्भा २ | ४३.२८ | ४२ |

अनुसुची ६ हालसर्वम कार्यरत डिमिजनल वन अधिकृतहरूको नाम तथा कार्यावधि

| क्र.सं. | नम | देखि | सम्म |
|---------|----------------------------|------------|------------|
| १. | श्री अम्बिका प्रसाद रेग्मी | २०४०/५/१२ | २०४०/०६/१४ |
| २. | श्री हरिहर सिंहेल | २०४०/६/१९ | २०४३/०२/०१ |
| ३. | श्री दिवाकर पाठक | २०४३/१/१५ | २०४७/०४/०९ |
| ४. | श्री गणेश राय | २०४७/४/२८ | २०४७/०८/२२ |
| ५. | श्री जगदीश चन्द्र वराल | २०४७/८/२४ | २०४९/१०/०८ |
| ६. | श्री तिर्थराज जोशी | २०४९/०९/२९ | २०५१/११/३० |
| ७. | श्री लक्ष्मण गौतम | २०५१/१२/०८ | २०५४/१०/२४ |
| ८. | श्री गोपाल प्रसाद वास्कोटा | २०५४/११/१५ | २०५५/०६/०४ |
| ९. | श्री शोहरत प्रसाद ठाकुर | २०५५/०६/०७ | २०५६/०९/१३ |
| १० | श्री हिरालाल प्रसाद कूसवाह | २०५६/१०/१७ | २०५८/०९/०९ |
| ११ | श्री विष्णु प्रसाद भण्डारी | २०५८/१०/२५ | २०५९/०३/२८ |
| १२ | श्री हेमलाल अर्याल | २०५९/०४/०८ | २०६१/०३/२६ |
| १३. | श्री जीवन कुमार ठाकुर | २०६१/०४/१४ | २०६४/०६/०९ |
| १४. | श्री राम वानु पौड्याल | २०६४/०६/०९ | २०६७/१०/१२ |
| १५. | श्री विष्णु प्रसाद आचार्य | २०६७/१०/१२ | २०६८/०४/११ |
| १६. | श्री राम वानु पौड्याल | २०६८/०४/१२ | २०६८/१२/३ |
| १७. | श्री सुरेश सिंह | २०६८/१२/५ | २०७०/०९/२३ |
| १८. | श्री प्रकाश लम्साल | २०७०/०९/२४ | २०७२/११/०८ |
| १९. | श्री दधिलाल कडेल | २०७२/११/१९ | २०७५/७/२ |
| २०. | डा. मोहन प्रसाद पौडेल | २०७५/७/४ | हालसम्म |

सन्दर्भ सामाग्री

- पञ्चवर्षीय योजना ०७०/ ७१-०७४/ ७५, डिभिजन वन कार्यालय, पाल्पा
- DFRS, 2017. *Forest and Watershed profile local level, 2017. Department of Forest and Survey, Kathmandu, Nepal*
- तानसेन नगरपालिका प्रोफाइल, २०१९
- जिल्ला प्रोफाइल, २०६९, जिल्ला समन्वय समिति, पाल्पा
- जिल्ला प्रोफाइल, २०७१, जिल्ला समन्वय समिति, पाल्पा
- पाल्पा जिल्लामा मानव वन्यजन्तु द्वन्दको स्टाटस सर्भे प्रतिवेदन २०१८, डिभिजन वन कार्यालय, पाल्पा
- DFO, 2018. *Status Survey of Tejpat in Palpa District. District Forest Office, Palpa*
- जिल्ला शिक्षा कार्यालय, पाल्पाका प्रतिवेदनहरू

